जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 359 प्रभात बीकानेर, सोमवार 21 जुलाई, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

हम ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए तैयार हैं- रिजिजू

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि संसद के मानसून सत्र में सरकार हर मुद्दे पर खुले दिल से चर्चा करेगी

नई दिल्ली, 20 जुलाई। संसद के मानसून सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तमाम मुद्दों पर चर्चा हुई। सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार-विपक्ष के बीच समन्वय होना चाहिए। हम मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार हैंउन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने के प्रस्ताव पर सांसदों के हस्ताक्षरों की संख्या पहले ही 100 को पार कर चुकी है।

सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संसद सत्र शुरू होने से पहले सभी दलों के नेताओं की एक बैठक हुई। इस सत्र में कुल 51 राजनीतिक दल और स्वतंत्र सांसद भाग लेंगे। इन 51 दलों के 54

- **रिजिजू ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में 51 दलों के 54 सदस्यों ने भाग लिया। चालीस सदस्यों ने अपनी पार्टी की ओर से राय रखी। सरकार ने सभी की बातों पर ध्यान दिया।**

सदस्यों ने बैठक में भाग लिया। 40 सांसदों ने अपनी पार्टियों की ओर से अपनी राय रखी। यह बहुत रचनात्मक थी। सभी राजनीतिक नेताओं ने अपनी पार्टियों की स्थिति और उन मुद्दों को बताया जो वे इस सत्र में लाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी की बातों पर ध्यान दिया है। हमने अनुरोध किया है कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले, इसके लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष को अच्छे समन्वय के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दावों के मुद्दे पर सरकार संसद में उचित जवाब देगी। कई मुद्दे ऐसे हैं जिन पर पार्टियों ने कहा है कि इन पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। हम खुले दिल से चर्चा के लिए तैयार हैं। हम हर मुद्दे पर चर्चा करेंगे लेकिन नियमों और परंपराओं के अनुसार।

उन्होंने कहा कि विपक्ष ने अपनी राय रखी। एनडीए, यूपीए (इंडिया गठबंधन) और उनके बीच के दलों ने अपनी राय रखी है। हम इन सभी मुद्दों को संसद में ले जाएंगे, क्या चर्चा करनी है और क्या नहीं, इसका फैसला बीएसी (कार्य मंत्रणा समिति) में किया जाएगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मैराथन धावक फौजा सिंह का अंतिम संस्कार हुआ

ब्यास (जालंधर), 20 जुलाई। विश्व प्रसिद्ध 114 वर्षीय मैराथन धावक फौजा सिंह का रविवार को उनके पैतृक गांव में अंतिम संस्कार कर दिया गया।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान सहित हज़ारों लोगों ने नम आंखों से फौजा सिंह को अंतिम विदाई दी। मुख्यमंत्री ने फौजा सिंह के पार्थिव शरीर

- **वे विश्व के सबसे वृद्ध मैराथन धावक थे। जालंधर के स्पोर्ट्स कॉलेज में उनकी प्रतिमा लगेगी।**

पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि 14 जुलाई को सड़क पार करते समय एक तेज़ रफ्तार वाहन की टक्कर से फौजा सिंह की मृत्यु हो गयी थी। मान ने फौजा सिंह के खेल जगत में दिये गये बहुमूल्य योगदान की सराहना करते हुये कहा कि 114 वर्ष की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मस्क के स्पेस एक्स के साथ सरकारी अनुबंध जारी रखेंगे ट्रंप

अरबपति मस्क के साथ सार्वजनिक विवाद के बाद ट्रंप ने उनके साथ सारे संबंध तोड़ने की धमकी दी थी

वाशिंगटन, 20 जुलाई। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क के स्वामित्व वाली स्पेसएक्स के साथ सरकारी अनुबंधों का मूल्यांकन करने के बाद ट्रंप प्रशासन इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि उनमें से अधिकांश को बनाए रखना आवश्यक है, क्योंकि, वे पेंटागन और नासा के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने रविवार को सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी।

वॉल स्ट्रीट जर्नल के सूत्रों के अनुसार, जून की शुरुआत में राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने यह घोषणा की थी कि वह कुछ दिनों बाद एलन मस्क के साथ मौजूदा सरकारी अनुबंधों का पुनर्मूल्यांकन करेंगे।

इसी के मद्देनजर ट्रंप प्रशासन ने अरबों डॉलर के समझौतों में संभावित नुकसान का आकलन करने के लिए अनुबंधों की समीक्षा शुरू की। स्पेसएक्स की अध्यक्ष ग्वेने शॉटवेल ने स्पेसएक्स अनुबंधों के मूल्यांकन के दौरान व्हाइट हाउस के अधिकारियों से

- **ट्रंप की धमकी से नासा व पैंटागन की चिंताएं बढ़ गई थीं, क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन भेजने व वापस लाने के लिए नासा स्पेस एक्स का उपयोग करता है तथा पैंटागन अपने महत्वपूर्ण उपग्रह को प्रक्षेपित करने के लिए मस्क की कंपनी पर निर्भर है।**

मुलाकात की।

समाचारपत्र के एक सूत्र ने कहा कि स्पेसएक्स के कुछ अनुबंधों की आगे जांच की जा सकती है। जून में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और अरबपति मस्क के बीच सार्वजनिक विवाद शुरू होने के बाद व्हाइट हाउस ने रक्षा विभाग और नासा को स्पेसएक्स के साथ बड़े अनुबंधों पर विस्तृत जानकारी एकत्रित करने का निर्देश दिया था।

ट्रंप द्वारा स्पेसएक्स के साथ अनुबंध समाप्त करने की धमकी के बाद एलन मस्क ने कहा था कि वह ड्रैगन अंतरिक्ष यान उड़ाना बंद कर सकते हैं। इससे अंतरिक्ष एजेंसी यात्रियों को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजने और वापस लाने की क्षमता खो सकती थी।

एलन मस्क बाद में अपनी धमकी पर पीछे हट गए लेकिन उनकी घोषणा ने नासा अधिकारियों में चिंताएं उत्पन्न कर दीं, जिन्होंने स्पेसएक्स पर अपने अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित रखने का भरोसा किया था और पेंटागन अपने महत्वपूर्ण उपग्रहों को प्रक्षेपित करने के लिए उनकी कंपनी पर अधिक निर्भर है।

दरअसल मई माह के अंत में राष्ट्रपति कार्यालय ने एलन मस्क के करीबी जैरेड इसाकमैन को नासा प्रशासक के पद से हटा दिया था जिसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप और एलन मस्क के बीच तनाव बढ़ गया था।

मोदी ब्रिटेन व मालदीव जायेंगे

नयी दिल्ली, 20 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को चार दिन की यात्रा पर ब्रिटेन और मालदीव जायेंगे जहां वे मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के समारोह में 'मुख्य अतिथि' होंगे।

मोदी यात्रा के पहले चरण में 23 जुलाई को दो दिन की ब्रिटेन यात्रा पर रवाना होंगे और इसके बाद दूसरे चरण में वह 25 जुलाई को दो दिन की यात्रा पर मालदीव जायेंगे।

विदेश मंत्रालय ने रविवार को बताया कि मोदी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री, सर कीर स्टारमर के निमंत्रण पर ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। यह प्रधानमंत्री की ब्रिटेन की चौथी यात्रा होगी। ब्रिटेन में मोदी अपने समकक्ष के

- **वे मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगाँठ के समारोह में मुख्य अतिथि होंगे।**

साथ भारत-ब्रिटेन द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण पहलुओं पर व्यापक चर्चा करेंगे। वे क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री की राजा चार्ल्स तृतीय से भी मुलाकात की उम्मीद है। इस यात्रा के दौरान दोनों पक्ष व्यापार और अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी और नवाचार, रक्षा और सुरक्षा, जलवायु, स्वास्थ्य, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की भी समीक्षा करेंगे।

यात्रा के दूसरे चरण में मोदी मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज़्ज़ू

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लुटेरी दुल्हन गहने व नकदी लेकर फरार हुई

जयपुर, 20 जुलाई। कोटखावदा थाना इलाके में, शादी के महज 13 दिन बाद ही लाखों रुपए के गहने व नकदी लेकर फरार होने वाली दुल्हन का मामला सामने आया है। यहीं नहीं दुल्हन ने अपने परिजनों के साथ मिलकर पीड़ित पक्ष को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी और लाखों रुपयों की डिमांड की। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

- **बिचौलिए ने भी शादी कराने के तीन लाख 60 हजार रूपए लिये थे।**

थानाधिकारी भरत लाल ने बताया कि थाना इलाके में रहने वाले 42 वर्षीय दूल्हे ने मामला दर्ज कराया है कि उसका परिचित रामजी लाल कुछ समय पहले ही उसके पास आया था और दिल्ली की जाट समाज की लड़की से उसकी शादी करवाने की बात कही थी। शादी करवाने का झांसा देकर आरोपी ने तीन लाख 60 हजार रुपए ले लिए। पांच जुलाई को सहमति विवाह पत्र से खास रिश्तेदारों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मराठी मानुष की लड़ाई के लिए मेरा व राज ठाकरे का साथ आना जरूरी'

उद्धव ठाकरे ने "सामना" को दिए इंटरव्यू में कहा कि मराठी भाषा व मराठी मानुष के लिए वे कुछ भी कर सकते हैं

मुंबई, 20 जुलाई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा है कि मराठी भाषा और मराठी मानूस (मराठी लोगों) की लड़ाई के लिए उनका और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे का साथ आना ज़रूरी है।

उद्धव ठाकरे ने ये बातें शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना को दिए इंटरव्यू के दूसरे और अंतिम भाग में कहीं, जो रविवार को प्रकाशित हुआ। इंटरव्यू उन्होंने राज्यसभा सांसद और सामना के कार्यकारी संपादक संजय राउत को दिया। उन्होंने साफ कहा, मराठी भाषा और मराठी मानूस के लिए मैं कुछ भी करने को तैयार हूं। अगर किसी को मेरे और राज के साथ आने से परेशानी है, तो वो उनकी समस्या है।

जब उद्धव से पूछा गया कि क्या मराठी मानूस को एक साथ आना

- **मुंबई महानगर पालिका जैसे स्थानीय निकाय चुनावों के बारे में उद्धव ठाकरे ने कहा कि शिव सेना, कांग्रेस और शरद पवार स्थानीय स्तर पर इस संबंध में निर्णय लेंगे।**

चाहिए, तो उन्होंने कहा, हां, जरूर आना चाहिए। क्योंकि हम लड़ाई किसके लिए लड़ रहे हैं? मराठी मानूस के लिए।

हाल ही में हिंदी भाषा को लेकर राज्य सरकार की तरफ से जारी दो विवादित सरकारी आदेशों को वापस लिए जाने के बाद, उद्धव और राज ठाकरे ने एक साथ मंच साझा किया था। इसके बाद से दोनों चचेरे भाइयों के फिर से करीब आने की अटकलें तेज हो गई हैं। उद्धव ठाकरे ने कहा, अब हम दोनों (राज और उद्धव) एक-दूसरे को कॉल कर सकते हैं, मिल सकते हैं और इसमें कोई परेशानी नहीं है। हम ठाकरे लोग सबसे खुलकर मिलते हैं।

स्थानीय निकाय चुनावों (जैसे मुंबई महानगरपालिका) को लेकर पूछे गए सवाल पर उद्धव ने कहा, कांग्रेस से इस विषय पर चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर निर्णय लेंगे। अगर ऐसा है, तो ऐसा ही होगा। शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी (एसपी) तीनों मिलकर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन का हिस्सा हैं। उद्धव ने कहा, हर पार्टी का स्थानीय स्तर पर संगठन होता है। एमवीए की पार्टियां जो राजनीतिक रूप से उचित समझेंगी, हम वही करेंगे।

जून में यूपीआई से 24 लाख करोड़ रूपए का भुगतान हुआ

नई दिल्ली, 20 जुलाई। भारत अब तेज डिजिटल भुगतान के मामले में पूरी दुनिया में सबसे आगे निकल गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की नई रिपोर्ट, खुदरा डिजिटल भुगतान का बढ़ ता चलन: इंटरऑपरेबिलिटी का महत्व, के अनुसार, भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) इस क्रांति का मुख्य आधार है।

2016 में नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की तरफ से शुरू किया गया यूपीआई, आज भारत में पैसे भेजने और पाने का सबसे तेज, आसान और भरोसेमंद तरीका बन चुका

- **आईएमएफ की नई रिपोर्ट के अनुसार, तेज डिजिटल भुगतान के मामले में भारत दुनिया में सबसे आगे हो गया है।**

है। यूपीआई के जरिए एक ही मोबाइल ऐप से कई बैंक खातों को जोड़ा जा सकता है। फिर चाहे किसी को पैसे भेजने हों, दुकान में भुगतान करना हो या दोस्तों को पैसे ट्रांसफर करने हों- सब कुछ कुछ ही क्लिक में हो जाता है।

आज भारत में हर महीने 18 अरब से ज्यादा लेन-देन यूपीआई के जरिए हो रहे हैं। जून 2025 में ही यूपीआई ने 18.39 अरब लेनदेन के जरिए 24.03 लाख करोड़ रुपये का भुगतान संसाधित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीसलपुर बाँध भराव क्षमता के नज़दीक पहुँचा

संभावना व्यक्त की जा रही है कि जुलाई के अंतिम सप्ताह में बाँध पूरा भर जाएगा

देवली, 20 जुलाई (निसं)। बीसलपुर बांध अपनी भराव क्षमता छूने में कुछ ही दूर रह गया है। रविवार को बीसलपुर बांध का पानी करीब 315 मी को पार कर गया है। गौरतलब है कि इस बार मानसून जून के महीने में ही सक्रिय हो गया, इसी कारण जुलाई माह में चित्तौड़ उदयपुर राजसमंद भीलवाड़ा, मांडलगढ़ सहित बांध के कैचमैंट एरिया और ऊपरी भाग पर त्रिवेणी नदी से लगातार पानी की आवक के कारण बीसलपुर बांध अपने इतिहास में पहली बार अपनी जलाशय भंडार भराव क्षमता के करीब है। उल्लेखनीय की जयपुर, अजमेर, टोंक, की पेयजल लाइफलाइन बीसलपुर बांध की जलाशय भण्डारण 315.50 मीटर है।

लोगों का मानना है कि बीसलपुर बांध के ऊपरी माल एवं कैचमैंट एरिया में अब भी हो रही लगातार बारिश के कारण इस बार जुलाई के अंतिम सप्ताह तक बीसलपुर बांध का पानी भराव क्षमता को जल्दी छूकर छलक सकता है। इसलिए की बीसलपुर बांध की सहायक नदियां त्रिवेणी,

- **बीसलपुर बाँध की सहायक नदियों, त्रिवेणी, खारी, डामी से बाँध में लगातार पानी आ रहा है।**

खारी, डायी और कैचमैंट एरिया से बांध में लगातार पानी की आवक हो रही है। संबंधित विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार बीसलपुर बांध के निर्माण के बाद इतिहास में पहली बार जुलाई माह में पानी अपनी भराव क्षमता को पार कर सकता है।

विधायक देवली-उनियारा राजेंद्र गुर्जर ने कहा कि इस बार बीसलपुर बांध जुलाई माह में पूर्ण रूप से भर सकता है। ऊपरी माल पर लगातार हो रही बारिश की संभावना से यह संभव हो सकता है। ऐसे में ईसरदा बांध के निर्माण में, अगर कोई तकनीकियां खामियां नहीं होंगी तो राज्य सरकार बीसलपुर बांध से छोड़े जाने वाले पानी को ईसरदा डैम में एकत्रित करने पर विचार कर सकती है।

एयर इंडिया के पूर्व संचालन निदेशक जाँच टीम में शामिल

मुंबई, 20 जुलाई। अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे की जांच कर रहे एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने एअर इंडिया के पूर्व संचालन निदेशक और अनुभवी पायलट कैप्टन आरएस संधू को जांच में विशेषज्ञ के रूप में शामिल किया है। यह जानकारी सूत्रों ने रविवार को दी है। कैप्टन संधू बोइंग 787-8 विमान के लिए नामित परीक्षक भी रह चुके हैं। खास बात यह है कि उन्होंने 2013 में उस विमान वीटी-एएनबी को एअर इंडिया के लिए डिलीवर किया था, जो इस हादसे में शामिल था।

- **कैप्टन आर.एस. संधू अनुभवी पायलट हैं तथा बोइंग 787-8 विमान के नामित परीक्षक रह चुके हैं।**

सूत्रों के अनुसार, एएआईबी ने कैप्टन आरएस संधू से संपर्क कर उन्हें जांच टीम में बतौर डोमेन एक्सपर्ट (विशेषज्ञ) शामिल होने का प्रस्ताव दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। संधू करीब 39 वर्षों तक एयर इंडिया में कई जिम्मेदारियों पर कार्यरत रहे। वे एवियाजियोन नाम के एविएशन कंसल्टेंसी फर्म के संस्थापक भी हैं और उन्होंने टाटा समूह की कई एयरलाइनों के एकीकरण में भी अहम भूमिका निभाई थी। कई पायलट यूनियनों, खासकर एएलपीए इंडिया (एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया) ने पहले ही चिंता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन ने तिब्बत में विश्व की सबसे बड़ी जल विद्युत परियोजना शुरु की

भारत को अंदेशा है कि इस परियोजना से इस भूकंप संवेदनशील क्षेत्र में पारिस्थितकी संतुलन बिगड़ सकता है

बीजिंग, 20 जुलाई। चीन ने भारत की चिंताओं को दरकिनार करते हुए तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में यारलुंग सांगपो नदी के निचले इलाकों में लगभग 1.2 ट्रिलियन युआन (167.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर) लागत वाली जलविद्युत परियोजना का निर्माण आधिकारिक तौर पर शुरू कर दिया है। चीनी परिषद ने अपनी वेबसाइट पर यह जानकारी दी है।

परिषद के बयान में कहा गया है कि चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने शनिवार को यारलुंग ज़ंगबो नदी के निचले इलाकों में एक जलविद्युत परियोजना के निर्माण की शुरुआत की घोषणा की। इस परियोजना से बनने वाली बिजली का इस्तेमाल मुख्य रूप से बाहरी खपत के साथ-साथ तिब्बत में स्थानीय मांग के लिए भी किया जाएगा।

इस जलविद्युत परियोजना का निर्माण कार्य चाइना याजियांग ग्रुप कंपनी कर रही है जो परियोजना के पूरा होने के बाद इसका संचालन भी करेगी। गौरतलब है कि इस परियोजना के निर्माण की आधिकारिक शुरुआत से पहले भारत ने अपनी चिंता जता दी थी और

- **चीन ने तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में रलुंग सांगपो नदी के निचले इलाकों में लगभग 167.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर की लागत वाली योजना बनाई है तथा इसका निर्माण कार्य शुरु कर दिया है।**

भारत और अन्य देशों के हितों का भी ख्याल इस वर्ष जनवरी की शुरुआत में, भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा जलविद्युत स्टेशन बनाने की चीन की योजनाओं पर भारत नज़र रख रहा है। भारत ने चीन से आग्रह किया था कि वह ऐसी परियोजनाओं का निर्माण करते समय रखे।

भारत इस परियोजना का इस लिहाज से भी विरोध कर रहा है क्योंकि इसमें एक बांध तिब्बत पठार के पूर्वी छोर पर हिमालय की विशाल घाटी में बनाया जाएगा। यह क्षेत्र पहले ही भूकंप के नजरिए से काफी संवेदनशील है और इस विशाल परियोजना के निर्माण से यहां पारिस्थितकी संतुलन बिगड़ सकता है। यारलुंग सांगपो नदी दक्षिण-पश्चिमी तिब्बत में कैलाश पर्वत के पास जिमा यांगज़ोंग ग्लेशियर से निकलती है और इसकी लंबाई 1,700 किलोमीटर है यह भारत में अरूणाचल प्रदेश की सियांग नदी में, फिर असम में ब्रह्मपुत्र और बाद में बांग्लादेश पहुँचती है।

कॉलेज प्रोफेसर ने छात्रा के साथ छेड़छाड़ की

जयपुर, 20 जुलाई। चित्रकूट थाना इलाके में एक प्रोफेसर द्वारा कॉलेज छात्रा से छेड़छाड का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, छात्रा आरोपी प्रोफेसर के पास पढ़ ाई करने जाती थी। पढ़ाई के दौरान अकेला पाकर आरोपी ने छात्रा से छेड़छाड़ की। आरोपी के चुगंल से मुक्त होने के बाद पीड़िता ने थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने बयानों के आधार मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

थानाधिकारी अंतिम शर्मा ने बताया कि इलाके में रहने

- **पीड़िता ने आरोप लगाया कि वह प्राइवेट कॉलेज में पढ़ाने वाले प्रोफेसर से कुछ पूछने गई थी, अकेला पाकर प्रोफेसर ने छेड़छाड़ की।**

वाली 23 वर्षीय युवती का आरोप है कि वो प्राईवेट कॉलेज में पढ़ ती है।

आरोपी प्रोफेसर उसकी क्लास में पढ़ ाता था। 16 जुलाई की शाम को पीड़िता आरोपी से कुछ पूछने गई थी। इसी दौरान अकेला पाकर प्रोफेसर ने उसके साथ छेड़छाड शुरु कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने पीड़िता को धमकाना शुरु कर दिया। पुलिस ने बयानों के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

विचार बिन्दु

बिना जोश के आज तक कोई भी महान कार्य नहीं हुआ। –सुभाष चंद्र बोस

यूपीआई से मोहभंग का यथार्थ!

क्या यह बात कम विडंबनापूर्ण है कि डिजिटल भारत की सर्वाधिक लोकप्रिय सुविधा यूपीआई के विरोध के स्वर उस शहर से उठ रहे हैं जिसे डिजिटल भारत का सर्वाधिक चमकदार चेहरा माना जाता है। ख़बर आई है कि बेंगलुरु के दुकानदारों ने अपनी दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर इस आशय के बोर्ड लगाने शुरु कर दिए हैं कि वे केवल नकद भुगतान स्वीकार करेंगे, यूपीआई उन्हें स्वीकार्य नहीं है! हमारे पाठकों को यह बात याद होगी कि भारत सरकार ने 1 जुलाई 2015 को एक महत्वाकांक्षी पहल डिजिटल इण्डिया का शुभारम्भ किया था, जिसका उद्देश्य भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था में बदलना है। यह कार्यक्रम तीन प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित रहा है– 1. डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण, 2. इलेक्ट्रॉनिक रूप से सरकारी सेवाओं की डिलीवरी और 3. सार्वभौमिक डिजिटल साक्षरता।

इसके नौ स्तंभों में मोबाइल कनेक्टिविटी, सार्वजनिक इंटरनेट पहुंच, ई–गवर्नेंस, और ई–क्रांति जैसे क्षेत्र शामिल हैं। यह पहल भारतनेट, स्टार्टअप इंडिया, और मेक इन इंडिया जैसी अन्य योजनाओं के साथ तालमेल बिठाकर काम करती है। तो इसी डिजिटल इंडिया योजना के तहत नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा 2016 में यूपीआई की शुरुआत की गई। यूपीआई एक त्वरित और सुरक्षित भुगतान प्रणाली है जो 24/7 लेनदेन की सुविधा प्रदान करती है। डिजिटल इंडिया की अन्य योजनाओं और लक्ष्यों का क्या हश्र हुआ इस विस्तार में न जाते हुए हम फिलहाल यह याद रखें कि यूपीआई इस डिजिटल इंडिया सपने का सर्वाधिक चमकदार सितारा है। प्रारंभिक हिचकिचाहट के बाद अब कमोबेश पूरे देश ने इसे न केवल अपना लिया है, वह इसके उपयोग को सुविधाजनक भी मानने लगा है।

यूपीआई की प्रगति के बारे में अधिक जानने से पहले यूपीआई क्या है, यह जान लेना उपयुक्त होगा। यूपीआई (यूनिफाइडपेमेंट्स इंटरफेस) एक रीयल–टाइम भुगतान प्रणाली है, जिसे नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा विकसित किया गया है। यह बैंकों, भुगतान सेवा प्रदाताओं (PSPs), और उपयोगकर्ताओं के बीच एक एकीकृत मंच प्रदान करता है, जो त्वरित, सुरक्षित, और सुविधाजनक लेनदेन को सक्षम बनाता है। जहां तक यूपीआई के बढ़ते कदमों का सवाल है, यह जानना रोचक होगा कि अक्टूबर 2024 में यूपीआई के माध्यम से 16.58 अरब लेनदेन हुए, जिनका मूल्य 23.49 लाख करोड़ रुपये था। यह लेन–देन इससे पिछले वर्ष की तुलना में 45% अधिक था। 2024 में कुल 208.5 अरब डिजिटल लेनदेन दर्ज किए गए। इस यूपीआई लेन–देन ने छोटे व्यवसायों, रेहड़ी–पटरी वालों, और प्रवासी श्रमिकों को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ा है। कोविड–19 महामारी के दौरान संपर्क रहित भुगतानों की मांग ने इसके उपयोग को और बढ़ाया। और उसके बाद यह जैसे हमारी आदत में ही शुमार हो गया। अब तो हालत यह है कि धार्मिक स्थल भी यूपीआई के माध्यम से दान स्वीकार करने लगे हैं और न केवल बहुत छोटे व्यवसायी, भिखारी तक यूपीआई का प्रयोग करने लगे हैं। अगर आंकड़ों की बात करें तो सन् 2019 में जहां डिजिटल भुगतानों में यूपीआई की हिस्सेदारी मात्र 34 प्रतिशत थी वह 2024 में बढ़कर 84 प्रतिशत हो गई। इस वजह से भारत डिजिटल भुगतान के मामले में वैश्विक अग्रणी बन गया है। और केवल इतना ही नहीं, यूपीआई को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनाया जा रहा है। यूपीआई को सिंगापुर, यूएई और कुछ अन्य देश भी अपनाने जा रहे हैं।

हमारे देश में आम जन ने यूपीआई को इतने उत्साह से अपनाया है, इसके मूल में तीन ख़ास बातें हैं। पहली तो यह कि यूपीआई एक ही मोबाइल ऐप में कई बैंक खातों को जोड़ने की सुविधा देता है, जिससे उपयोगकर्ता बिना खाता संख्या या आईएफएससी कोड साझा किए वर्चुअल पेमेंट एड्रेस (वीपीए) के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं। दूसरी यह कि दो कारक प्रमाणीकरण की वजह से यूपीआई अपेक्षाकृत सुरक्षित और तेज लेनदेन सुनिश्चित करता है। और तीसरी यह कि छोटे लेनदेन के लिए यूपीआई लाइट जैसे विकल्पों ने कम मूल्य के भुगतानों को और सुलभ बना दिया है। और जैसे इतना पर्याप्त न हो, यूपीआई ने जन धन–आधार–मोबाइल (JAM) त्रिमूर्ति के साथ मिलकर वंचित वर्गों तक वित्तीय सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की है। अगस्त 2023 तक 50 करोड़ जन धन खाते खोले गए, जिनमें 56% महिलाओं के हैं। यूपीआई के कारण पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 23 लाख करोड़ रुपये का हस्तांतरण हुआ है, इसके अलावा यूपीआई ने छोटे और मध्यम उद्यमों (MEMEs) को डिजिटल भुगतान स्वीकार करने में सक्षम बनाया, जिससे ग्रामीण और अर्ध–शहरी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ी हैं।

यूपीआई के विरोध के मूल में सबसे बड़ी बात इसका पारदर्शी होना है। यूपीआई से किया गया हर लेन देने रिकॉर्डेड होता है। अब अगर एक छोटा दुकानदार जो कल तक सारे टैक्स दायित्वों से बचा हुआ था वह आयकर विभाग या जीएसटी विभाग की निगाहों में आता है तो यह बात उसे पसंद नहीं आती है।

निश्चय ही यूपीआई की कुछ सीमाएं भी हैं। मसलन यह कि इसमें लेन–देन की अधिकतम सीमा एक लाख रुपये है, यह पूरी तरह इंटरनेट की सुलभता पर निर्भर है और भारत में यह सुलभता कैसी है यह बताने की ज़रूरत नहीं है। इसके माध्यम से लेन–देन में सुरक्षा के भी कुछ ख़तरे हैं और समय–समय पर इसमें सेंधमारी कर लोगों को नुकसान पहुंचाने की ख़बरें भी आती रहती हैं। फिर भी इसे सुविधाजनक मान आम भारतीयों ने न केवल अपनाया है, अपनी आदत में भी शामिल कर लिया है। अब तो अगर आप नकद देना चाहें तो भी बहुत बार सामने वाला चलाकर कहता है कि आप यूपीआई से भुगतान कर दीजिए। फिर क्या वजह है कि बेंगलुरु जैसे अत्याधुनिक शहर के दुकानदार यूपीआई से गुरेज़ करने लगे हैं?

पहली बात तो यह है कि बार–बार आने वाली तकनीकी बाधाओं के कारण यूपीआई में बैकअप सिस्टम और पारदर्शिता की कमी है। इन तकनीकी समस्याओं ने कुछ उपयोगकर्ताओं और व्यापारियों में असंतोष पैदा किया है। छोटे व्यापारी, जो पूरी तरह से यूपीआई पर निर्भर हैं, ऐसी समस्याओं से प्रभावित होते हैं और इसे अविश्वसनीय मान बैठते हैं। दूसरी बात यह कि यूपीआई की लोकप्रियता के साथ, फिशिंग, नकली यूपीआई ऐप्स, और क्यूआर कोड धोखाधड़ी जैसे साइबर अपराधों में वृद्धि हुई है। उपयोगकर्ताओं को अक्सर फर्जी लिंक, फोन कॉल्स, या अनधिकृत भुगतान अनुरोधों के माध्यम से ठगा जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) और एनपीसीआई ने इसके खिलाफ जागरूकता अभियान चलाए हैं, लेकिन फिर भी धोखाधड़ी के मामले सामने आते हैं और इनके कारण व्यापारियों का विश्वास डगमगाता है। बहुत बार उपयोगकर्ताओं की असावधानी से भी ग़लती हो जाती है। वे ग़लत पिन अंकित कर देते हैं या फर्जी क्यूआर कोड स्कैन करके अपना धन खो देते हैं, जिसके कारण वे यूपीआई का उपयोग करने से बचना चाहते हैं। फिर, ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ लोग यूपीआई को जटिल या अप्रासंगिक मानते हैं, क्योंकि उनके पास आवश्यक उपकरण (स्मार्टफोन) या ज्ञान नहीं है। कुछ समुदाय अभ्यास वश नकद लेनदेन को ही अधिक विश्वसनीय और सरल मानते हैं, जिसके कारण वे यूपीआई को अपनाने से हिचकते हैं।

लेकिन मुझे लगता है कि यूपीआई के विरोध के मूल में सबसे बड़ी बात इसका पारदर्शी होना है। यूपीआई से किया गया हर लेन देने रिकॉर्डेड होता है। अब अगर एक छोटा दुकानदार जो कल तक सारे टैक्स दायित्वों से बचा हुआ था वह आयकर विभाग या जीएसटी विभाग की निगाहों में आता है तो यह बात उसे पसंद नहीं आती है। इसी तरह जब एक नागरिक यूपीआई से भुगतान करता है तो उसका किया हुआ सारा भुगतान भी सरकार की नज़रों में आ जाता है। दो नंबर का धन रखने वालों को यह बात रास नहीं आती है इसलिए वे यूपीआई की बजाय नकद लेन देने को पसंद करते हैं। असल में हम लोग बहुत लम्बे समय से दो नंबरी अर्थ व्यवस्था के अभ्यस्त रहे हैं और वह हमें रास भी आती है। उस अर्थ व्यवस्था को छोड़ एक ऐसी अर्थ व्यवस्था को अपनाना जिसमें सब कुछ रिकॉर्डेड हो, लोगों को नहीं रुच रहा है। पहले वे इस बात को नहीं समझे थे, अब समझने लगे हैं। लेकिन यह जाना और समझा जाना चाहिए कि अगर यूपीआई के खिलाफ़ यही सबसे बड़ा तर्क है तो यह तर्क ग़लत है। सरकार अपनी कर प्रणाली को सरल करे, व्यापारी को बेवजह परेशान न होना पड़े, यहां तक तो ठीक है, लेकिन इस बात का समर्थन कोई कैसे कर सकता है कि आप सारा लेन–देन दो नंबर में ही करते रहने की छूट चाहें? यह तो उनके प्रति भी अन्याय है जो ईमानदारी से कर चुकाते हैं। कोई छोटा व्यापार कर रहा है तो इसका यह अर्थ क्यों मान लिया जाए कि उस पर कोई नियम–कानून लागू ही न हो। हम तो सरकार से अपेक्षा करेंगे कि वह यूपीआई का विरोध करने वालों से संवाद करे और उनकी उचित दिक्कतों को समझ उनका निराकरण करते हुए उन्हें इस व्यवस्था के घेरे में रखने का हर संभव प्रयास करे। यह ज़रूरी है कि हम अपनी आय और व्यय के मामलों में ईमानदार हों और हम पर जो टैक्स की देनदारी बनती है उसे निष्ठापूर्वक चुकाएं।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

नकली खाद, नकली बीज, नकली दवाइयां एवं नकली खाद्य पदार्थ–सभी कुछ नकली

क्या सरकार असली कार्यवाही करेगी

सुनील दत्त गोयल

दवाइयों से लेकर बीज–खाद तक मिलावट का मायाजाल और कानून की ढीली गिरफ़्त

राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा की हाल की छापामार कार्रवाई ने अचानक देश–भर में सावन के अंधेरे बादलों जैसे छाए नकली खाद–बीज के कारोबार को बिजली–सी रोशनी में ला खड़ा किया। जयपुर, किशनगढ़ और श्रीगंगानगर की 30 फ़ैक्ट्रियों से रोज़ाना दो–लाख से ज़्यादा नकली खाद की बोरियां निकल रहीं थीं, जिनमें संगमरमर का स्लरी, पत्थर–धूल और रंग मिलाकर 'ब्रांडेड' उर्वरक बनाया जा रहा था। यही जहर, उत्तर–भारत के खेतों में येन–केन–प्रकारेण पहुँच रहा था और उपजाऊ मिट्टी को बंजर बना रहा था।

दवा बाज़ार भी उतना ही बीमार है। आज भारत में एलोपैथिक दवाएं बाजार में 90 प्रतिशत तक की भारी छूट के साथ बेची जा रही हैं, लेकिन इस बेतहाशा छूट के पीछे इनकी गुणवत्ता अक्सर संदेह के घेरे में है। सस्ती और भारी छूट वाली दवाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है, क्योंकि जब कंपनियाँ इतनी सस्ती दरों पर दवा बेचती हैं तो आम लोगों के मन में यह चिंता घर कर जाती है कि उनकी गुणवत्ता या तो घटिया है या फिर उनमें मिलावट की गई है। अखिल भारतीय केमिस्ट–ड्रगिस्ट संगठन ने चेताया कि कोविड–काल के बाद खुदरा बाज़ार में नकली–मिलावटी दवाइयों का हिस्सा 10 से बढ़कर 15 प्रतिशत हो गया है। विनियामक सीडीएससीओ ने हाल ही में 63 आम दवाओं की असफल बैच सूची जारी की; यानी बीपी की गोली में उतना साल्ट ही नहीं जितना लेबल पर छपा था। रोगी की उम्मीदों पर नमक ही नमक, दवा नदारद! विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, प्रतिवर्ष 10 लाख से अधिक लोग नकली और घटिया दवाओं से मरते हैं। इसका आर्थिक प्रभाव 21 अरब डॉलर वार्षिक है। विकासशील देशों में बेची जाने वाली 10.5 प्रतिशत दवाएं नकली या घटिया हैं। अफ्रीका में स्थिति और भी गंभीर है, जहां नकली मलेरिया रोधी दवाओं से हर साल 1.2 से 4.5 लाख लोग मरते हैं। भारत के संदर्भ में स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। डब्लु एच ओ की रिपोर्ट के अनुसार, एशिया की 35 प्रतिशत नकली दवाएं भारत से आती हैं। यूरोपीय आयोग की रिपोर्ट में तो यह दावा किया गया है कि विश्व के 75 प्रतिशत नकली दवाओं के मामले भारत से उत्पन्न होते हैं। भारत के प्रमुख शहरों में हर पांच दवा की पट्टी में से एक नकली है। इससे सालाना 4–5 प्रतिशत की आर्थिक हानि होती है। 2020–21 में नकली दवाओं की घटनाओं में 47प्रतिशत की वृद्धि हुई।

2012 में कश्मीर में 300 बच्चों की मौत घटिया सेफ्ट्रिएक्सोन दवा से हुई, जो निमोनिया के इलाज के लिए इस्तेमाल की गई थी। 2007 में महाराष्ट्र में 4 लोगों की मौत नकली दवाओं से हुई। नकली दवाओं का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि वे दवा प्रतिरोध (ड्रग रेसिस्टेन्स) बढ़ाती हैं। जब मरीज़ों को पर्याप्त मात्रा में सक्रिय तत्व नहीं मिलता, तो बैक्टीरिया और वायरस इन दवाओं के खिलाफ प्रतिरोध विकसित कर लेते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लु एच ओ) के ग्लोबोकान 2022 के अनुसार, भारत में कैंसर की स्थिति अत्यंत गंभीर है। 2022 में भारत में 14.1 लाख नए कैंसर के मामले सामने आए और 9.1 लाख लोगों की मृत्यु हुई। यह आंकड़ा भयावह है क्योंकि इसका मतलब है कि हर दिन लगभग 2,500 लोग कैंसर से मर रहे हैं।

दवा की दुकान खोलने के लिए बी.फार्मा की डिग्री का होना आवश्यक है, लेकिन वह व्यक्ति कहीं और नौकरी कर रहा होता है और अपना लाइसेंस किराए पर देता है। किराएदार उसके नाम पर दवा की दुकान चला रहा होता है। ऑक्सीटोसिन, कितना खतरनाक इंजेक्शन है जो कि पिछले लगभग 30 वर्षों से बनाना और बेचना पूर्णतया पूरे भारत में गैर कानूनी है, लेकिन यह बहुत सहज सुलभता से हर जगह उपलब्ध है और प्रत्येक दुधारू पशुओं में इसका बहुत उपयोग होता है। आजकल इसका उपयोग ऐसी सब्जियों में जिनको बहुत जल्दी बड़ा करना हो जैसे घीया, तुरई, तरबूज, खरबूजा, कद्दू या अन्य वह सब्जियां जिनको जल्दी फैलाना हो। इस तरह की सब्जियों में यह इंजेक्शन जड़ में या कोने में लगाते हैं और वह सब्जी दो से तीन दिन में बड़ी हो जाती है।

इसका असर यह होता है कि आजकल लड़कियों में बहुत कम उम्र में मासिक धर्म की समस्या होने लगी और जो महिलाएं मासिक धर्म में हैं उनको विकार उत्पन्न होने लगे। पेट की बीमारियां, किडनी की बीमारियां, लीवर की बीमारियां इस तरह की अनेकों बीमारियां इस इंजेक्शन की वजह से होने लगी हैं। लेकिन ना तो ड्रग कंट्रोलर कोई ध्यान देता है ना ही फूड सेफ्टी स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया वाले लोग ध्यान देते हैं, जबकि यह बहुत बड़ा अपराध है और यह बिल्कुल मृत्यु के अपराध के तुल्य है। कैंसर की बढ़ती दर के साथ–साथ नकली दवाओं की समस्या एक दोहरा संकट पैदा कर रही है। कैंसर की दवाएं नकली बनाने वालों का प्रमुख निशाना हैं क्योंकि ये महंगी होती हैं और इनकी मांग अधिक होती है। प्रतिशत

भारतीय कृषि में घटिया बीज एक बड़ा संकट बनता जा रहा है। कई बार किसान महंगे दामों पर बीज या पेड़ पौधे खरीद लेते हैं, लेकिन चार–पांच वर्ष बाद उन्हें पता चलता है कि वह गुणवत्ता विहीन था या सही नस्ल का था ही नहीं। इसका सीधा असर उसकी पूरी मेहनत, समय और धन पर पड़ता है–अर्थात किसान की मेहनत पूरी तरह से बर्बाद हो जाती है। यह स्थिति किसानों को आर्थिक रूप से और अधिक कमजोर बना देती है। किसानों से की गई धोखाधड़ी केवल किसी एक व्यक्ति या परिवार तक सीमित नहीं रहती। जब किसान को घटिया या नकली सामग्री दी जाती है, तो न सिर्फ उनकी फसल या पशुधन बर्बाद होते हैं, बल्कि उसकी आजीविका पर भी गंभीर असर पड़ता है। सरकार की घोषणाएँ और कार्यवाही अक्सर केवल बातें ही साबित होती हैं, वास्तविकता में सुधार बहुत धीरे–धीरे या बिल्कुल नहीं हो रहा है।

केवल मानव चिकित्सा ही नहीं, पशु–पक्षियों की दवाएं, टीकाकरण और कृत्रिम गर्भाधान (आर्टिफिशियल इन्सेमिनेशन) में भी भारी भ्रष्टाचार व्याप्त है। लेखक स्वयं रायला जिला भीलवाड़ा में डेयरी फार्म चला चुके हैं, जहां भैंस का सीमेन गायों में प्रयोग किया गया, जिसके परिणामस्वरूप गाय समय पर गर्भवती नहीं हुई और मुझे व न जाने कितने गरीब, अशिक्षित किसानों को नुकसान झेलना पड़ा। इस व्यवस्था में अधिकारियों की मिलीभगत और भ्रष्टाचार के कारण पशुपालन क्षेत्र को गंभीर नुकसान हो रहा है।

मिलावट का आलम यह है कि देश में देशी घी की मिठाई सर्दी में जमती नहीं है और गर्मी में पिघलती नहीं है। फूड कलर्स का इस्तेमाल न करके पिगमेंट (फैक्टरियों में निर्मित, जिसमे पारे व अन्य अखाद्य पदार्थों का उपयोग होता है, से बनने वाले रसायन) का खुले तौर पर इस्तेमाल होता हैं। वही सारे पिगमेंट फूड क्लास में डालते हैं। केमिकल आने लग गए। समोसे में, नमकीन में, हल्दी, मिर्च और खटाई नकली डालने लग गए। जयपुर में जब छापे पड़े, मिठाई वालों के यहां भी, नकली हल्दी, मिर्च व खटाई पाई गई। या केमिकल पर, लिक्विड फॉर्मेशन में मिर्च के स्वाद जैसा कोई केमिकल पाया गया। तो आप कल्पना कीजिए, उत्पादक या दुकानदार किस स्तर तक गिर चुके हैं।

उत्पादक चाहे वह व्यापारी हो या किसान, उनका भी धर्म–ईमान का स्तर इतना गिर चुका है कि वे खतरनाक केमिकल्स व नकली सामानों का उपयोग अपने उत्पाद बनाने या उगाने में इतनी मात्रा में कर चुके हैं कि कैंसर एक भयावह रूप ले चुका है। और वे दोनों ही लोग–जो समाज, देश और धरती की ज़िम्मेदारी में सहभागी हैं–वे भूल चुके हैं कि इन सामानों का उपभोग उनके अपने लोग, उनके नातेदार, रिश्तेदार भी कहीं ना कहीं किसी रूप में कर रहे होंगे और वे भी इसके द्वारा प्रभावित होंगे और उसके नुकसान से बच नहीं सकते। भारतीय खाद्य व्यवस्था में मिलावट का आलम यह है कि अब खटाई के लिए प्राकृतिक सामग्री की जगह नमक का तेज़ाब (एसिटिक एसिड) का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह औद्योगिक रसायन, जो मूल रूप से सफाई और औद्योगिक प्रक्रियाओं में उपयोग होता है, अब सीधे लोगों के पेट में जा रहा है। यह न केवल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि पाचन तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचाता है।

बाजार में मिलने वाली मीठी सोंठ की चटनी में असली सोंठ का नामोनिशान तक नहीं है। इसकी जगह रंग और केमिकल मिलावट का भंडार है–न गुड़ है, न आमचूर। यह पूरी तरह से कृत्रिम स्वाद, रंग और सुगंध से तैयार की गई नकली चटनी है जो स्वाद की आड़ में जहर परोस रही है। इसी तरह हरी चटनी में धनिया की जगह हरा रंग और केमिकल का घोल है, जो धनिया के स्वाद का भ्रम पैदा करता है। घरेलू रसोई की जान माने जाने वाले हल्दी और धनिया पाउडर भी अब नकली हो गए हैं। इन मसालों में असली हल्दी और धनिया की जगह रंग, स्टार्च और अन्य सस्ते विकल्प मिलाए जा रहे हैं। यह न केवल पोषण मूल्य को नष्ट करता है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक तत्व भी शामिल करता है।

सबसे खतरनाक बात यह है कि खाद्य पदार्थों में इस्तेमाल हो रहे पिगमेंट्स का आधार पारा (मर्करी) होता है। पारा एक अत्यंत विषैला तत्व है जो तंत्रिका तंत्र, किडनी और लीवर को गंभीर नुकसान पहुंचाता है। लंबे समय तक इसका सेवन कैंसर, न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर और मानसिक विकारों का कारण बनता है। यह स्थिति इतनी गंभीर है कि इसे धीमी हत्या के समान माना जाना चाहिए।

दवा कंपनियों के अशुद्ध या नकली उत्पाद बाज़ार में आने के लिए कंपनी, उसके हर जिम्मेदार कर्मचारी एवं प्रबंधन की सीधी ज़िम्मेदारी तय होनी चाहिए। ऐसे मामलों में सिर्फ लाइसेंस रद्द कर देना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि इस कृत्य को हत्या के प्रयास के अपराध के तहत मानते हुए सख्त सजा मिलनी चाहिए। साथ ही, सभी बिक्री केंद्रों पर बी.फार्मा डिग्रीधारी का स्वयं का होना अनिवार्य बनाया जाए जिससे कमीशन एजेंटों और अनट्रेंड सेल्समैन द्वारा, बिना किसी जांच के दवाएं न बेची जा सकें।

मानव चिकित्सा, कृषि और पशुपालन क्षेत्र में चल रहे इन संगठित घोटालों को जनसंहार के प्रयास के रूप में लिया जाना चाहिए। पूरे नेटवर्क में शामिल हर व्यक्ति–कंपनी मालिक, कर्मचारी, बिचौलियों, अधिकारियों–को कड़ी सजा और आजीवन प्रतिबंध मिलना चाहिए। जब तक ऐसी घटनाओं का कानूनी और सामाजिक स्तर पर कठोर दमन नहीं होगा, तब तक देश की सेहत, किसान और पशुधन, सबका भविष्य खतरे में बना रहेगा।

सरकार क्या करे?

केन्द्र–राज्य टास्क फ़ोर्स: रैपिड एक्शन के लिए कृषि, स्वास्थ्य और उपभोक्ता मामलों का संयुक्त दस्ता बने।

जन–सूचना ऐप: किसान–रोगी एक क्लिक में बैच–नंबर डालकर असली–नकली पहचानें; शिकायत दर्ज होते ही 24 घंटे के भीतर छापा अनिवार्य हो।

निष्कर्ष:– नकली खाद, बीज और दवाइयाँ–तीनों हमारे खेत–खलिहान और शरीर की जड़ पर एक साथ प्रहार हैं। राजस्थान में हुई कार्रवाइयाँ इस लड़ाई की महज़ शुरुआती झलक हैं। दवा, बीज, खाद और कीटनाशकों की मिलावट व नकली उत्पादों के पीछे अक्सर सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत पाई जाती है। नमूना के तौर पर, एक ट्रेन का नाम 'पंजाब कैंसर एक्सप्रेस' जैसे उपनाम सामने आए हैं जो घटिया खाद, बीज और कीटनाशकों के उपयोग व उपभोग के कारण पंजाब में बड़ी संख्या में कैंसर मरीजों के लिए जिम्मेदार है। इन समस्याओं के बावजूद, कृषि व औषधि उत्पादों की दुकानों पर आज भी कड़े कानूनों का अभाव है, जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

असली न्याय तभी होगा, जब मिलावटख़ोरों को 'लागत–जोखिम' गणित में साफ़ दिखे कि जेल–यातना और आजीवन बहिष्कार उनका तय भविष्य है। वरना नकली का कारोबार यूँ ही फलता–फूलता रहेगा और असली ज़िंदगियाँ धीरे–धीरे मिट्टी होती रहेंगी।

–सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

छायादार व दीर्घायु पौधे लगाए, चिकित्सकों की टीम भी पौधारोपण में जुटी

नागौर, (निसं)। नागौर जिला मुख्यालय के निकटवर्ती श्याम विहार कॉलोनी में नगर के अनेक नागरिकों ने पौधारोपण किया। कॉलोनी के समीप पड़ी खाली भूमि पर यह पौधारोपण किया गया जिसके पास में कॉलोनी वासियों द्वारा पूर्व में ही विविध प्रकार के पौधे लगाए गए। पर्यावरणविद् सुखराम चौधरी, डॉ. के.आर.गौड, डॉ. मूलाराम जांगू व ठेकेदार कानाराम सिंवर के मार्गदर्शन में यह अभियान चलाया गया जिसमें 100 से अधिक पौधे लगाये गये। पर्यावरण गतिविधि के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुषांगिक संगठन अपना संस्थान के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों का भी इसमें सहयोग रहा। इस अवसर पर कोलोनीवासियों के साथ साथ तथा डॉ. शंकरलाल जाखड़, डॉ. मूलाराम जांगू, ओमप्रकाश फौजी, ओमप्रकाश बिश्नोई, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर संघचालक मांगीलाल बंसल, डॉ. केवलराम गौड, डॉ. सुरेन्द्र सिंह राठौड़, डॉ. भंवरलाल बिस्सु, नागरचंद भार्गव, बालकिशन, प्रभुराम धुंधवाल, हनुमान सिंह चारण, शिवशंकर व्यास, डॉ. शंकर पूनिया व कैलासदास सहित अनेक नागरिक व कार्यकर्ताओं की पौधरोपण में सहभागिता रही। अभियान में बालक गौरव राव व कनक ने भी सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया।

नागौर नगर परिषद सभापति मीतू बोथरा ने शहरवासियों के साथ पौधे लगाए।

वहीं चेनार गांव में गांव के वरिष्ठजनों, युवा शक्ति, नारी शक्ति व बालक बालिकाओं के साथ साथ कार्यकर्ताओं के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। जिसमें नवयुवकों द्वारा आज 51 पेड़ और लगाए गए। इस वृक्षारोपण अभियान में संत लिखमीदास गौशाला चेनार के सदस्य व पर्यावरण पंकज टाक, राधेश्याम टाक, कमल पंवार, अनिल टाक, शिव टाक, दिनेश टाक, गुलाबचन्द, राम किशोर, लालू टाक एवं रिटायर फोरमैन भंवर लाल टाक, छोटमल टाक सहित सभी कार्यकर्ताओं ने पेड़ लगाकर इस अभियान में सहयोग किया।

वहीं शहर के बख्तसागर पार्क में मानसून सीजन के बीच रविवार को सघन पौधरोपण किया गया। नगर परिषद सभापति मीतू बोथरा ने बड़ी संख्या में शहरवासियों के साथ–साथ फलदार, फूलदार और छायादार पौधे लगाए। बख्तसागर पार्क में रविवार को सभापति मीतू बोथरा की अगुवाई में विभिन्न किस्मों के करीब 200 फलदार, फूलदार और छायादार पौधे लगाए गए। इस दौरान सभापति बोथरा ने कहा कि मानसून सीजन में पौधे लगाने से पौधों की अच्छी बढ़ोतरी होती है. साथ ही आने वाले समय में यहां आने वाले लोगों को सुगंधित और हरियाली से आच्छादित माहौल मिल सकेगा. इस दौरान देवकिशन जाट, नवीन बांठिया, राजेन्द्र नाहटा, लक्ष्मण पंवार, प्रदीप डागा, विमलेश बोथरा, पुखराज सेन, विष्णु वर्मा, दयाराम भाटी, जेठाराम सेन, मो. असगर, गणपत सेन, आयुष पंवार, हरिराम भाटी सहित अनेक शहरवासी मौजूद थे।

राजसमंद में बेटियों ने अपनी माताओं के साथ पौधारोपण किया : राजसमंद में मेरा युवा भारत राजसमंद और स्वामी विवेकानंद युवा मंडल स्वच्छ केलवा–हरित केलवा की पहल के तहत एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण कार्यक्रम राजकीय प्राथमिक विद्यालय डोली बावडी कचोलिया में संपन्न हुआ। युवा मंडल अध्यक्ष लालूराम सिंधल ने बताया कि 21 बेटियों ने अपनी माताओं के साथ पौधे लगाए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

अभियान का उद्देश्य मातृ–प्रकृति के प्रति सम्मान व्यक्त करना और भावी पीढियों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप जिला प्रमुख सोहनी देवी गुर्जर और अध्यक्षता माय भारत राजसमंद के जिला युवा अधिकारी हेमंत कुमार मथुरिया ने की। विशिष्ट अतिथि कार्यकम अधिकारी हनवंत सिंह चौहान, हिम्मत सिंह थे। संयोजक अशोक माली ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न छायादार पौधों का रोपण किया गया।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 21 जुलाई, 2025

सावन मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, रोहिणी नक्षत्र रात्रि 9:07 तक, वृद्धि योग सायं 6:39 तक, बालव करण प्रात: 9:39 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कर्क चन्द्रमा–वृष, मंगल–सिंह, बुध–कर्क, गुरू–मिथुन, शुक्र–वृष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज कुमार योग सूर्योदय से दिन 9:34 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन–रात रहेगा। अमृत सिद्धि योग रात्रि 9:07 से सूर्योदय तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:30 तक, शुभ 9:11 से 0:52 तक, चर 2:14 से 3:55 तक। लाभ–अमृत 3:55 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:49, सूर्यास्त 7:17

मेष
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित स्रोत से धन प्राप्त होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

वृष
व्यावसायिक–आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन
आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। धन हानि हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। घर–गृहस्थी के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

कर्क
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कन्या
नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। आज परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में महत्वपूर्ण परामर्श मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर–परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

जैन धर्म में 8 प्रतिहार्य तीर्थंकरों के साथ जुड़े शुभ लक्षण हैं : साध्वी शंखनिधि

- चातुर्मास में अष्ट प्रतिहार्य की प्रस्तुति पहली बार हुई
- साध्वी शंख निधि ने सभी अष्ट प्रतिहार्य के महत्व को बताया

बीकानेर की साध्वी दीपमाला व शंखनिधि के सानिध्य में रविवार को ढड्ढा कोटड़ी में भगवान के अष्ट प्रतिहार्य महोत्सव में संगीतमय प्रस्तुति देते बच्चे।

बीकानेर, (कासं)। आचार्य प्रवर जिन मणि प्रभ सूरिश्वर महाराज के आज्ञानुवर्ती गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर, मंथन प्रभ सागर, बाल मुनि मीत प्रभ सागर, बीकानेर की साध्वी दीपमाला व शंखनिधि के सानिध्य में रविवार को ढड्ढा कोटड़ी में भगवान के अष्ट प्रतिहार्य महोत्सव व दोपहर में बच्चों का शिविर आयोजित किया गया।

सुगनजी महाराज का उपासरा ट्रस्ट व अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद की बीकानेर इकाई की ओर से संघ के सहयोग से चातुर्मास में अष्ट प्रतिहार्य की प्रस्तुति पहली बार हुई। साध्वी शंख निधि ने सभी अष्ट प्रतिहार्य के महत्व को बताया। वहीं साध्वी वृंद के साथ सुनील पारख, ट्विंकल नाहटा व अरिहंत नाहटा ने भक्ति गीतों की प्रस्तुति से श्रावक-श्राविकाओं को करीब सवा घंटे तक भाव विभोर रखा।

साध्वी शंख निधि म.सा. ने बताया कि आचार्य मानतुंग ने भक्तामर स्तोत्र के श्लोक 28 से 35 में इन अष्ट प्रतिहार्य (मंगल चिन्हों) का अद्भुत वर्णन किया है। उन्होंने बताया कि जैन धर्म में 8 प्रतिहार्य जैन धर्म के तीर्थंकरों के साथ जुड़े शुभ 8 लक्षण हैं। यह लक्षण तब प्रकट होते हैं, जब साधक केवल ज्ञान यानि पूर्ण ज्ञान प्राप्त करता है। आठ प्रतिहार्य में अशोक वृक्ष सहनशीलता और शांति का, सिंहासन शक्ति और अधिकार का, तीन छत्र तीनों लोकों का, चामर (चंवर) सांसारिक मोह-माया से मुक्ति का, भामंडल यह दिव्य प्रकाश का घेरा है, जो तीर्थंकर भगवान के चारों और फैला रहता है। देव दुंदुभि यह देवों की ओर से बजाया जाने वाला एक वाद्य यंत्र है, जो तीर्थंकर भगवान के आगमन की घोषणा करता है। पुष्पवृष्टि देवताओं की ओर से की जाने वाली फूलों की वर्षा है। दिव्य ध्वनि यह तीर्थंकर भगवान का शाश्वत सत्य संदेश है, जो सभी प्राणियों को सुनाई देता है।

साध्वी शंख निधि ने बताया कि अशोक वृक्ष, चौसठ चंवर, भाव मंडल, देव दुदुंभी वादन, तीन छत्र, पुष्प वृष्टि, दिव्य ध्वनि व सिंहासन ये परमात्मा की प्रतिमा के पास रखे जाते हैं। अष्ट मंगल मांगलिक द्रव्य है, जो किसी भी शुभ कार्य में रखे जाने चाहिए। इन्हें घर में भी रख सकते हैं। इनमें श्रृंगार झारी, बीजना (पंखा), कलश, दर्पण, चंवर, स्वास्तिक, ध्वजा और छत्र।

उन्होंने बताया कि परमात्मा की भक्ति में जुड़ने से श्रेष्ठ शक्ति से हम जुड़ते है। वास्तविक नृत्य परमात्मा के सामने चंवर लेकर भाव से नृत्य करने से संसार के सामने नाचना नहीं पड़ता। मोहनीय कर्म हटने पर सिद्धत्व की प्राप्ति होती है। तीन लोकों के नाथ परमात्मा से मेरा पन रखें। हर वक्त सोच व चिंतन रखे की परमात्मा मेरे तथा मैं परमात्मा का हूं। संगीतमय प्रस्तुति के दौरान हर साल शिखरजी में, तेरी एक हाजरी हो.. मुझे वहीं रोक लेना जब सांस आखरी हो.. आदि भजनों की प्रस्तुतियां दी गई।

ढड्ढा कोटड़ी में रविवार को दो वर्गों में बच्चों का शिविर आयोजित किया गया। अखिल भारतीय महिला परिषद की अध्यक्ष मनीषा खजांची व मंत्री लीला बेगानी ने बताया कि 7 से 12 वर्ष तक के बच्चों को मुनि मंथन प्रभ सागर म.सा ने 24 तीर्थंकर भगवान व उनके लांछन (चिन्ह) तथा प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के बारे में बताया। वहीं बड़े बच्चों की रात्रि भोजन त्याग के बारे में भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। साध्वी शंखनिधि ने आठ कर्मों से अवगत करवाया।

बीकानेर-दिल्ली रेल सेवा बाधित रहेगी

बीकानेर, (कासं)। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल पर दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशन पर न्यू इलेक्ट्रोनिक इंटरलॉकिंग पैनल के लिए नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते बीकानेर से दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशन तक की यात्रा बाधित रहेगी।

इसके लिए कुछ रेल गाड़ियों के स्टेशन बदले गए हैं। वहीं कुछ रेल गाड़ियों को सराय रोहिल्ला से पहले ही रोका जा रहा है। कुछ गाड़ियों को आंशिक रूप से रद्द कर दिया गया है। जो रेल सेवाएं रद्द की गई है। उनमें गाड़ी संख्या 12458, बीकानेर-दिल्ली सराय रेलसेवा शामिल है। 20 जुलाई से 27.07 तक रद्द रहेगी।

गाडी संख्या 12457, दिल्ली सराय-बीकानेर रेलसेवा 21 जुलाई से 29 जुलाई तक रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 22464, बीकानेर-दिल्ली सराय रेलसेवा 26 जुलाई, गाड़ी संख्या 22463, दिल्ली सराय-बीकानेर रेलसेवा 25 जुलाई व 27 जुलाई का रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 12259, सियालदाह-बीकानेर रेलसेवा जो 23 जुलाई व 27 जुलाई को सियालदाह से प्रस्थान करेगी। वह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग नई दिल्ली-दिल्ली किशनगंज-दया बस्ती-पटेल नगर होकर संचालित होगी। गाड़ी संख्या 12372, बीकानेर-हावडा रेलसेवा जो 24 जुलाई को बीकानेर से प्रस्थान करेगी, वह रेलसेवा परिवर्तित मार्ग पटेल नगर-दया बस्ती-दिल्ली किशनगंज-दिल्ली होकर संचालित होगी। गाड़ी संख्या 12456, बीकानेर- दिल्ली सराय रेलसेवा जो 20 जुलाई से 27 जुलाई तक बीकानेर से प्रस्थान करेगी वह शकूर बस्ती तक ही संचालित होगी।

तीन दिवसीय अभिषेक अनुष्ठान आज से : विश्वकर्मा गेट के बाहर राम मंदिर में स्थापित सवा इक्कीस फीट के रूद्राक्ष के शिवलिंग के समक्ष सोमवार से बुधवार तक रूद्राभिषेक किया जायेगा। मंदिर में स्थापित नर्बदेश्वर महादेव के भी रूद्राक्ष का विशेष श्रृंगार जयपुर व बनारस के कलाकार करेंगे। सोमवार को भोलेनाथ की आकर्षक झांकी सजाई जायेगी। झांकी में दो इलेक्ट्रिक शेर हलचल करते दिखाई देंगे।

मंदिर के संस्थापक पवन पुरोहित ने बताया कि बीकानेर शहर के विभिन्न मोहल्लों के साथ आस-पास के गांवों के श्रद्धालु भी मंदिर में दर्शन करने पहुंच रहे हैं। सवा इक्कीस फीट के शिवलिंग के पीछे केदारनाथ के पहाड़ों को विशाल पर्दे के माध्यम से दर्शाया गया है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को प्रदोष व्रत व बुधवार को मासिक शिवरात्रि पर वेद पाठी ब्राह्मण रूद्राभिषेक करेंगे। मंदिर में रंग बिरंगी रोशनी से सजावट की गई है। सोमवार को पूजन के बाद 1100 तुलसी के पौधे श्रद्धालुओं में वितरित किए जायेंगे।

सार-समाचार

तिरंगा रैली से देशभक्ति का संदेश

गीत 'बीकानेर री धरती प्यारी, धोरां रो है मान..' की शूटिंग के लिए तिरंगा बाइक रैली निकाली।

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर की सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय एकता के प्रतीक स्वरूप, एक अनूठी तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया जो जोधपुर बायपास ब्रिज से प्रारम्भ होकर देशनोक तक निकाली गई। यह आयोजन डिजिटल क्रिएटर्स मोनिका सोनी और राहुल शर्मा के निर्देशन में तैयार हो रहे गीत 'बीकानेर री धरती प्यारी, धोरां रो है मान..' की शूटिंग का हिस्सा रहा। इस रैली का मुख्य उद्देश्य बीकानेर की संस्कृति, भाईचारे, और देशभक्ति की भावना को सजीव रूप में प्रस्तुत करना था। रैली के दौरान ड्रोन से उड़ता हुआ विशाल तिरंगा दर्शकों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र बना, जिसने आकाश में देशभक्ति की रंगीन छटा बिखेरी। रैली पंकज नागपाल और गौरव पारीक के विशेष सहयोग से संभव हो सकी। आयोजन में सुरक्षा मानकों का पूर्णत: पालन किया गया। सभी बाइक राइडर्स को पूर्ण राइडिंग गियर, फुल फेस हेलमेट और निर्धारित दिशा-निर्देशों के साथ रैली में सम्मिलित किया गया। साथ ही इस बात का भी विशेष ध्यान रखा गया कि यात्रा के दौरान अन्य वाहनों या आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। ड्रोन संचालन और वीडियो शूटिंग का कार्य रोहित वैष्णव, विनोद बिश्नोई और पियूष शर्मा की निगरानी में संपन्न हुआ, जिससे शूटिंग का हर दृश्य तकनीकी और कलात्मक रूप से भव्य बना।

भाजपा गंगाशहर मंडल का पौधारोपण

भाजपा गंगाशहर मंडल की ओर से पौधों का वितरित करते मोहन सुराणा।

बीकानेर, (कासं)। तोलाराम जेठी देवी सुराणा चैरिटेबल ट्रस्ट और भाजपा गंगाशहर मंडल द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश एक पेड़ मां के नाम और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आव्हान हरियालो राजस्थान के निर्देशानुसार संयुक्त तत्वावधान मे आगाज एक बदलाव का 31000 वृक्षारोपण के लक्ष्य की ओर बढ़ते कदम में आज गोचर भूमि मे सेन वाटिका और खाटूश्याम गौसेवा समिति पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया। जिला महामंत्री मोहन सुराणा ने बताया कि अब तक हमारे ट्रस्ट द्वारा 13700 पौधे वितरित कर चुके हैं जिसमें बीकानेर जिले के भाजपा मंडलों में आसपास की स्कूलों, मंदिरों में, पार्कों में और ग्रामीण क्षेत्र की स्कूलों में पार्कों में और सार्वजनिक स्थलों पर पौधे वितरित किए गए। अभियान संयोजक गोविन्द सारस्वत ने बताया कि शहरवासी वृक्षारोपण के लिए गंगाशहर स्थित भाजपा मंडल कार्यालय में निशुल्क पौधे ले सकते हैं। आज के पौधारोपण कार्यकम में जिला महामंत्री मोहन सुराणा, गंगाशहर मंडल अध्यक्ष प्रकाशचंद मेघवाल, मंडल महामंत्री, कार्यक्रम संयोजक गोविंद सारस्वत, मंडल महामंत्री जसकरण मारू और पूर्व मंडल महामंत्री मगाराम नाई और बूथ अध्यक्ष विमल पारीक के साथ सेन मंडल कोषाध्यक्ष महादेव सेन और सह कोषाध्यक्ष अशोक मारू और खाटू श्याम गौ सेवा समिति से नवरतन उपाध्याय, मनीष ओझा, अशोक उपाध्याय, विकास शर्मा और गोलू उपाध्याय ने पौधारोपण किया।

कांग्रेस का विरोध-प्रदर्शन कल

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार बीकानेर शहर देहात जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा 22 जुलाई सुबह 11 बजे विश्नोई धर्मशाला से जिला कलेक्टर कार्यालय तक पैदल मार्च करते हुए विरोध प्रदर्शन और ज्ञापन का कार्यक्रम रखा गया है। संगठन महासचिव नितिन वत्सस ने बताया कि निकाय चुनावों को परिसीमन की आड में टालने, जबरदस्ती स्मार्ट मीटर लगाने और बदहाल कानून व्यवस्था को लेकर विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम रखा गया है। बीकानेर शहर एवं देहात कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष यशपाल गहलोत, बिशनाराम सियाग के नेतृत्व में सम्पन्न होने वाले इस विरोध प्रदर्शन में सभी वरिष्ठ नेतागण, पूर्व मंत्री गण भी शामिल होंगे। जिला कांग्रेस के प्रभारी भी मौजूद रहेंगे। संगठन महासचिव प्रहलाद सिंह मार्शल ने बताया कि विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में जिले से प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारी, पीसीसी सदस्य, लोकसभा प्रत्याशी, विधायक/विधायक प्रत्याशी, जिला प्रमुख, नगर निगम एवं निकाय के अध्यक्ष या नेता प्रतिपक्ष, जिले के ब्लॉक अध्यक्ष, जिले में रहने वाले प्रदेश के अग्रिम संगठनों, विभागों, प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, पूर्व सांसद पूर्व विधायक, जिला परिषद सदस्य, पार्षद/ पार्षद प्रत्याशी और कांग्रेस विचारधारा से जुड़े पदाधिकारी और कार्यकर्ता भागीदारी निभायेंगे।

पीबीएम की जर्जर दीवारें देख संभागीय आयुक्त ने नाराजगी जताई

- पीबीएम हॉस्पिटल में यूरोलॉजी विभाग की अधूरी बिल्डिंग की छत पर पानी भरा था व दीवारें जर्जर थी
- आरएमआरएस के खर्च का एक साल का स्टेटमेंट मांगा

बीकानेर, (कासं)। पीबीएम हॉस्पिटल में यूरोलॉजी विभाग की अधूरी बिल्डिंग की छत पर पानी भरा हुआ है। जनाना अस्पताल के बाहर बिखरा हुआ निर्माण कार्य का मलबा और जर्जर दीवारें देख संभागीय आयुक्त नाराज हुए। उन्होंने मौके पर ही पीडब्लयूडी के एडिशनल चीफ इंजीनियर अमरचंद बाकोलिया को फोन कर मरम्मत कार्य शुरू करवाने के निर्देश दिए।

दरअसल पीबीएम हॉस्पिटल के लिए पीडब्लयूडी को पिछले साल करीब 16 करोड़ रूपए मिले थे। इस राशि का उपयोग ऐसे कार्यों में कर दिया गया जो जरूरी नहीं थे। अस्पताल की दीवारें जर्जर हालात में हैं। छतों पर बिना टेविनकल राय के सोलर प्लेट्स लगा दी गई। उसके बाद प्रशासन हरकत में आया है। संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा ने चार घंटे तक पूरे अस्पताल का भ्रमण किया। हालात देखे और सरकार की योजनाओं का फीडबैक भी लिया। उन्होंने साफ-सफाई, वित्त प्रबंधन, ऑपरेशन थिएटर और अन्य चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा मरीजों की समस्याएं सुनी।

इस दौरान उन्होंने पीबीएम प्रशासन की बैठक लेकर मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी के खर्चों को लेकर साल का स्टेटमेंट मांगा। सिटी एमआरआई का टेंडर समय पर नहीं लगाने पर भी सवाल किए। मां योजना का कार्ड समय पर एक्टिव नहीं होने का मुद्दा उठा तो उन्होंने कलेक्टर से बात की। संभागीय आयुक्त ने कहा कि सरकार के स्तर पर पेंडिंग मामले तत्काल उन्हें भेजे जाएं। बड़ा टेंडर लगाने से पहले हाईकोर्ट में कैविएट लगाई जाए ताकि टेंडर प्रक्रिया में विलम्ब ना हो।

यूरोलॉजी विभाग में किडनी ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया को शीघ्र शुरू करने को कहा। निरीक्षण में सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी, अधीक्षक डॉ. सुरेन्द्र कुमार, यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. मुकेश आर्य, डॉ. जितेन्द्र फलोदिया, डॉ. जितेन्द्र आचार्य व महेश देवानी उपस्थित रहे।

एल.एल.बी. की कक्षाएं एक अगस्त से

बीकानेर, (कासं)। राजकीय विधि कॉलेज में एलएलबी फर्स्ट सेमेस्टर की कक्षाएं 1 अगस्त से लगेगी।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर लॉ यूनिवर्सिटी ने इस संबंध में निर्देश जारी की है। ऐसे में राजकीय विधि कॉलेज को 31 जुलाई तक प्रवेश की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। एलएलबी फर्स्ट सेमेस्टर में प्रवेश के लिए कॉलेज प्रशासन ने ऑफलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। 240 सीटों पर अब तक 192 अभ्यर्थी आवेदन कर चुके हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 22 जुलाई निर्धारित है। प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों के पास अब दो दिन का समय शेष है। सोमवार और मंगलवार।

रविवार को अवकाश होने के कारण कॉलेज में फॉर्म जमा नहीं हुए। प्राचार्य डॉ. भगवानाराम विश्नोई ने बताया कि प्रवेश का विस्तृत शेड्यूल घोषित कर दिया गया है। अंतिम तिथि में बढ़ोतरी नहीं की जायेगी।

जलभराव और गंदगी पर चिंता जताई

- सड़कों पर कीचड़, गंदगी और जलभराव से आमजन परेशान

बीकानेर, (कासं)। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव राहुल जादुसंगत ने बीकानेर में बारिश के बाद उत्पन्न जलभराव की विकट स्थिति पर गहरी चिंता जताई है।

उन्होंने कहा कि लगातार हो रही वर्षा के कारण आमजन को भारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। सड़कों पर कीचड़, गंदगी और जलभराव ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। राहुल जादुसंगत ने बताया कि शहर के कई नालों से बहकर आ रहा कचरा और गंदा पानी सड़कों पर फैल गया है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। इसके साथ ही बिजली के खंभों में करंट आने की घटनाएं सामने आई है। जिनके कारण अब तक कई गायों की मौत हो चुकी है।

यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक और खतरनाक है। उन्होंने मांग की है कि प्रशासन, नगर निगम और विद्युत विभाग समन्वय के साथ तत्काल राहत कार्य प्रारंभ करें। उन्होंने विशेष रूप से उन इलाकों की ओर ध्यान दिलाया जहां जलभराव की स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है। मेडिकल कॉलेज से पवनपुरी रोड, मेडिकल कॉलेज सर्कल, गोलपार्क, सूरसागर के पास गिन्नाणी, नगर निगम रोड, तुलसी सर्कलख स्पोर्ट्स स्कूल से गजनेर रोड, आरओबी कोठारी अस्पताल रोड, पुलिस लाइन से रोशनीघर चौराहा रोड, फड़बाजार अन्य प्रभावित क्षेत्र है। उन्होंने बताया कि कई स्थानों पर सीवर लाइनें जाम हैं और उनका पानी भी सड़कों पर बह रहा है। जिससे समस्या और गंभीर हो गई है।

बीकानेर रेंज के नए आईजी होंगे हेमंत शर्मा

बीकानेर, (कासं)। आईपीएस हेमंत शर्मा बीकानेर के नए आईजी होंगे तथा भुवन भूषण यादव को एसीबी में डीआईजी के पद पर लगाया गया है।

राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के 91 अधिकारियों तथा राजस्थान प्रशासनिक सेवा के 133 अधिकारियों के तबादले किए हैं। इसी प्रकार आईएएस महिमा कासना को एसडीएम नॉर्थ लगाया है। बीकानेर में आठ आरएएस भी बदले गए हैं। राज्य सरकार की ओर से जारी तबादला सूची के अनुसार हेमंत कुमार शर्मा को बीकानेर रेंज आईजी लगाया गया है। ओमप्रकाश पासवान का तबादला जोधपुर पुलिस आयुक्त के महत्वपूर्ण पद पर किया गया है। 2006 बैच के आईपीएस हेमंत शर्मा दूसरी बार बीकानेर आ रहे हैं। वर्ष 1994-95 में वे यहां वृत्ताधिकारी शहर के पद पर कार्यरत रहे हैं। इसलिए बीकानेर से भलीभांती परिचित हैं। वे अगले सप्ताह जॉइन करेंगे। इसी प्रकार सीकर एसपी भुवन भूषण यादव को एसीबी में डीआईजी के पद पर लगाया गया है। इससे एसीबी एसपी का पद भी अपग्रेड हो गया है। बता दें यादव बीकानेर कलेक्टर नम्रता वृष्णि के पति हैं। तबादला सूची के अनुसार जिले में प्रशिक्षु सहायक कलेक्टर दिव्या बिश्नोई को पूगल एसडीएम और यहां कार्यरत राजेन्द्र कुमार द्वितीय को बांसवाड़ा में आनंदपुरी एसडीएम लगाया है। बज्जू एसडीएम संदीप चौधरी को सहायक निदेशक लोक सेवाएं नागौर लगाया है।

5100 पार्थिव शिवलिंग बनेंगे

बीकानेर, (कासं)। श्रावण मास पर अमरेश्वर महादेव मंदिर हर्षोलाव तालाब और नारी शक्ति वुमन एंपावर बीकानेर शाखा की ओर से अमरेश्वर महादेव मंदिर परिसर में 5100 पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया जायेगा।

पुजारी मुकुंद सेवग ने बताया कि 22 जुलाई दोपहर एक बजे से पार्थिव शिवलिंग बनाने का कार्य शुरू होगा। इसके बाद महाआरती की जायेगी। पंचांग से अभिषेक किया जायेगा। नारी शक्ति वुमन एंपावर के अध्यक्ष मधु खत्री ने बताया कि शाखा की ओर से धर्म अध्यात्म जीव दया और सामाजिक उत्तरदायित्व के कार्य किए जाते रहे हैं।

सावन महीने में धार्मिक अनुष्ठान के रूप में शिवलिंग बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसमें बीकानेर शाखा के पदाधिकारी और सदस्यगण भी शामिल होंगे।

जिला अस्पताल में प्रतीक्षालय और जल मंदिर का लोकार्पण

- गौरीशंकर व्यास ने अपने माता-पिता की स्मृति में मरीजों के परिजनों की सुविधा के लिए प्रतीक्षालय बनवाया

बीकानेर, (कासं)। जिला अस्पताल में प्रतीक्षालय और जल मंदिर का लोकार्पण किया।

जोशीवाड़ा निवासी गौरीशंकर व्यास एवं उनके परिवार ने अपने माता-पिता स्व. फकीर चंद व्यास एवं श्रीमती लक्ष्मी देवी व्यास की स्मृति में एसडीएम जिला अस्पताल में आठ लाख रूपये से अधिक की लागत से मरीजों एवं उनके परिजनों के बैठने के लिए प्रतीक्षालय हॉल एवं शीतल पेयजल की व्यवस्था के लिए जल मंदिर का निर्माण करवाया। जिसका लोकार्पण वयोवृद्ध पं. नथमल पुरोहित के सानिध्य में रविवार को पूजन अर्चन एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस मौके पर जिला अस्पताल अधीक्षक डॉ सुनील हर्ष, अतिरिक्त अधीक्षक डॉ घनश्याम तंवर व डॉ गुलाब खत्री ने इस पुनीत कार्य के लिए केशवानी व्यास परिवार को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सम्मानित किया।

अधीक्षक डॉ. सुनील हर्ष ने बताया कि जिला अस्पताल में निरंतर भामाशाहों और दानदाताओं के सहयोग से मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इस क्रम में राजकीय सेवा से सेवानिवृत्त गौरीशंकर व्यास एवं परिवार ने अस्पताल में मरीजों एवं उनके परिजनों के बैठने एवं जलपान हेतु प्रतीक्षालय के निर्माण एवं विकास का निर्णय लिया गया। अधीक्षक ने बताया कि जिला अस्पताल का भवन करीब पैंतीस साल पुराना है। यहां मरीजों की बढ़ती भीड़ और आवश्यकताओं को देखते हुए प्रतीक्षालय की आवश्यकता थी। मरीजों के साथ आने वाले परिजनों को वार्ड में असुविधा होती थी और उन्हें जलपान और पानी के लिए बाहर जाना पड़ता था।

योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि जीवन जीने की कला है : दीपक शर्मा

- अनुलोम-विलोम, कपालभाति एवं विभिन्न योगासन करवाए

महर्षि पतंजलि योग संस्थान की ओर से रविवार को गजनेर रोड स्थित जवाहर पार्क में योग गुरू दीपक शर्मा ने योगाभ्यास कराया।

बीकानेर, (कासं)। महर्षि पतंजलि योग संस्थान की ओर से रविवार को गजनेर रोड स्थित जवाहर पार्क में विशेष योग शिविर का आयोजन योग गुरू दीपक शर्मा के निर्देशन में संपन्न हुआ। योग शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर स्वास्थ्य और आत्मिक शुद्धता का अनुभव किया।

कार्यक्रम की शुरूआत गायत्री मंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुई, जिसके बाद गायत्री परिवार के देवेन्द्र सारस्वत ने गायत्री मंत्र के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गायत्री मंत्र केवल एक मंत्र नहीं बल्कि जीवन को दिशा देने वाला शक्तिशाली साधन है। यह मानसिक शांति, आध्यात्मिक जागरूकता और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। योग सत्र का संचालन करते हुए योग गुरू दीपक शर्मा ने अनुलोम-विलोम, कपालभाति एवं विभिन्न योगासन करवाए और उनके शारीरिक तथा मानसिक लाभों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि जीवन जीने की कला है, जो हमें समग्र रूप से स्वस्थ बनाती है। शिविर संचालक नंदलाल शर्मा ने कहा कि समाज में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए ऐसे शिविरों की निरंतर आवश्यकता है।

वरिष्ठ योगाचार्य कन्हैयालाल सुथार ने कहा कि आज के तनावग्रस्त जीवन में योग ही वह साधन है जो हमें संतुलन और शांति प्रदान कर सकता है। कार्यक्रम के दौरान गायत्री परिवार के देवेन्द्र सारस्वत एवं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष योगदान देने वाले योग शिक्षकों का सम्मान भी किया गया। योग शिविर के सफल आयोजन में गायत्री परिवार, द्रोणाचार्य तीरंदाजी संस्थान के लोकेश व्यास, इन्द्रचंद जाखड़, भंवरी देवी सुथार, किशन शर्मा, मोहित स्वामी, प्रदीप दैया, मोहित राजपुरोहित, मदनलाल भाटी, चित्रांश मोदी का योगदान रहा।

कवि चौपाल साहित्य की प्रसिद्ध विधा गजल को समर्पित

कवि चौपाल में समस्त गजलकारों को शॉल, श्रीफल एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया।

बीकानेर, (कासं)। स्वास्थ्य एवं साहित्य संगम के साप्ताहिक कार्यक्रम कवि चौपाल की 525 वीं कड़ी साहित्य की प्रसिद्ध विधा गजल को समर्पित रही। आज के कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी एवं राजस्थानी भाषा के वरिष्ठ गजलकार राजेन्द्र स्वर्णकार ने की।

प्रोग्राम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ उर्दू शायर ज़ाकिर अदीब थे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर नौजवान शायर बुनियाद ज़हीन, उर्दू शायर एवं समालोचक डॉ. जियाउल हसन कादरी, शायर मोहम्मद शकील गौरी बीकानेरी एवं मुनव्वर हुसैन सिद्दीकी मंच पर शोभित हुए। इस विशेष गजल गोष्ठी में स्वास्थ्य एवं साहित्य संगम राष्ट्रीय कवि चौपाल द्वारा सभी मंचासीन समस्त मेहमान गजलकारों को राष्ट्रीय कवि चौपाल गजल-सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान के तौर पर समस्त गजलकारों को शॉल, श्रीफल एवं माल्यार्पण द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान से पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ रामेश्वर साधक ने ईश वंदना से किया। कार्यक्रम में मंचस्थ अतिथियों एवं आगंतुक गजलकारों ने अपनी एक से बढ़कर एक गजलें पेश करके समां बांध दिया। राजेन्द्र स्वर्णकार ने हिन्दी और राजस्थानी भाषा में गजलों की प्रस्तुति दी। अगर इंसान होता तू, तेरे आंसू निकल आते,.. पराये दर्द से रोते सुना देखा न पत्थर को' शेर को भरपूर पसंद किया गया।

अजमेर शहर में भारी बरसात के बाद तेजी से हालात सामान्य होने लगे

जिला कलेक्टर सहित अधिकारियों की पूरी टीम तैनात, अब सिर्फ लो लाइन एरिया और एस्केप चैनल के आसपास की कॉलोनियों में पानी है

अजमेर, (निसं)। अजमेर शहर में मात्र कुछ घण्टों में 200 एमएम से ज्यादा बारिश के बाद जलभराव के हालात अब सामान्य हो रहे हैं। जिला प्रशासन की टीम द्वारा 24 घण्टे लगातार किए जा रहे प्रयासों से अधिकांश जगहों पर पानी का जमाव समाप्त हो गया है। अब सिर्फ लो लाइन एरिया और एस्केप चैनल के आसपास की कॉलोनियों में पानी है। इसे भी उच्च क्षमता के मड पम्पों की सहायता से निकाला जा रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में दूध, फल, सब्जी, खाद्य सामग्री व पेयजल की आपूर्ति भी जारी है। आश्रय स्थलों में भी राहत दी जा रही है। जिला कलेक्टर लोकबंधु ने पिछले दो दिन में लगातार वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर आमजन को सुरक्षित बाहर निकालने, आवश्यक सुविधाओं व भोजन की आपूर्ति व जल निकासी की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की है।

जिला कलेक्टर लोकबन्धु ने बताया कि 17 व 18 जुलाई को मात्र 30 घण्टों में 200 एमएम बारिश के बाद शहर के विभिन्न हिस्सों में जलभराव की स्थिति बनी थी। अब यह

- **प्रभावित क्षेत्रों में दूध, फल, सब्जी, खाद्य सामग्री व पेयजल की आपूर्ति भी जारी है, आश्रय स्थलों में भी राहत दी जा रही है**

जलभराव मात्र कुछ कॉलोनियों, लो लाइन एरिया व एस्केप चैनल का जलस्तर बढ़ने के कारण उसके आसपास बसी कॉलोनियों तक सीमित रह गया है। यहां से भी जलभराव को उच्च क्षमता के 24 मड पंप लगाकर निकाला जा रहा है। वरूण सागर एवं आनासागर में कैचमेंट से पानी की आवक अब कम हो गई है। वरूण सागर की चादर अब मात्र कुछ इंच की रह गई है। आनासागर का जलस्तर भी घट रहा है। वह अब 16 फीट के आसपास रह गया है। कलेक्टर लोक बन्धु ने रविवार को राहत कार्य में तैनात सभी आरएएस अधिकारी, नगर निगम, एडीए, सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ व अन्य सभी विभागों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षा प्रभावित क्षेत्रों में मड पम्पों को लगतार चलाकर जल की निकासी की जाए। जलभराव क्षेत्रों में दूध, खाद्य सामग्री, पेयजल व दवाओं के छिड़काव की सुनिश्चित की जाए। यदि कोई व्यक्ति आश्रय स्थल जाना चाहता है तो उसे वहां पहुंचाया जाए। वहीं जिला प्रशासन द्वारा वर्षा प्रभावित क्षेत्रों में लगातार मुनादी करवाई जा रही हे। इसमें आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई, आश्रय स्थल व चिकित्सा आदि से संबंधित जानकारी दी जा रही है।

सड़क हादसों में मामा-भांजा सहित तीन की मौत

- **कंटेनर ने बाइक सवार मामा-भांजा को कुचला, दोनों की मौत**
- **ट्रक ने एक ही परिवार की तीन महिलाओं को कुचला, एक की मौत, दो घायल**

अलवर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में बाइक सवार दो छात्रों को कंटेनर ने कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों रिश्ते में मामा-भांजा लगते थे। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक कंटेनर के पहिए के नीचे आ गए। उनका चेहरा तक पहचानना मुश्किल हो गया। ड्राइवर कंटेनर छोड़कर मौके से फरार हो गया।

रिश्तेदार रुजदार खान ने बताया कि मरने वालों में मालिक (19) पुत्र सलीम निवासी ककराली और भांजे मंजलिस (14) पुत्र शेर मोहम्मद निवासी तूलेड़ा हैं। हादसा सदर थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर कटोरी वाला पेट्रोल पंप के पास हुआ। दोनों ककराली गांव से तूलेड़ा जा रहे थे। दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव मोर्चरी में रखवाया गया है।

वहीं एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। वहीं, दो महिलाओं की हालत गंभीर है। हादसा सुबह करीब 5.15 बजे अरावली विहार थाना क्षेत्र में कटी घाटी के समीप हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने मृतका के शव को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह ट्रक की चपेट में आने से एक ही परिवार की तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। एक महिला को गंभीर अवस्था में इलाज के लिए जयपुर रैफर किया गया है। जबकि तीसरी महिला का सामान्य अस्पताल में इलाज चल रहा है।

लाखूसर के सोलर प्लांट में फिर से खेजड़ी के पेड़ काटे

- **ग्रामीणों ने युवक को पकड़ा, बाद में पुलिस ने छोड़ा**

बीकानेर, (निसं)। सोलर कंपनी के समर्थन में पुलिस किस तरह से ग्रामीणों पर दबाव डाल रही है इसका जीता जागता नजारा लाखूसर में देखने को मिला। सोलर प्लांट पर खेजड़ी काटते हुए पकड़े गए युवक को पुलिस छुड़वा दिया। इतना ही नहीं एसएचओ ने कहा, पकड़ने वालों पर मजदूर के अपहरण का केस दर्ज होगा।

जानकारी के अनुसार लाखूसर में एक सोलर प्लांट पर कई दिनों से खेजड़ी के पेड़ काटने को लेकर विवाद चल रहा है। शनिवार को ग्रामीणों ने एक युवक को स्वचलित आरा मशीन से खेजड़ी काटते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। उसकी गाड़ी में कई मशीनें और पेड़ काटने की सामग्री मिली। ग्रामीण उसे पकड़कर ग्राम पंचायत भवन ले गए। सूचना मिलने के बाद छत्तरगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची। सरपंच प्रतिनिधि हंसराज ने एसएचओ भजनलाल को फोन कर जानकारी दी और खेजड़ी कटाई का मुकदमा दर्ज करने की मांग की। इस पर एसएचओ ने कहा कि कंपनी वाले ग्रामीणों के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज करवाएंगे। आप लोग उनके मजदूर को उठा लाए, जो पेड़ों की ट्रिमिंग (छंगाई) कर रहा था। हसंराज ने कहा कि पेड़ काटे गए हैं। सब गांव वालों ने देखा है। सभी उसे सकुशल पंचायत लेकर आए हैं। झूठा आरोप लगाया जा रहा है। उन्होंने युवक को पुलिस को सौंप दिया। कुछ ही देर में युवक का भाई आया और उसे ले गया। दरअसल मुकदमे की बात सुनकर ग्रामीण डर गए। क्योंकि पहले से ही उनके खिलाफ कई केस दर्ज हो चुके हैं।

सोलर प्लांट पर खेजड़ी काटते हुए पकड़ा गया युवक लालसर निवासी इफराइल शाह है। सूचना मिलने के बाद गांव से इसका भाई मकदम शाह लेने आ गया। ग्राम पंचायत में एसएचओ के नाम पत्र लिखकर अपने भाई को ले गया। पत्र में लिखा, मैं किसी तरह का विवाद नहीं चाहता। ठेकेदार जितेंद्र सिंह के कहने से खेजड़ी कटाई का कार्य करता हूं। सरपंच प्रतिनिधि ने कहा कि मौके पर खड़ी पुलिस देखती रही। कोई कार्यवाही नहीं की।

ट्रेनों का संचालन समय बदला

जोधपुर, (कासं)। रेलवे द्वारा उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल पर चलने वाली दो ट्रेनों के संचालन समय में सोमवार से आंशिक परिवर्तन किया जा रहा है।

जोधपुर मंडल के सीनियर डीसीएम विकास खेड़ा ने बताया कि ट्रेन नंबर 74841, भगत की कोठी-भीलड़ी पैसेंजर 21 जुलाई सोमवार से भगत की कोठी से अपने वर्तमान निर्धारित समय सुबह 6.35 बजे के स्थान पर संशोधित समय सुबह 7.00 बजे चलकर भीलड़ी रेलवे स्टेशन पर निर्धारित आगमन समय के स्थान 2.10 बजे आगमन करेगी। ट्रेन के रास्ते के सभी स्टेशनों से संचालन समय में आंशिक परिवर्तन होगा। संशोधित समयानुसार ट्रेन 74841, 21 जुलाई से भगत की कोठी से प्रतिदिन सुबह 6.35 के स्थान पर 7.00 बजे प्रस्थान कर 7.05 बासनी, 7.17 सालावास, 7.58 दूदिया, 8.10 धुंधाड़ा, 8.19 महेश नगर हाल्ट, 8.27 अजीत व 8.53 समदड़ी पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन 9.08 बजे बामसीन, 9.17 राखी 9.26 मोकलसर, 9.39 बालवाड़ा, 9.47 बिशनगढ़, 10.14 जालोर, 10.49 बाकरा रोड, 10.54 मोदरान, 11.09 भीमपुरा, 11.18 लेदरमेर, 11.34 मारवाड़ भीनमाल 11.49 मारवाड़ कोरी, दोपहर 12 मालवाड़ा, और 12:09 बजे रानीवाड़ा पहुंचेगी।

संभागीय आयुक्त एवं जेडीए अध्यक्ष ने बरसाती पानी की निकासी कार्यों का निरीक्षण किया

- **बारिश और बरसाती पानी की निकासी के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए**

जोधपुर, (कासं)। संभागीय आयुक्त एवं अध्यक्ष जेडीए डॉ. प्रतिभा सिंह एवं जोधपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त उत्साह चौधरी ने रविवार को अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से विभिन्न स्थानों का दौरा किया। इस दौरान बारिश और बरसाती पानी की निकासी के संबंध में किए गए उपायों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

संभागीय आयुक्त एवं अध्यक्ष जेडीए डॉ. प्रतिभा सिंह एवं जोधपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त उत्साह चौधरी ने अधिकारियों के साथ विभिन्न स्थानों का दौरा किया।

प्राधिकरण सचिव भागीरथ बिश्नोई ने बताया कि आयुक्त के निर्देशन में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जहां क्षेत्र की शिकायतें प्राप्त कर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। जोनवार उपायुक्त तथा प्राधिकरण की टीमें जलभराव वाले स्थानों की पहचान कर नियमित रूप से पम्प एवं जेसीबी की सहायता से जल निकासी की व्यवस्था की जा रही है। प्राधिकरण द्वारा कंट्रोल रूम में आने वाली शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही की जा रही है और जगह-जगह पंप लगाकर पानी की निकासी के लिए टीमें गठित की गई हैं। अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से निरीक्षण कर सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित किये जा रहे हैं।

जेडीए निर्देशक अभियांत्रिकी महेंद्र सिंह पंवार ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा बारिश के पानी की शीघ्र निकासी के लिए पूर्व में ही नये नाले बनाये गये एवं नालों की सफाई की गई। प्राधिकरण द्वारा डीपीएस चौराहे पर जल निकासी हेतु नया नाला बनाकर उसे एनएच के मुख्य नाले से जोड़ते हुए जलभराव की स्थिति का निराकरण किया गया। इसी प्रकार चौपासनी रोड पर जूना खेड़ापति मंदिर से लाल पुलिया तक मुख्य नया बॉक्स कन्वर्जन नाला (आरसीटीसी) एवं शास्त्री सर्कल पर बिजली घर के रेस्ट हाउस स्थित नाले से नया नाला निर्माण कार्य के साथ-साथ मेडिकल कॉलेज के पास भी नये नाले का निर्माण कार्य करवाते हुए जल निकासी की व्यवस्था की गई है तथा खोखरिया में नाले का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। प्राधिकरण द्वारा तिलवाडीया फांटा पर सीसी रोड के निर्माण एवं बनाड़ रोड के क्षतिग्रस्त हिस्सों पर दो नई सीसी सड़कों का निर्माण कार्य करवाते हुए आवागमन सुचारू करने एवं बनाड़ रोड पर सारण नगर आरओबी से पहले सीसी रोड का मरम्मत कार्य किया गया। साथ ही प्राधिकरण द्वारा बनाड़ क्षेत्र में जलभराव वाले स्थानों पर सात-आठ पंप एवं जेसीबी के साथ पांच टीमें निरन्तर कार्यरत हैं। अधिकारी और सभी टीम लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं ताकि किसी भी स्थिति में आवश्यक अतिरिक्त कार्यवाही समय रहते की जा सके एवं जलभराव वाले स्थानों पर नियमित मरम्मत एवं गड्ढों को भरने का कार्य किया जा रहा है।

मुनाफे का झांसा देकर 46 लाख से अधिक की धोखाधड़ी

ठगों ने पहले शेयर बाजार में निवेश के नाम पर अधिक कमाई का लालच दिया, उसके बाद राशि इंवेस्ट करवा दी

- **पीड़ित को शेयर बाजार में ट्रेडिंग के नाम पर अच्छे पैसे और मुनाफे का झांसा दिया**

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने में इंवेस्ट के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। ठगों ने पहले शेयर बाजार में निवेश के नाम पर अधिक कमाई का लालच दिया, इसके बाद 46 लाख से अधिक की धनराशि इंवेस्ट करवा दी। बाद में पैसे लौटाने के बजाय फोन उठाने बंद कर दिए। इसका पता चलने पर पीड़ित की ओर से पहले सायबर पोर्टल और अब चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने में रिपोर्ट दी गई है।

थाने में दी रिपोर्ट में राकेश पुत्र रमेश कुमार ने बताया कि वह मूल रूप से बालोतरा और वर्तमान में श्रीराम नगर पीएफ ऑफिस के पास रहते हैं। इसी साल अप्रैल माह की 18 और 19 तारीख को उनके मोबाइल नंबर पर देवराज नाम के व्यक्ति का फोन आया था। उन्होंने शेयर बाजार में ट्रेडिंग के नाम पर अच्छे पैसे और मुनाफे का झांसा दिया। उसने बताया कि उनके पास कई कंपनियों के जरिए शेयर बाजार में ट्रेडिंग कर अच्छा मुनाफा कमाने स्कीम है, जिसमें इनवेस्टमेंट कर वो अपना पैसा दो से तीन गुना कर सकते हैं। इस पर उन्होंने रुचि व्यक्त की। इसके बाद उनके फोन पर देवराज, मानव राजपूत, राज पटेल, विकास और विशाल चावड़ा नाम से अलग-अलग व्यक्तियों ने फोन करके उनकी कंपनी में जुड़कर शेयर बाजार में ट्रेडिंग करने और मुनाफा अधिक दिलाने का वादा किया।

उनकी बातों पर आकर उन्होंने एक बालोतरा शाखा में एचडीएफसी बैंक का खाता भी खुलवाया और खाते में 21 अप्रैल को 50000 और 22 अप्रैल को 50000 रुपए ट्रांसफर किए। इसके बाद 26 अप्रैल को उन्होंने इन्वेस्टमेंट का एक विवरण भेजा जिसमें उनकी प्रॉफिट राशि 73 हजार 400 बताई और इसका भुगतान बैंक के जरिए किया।

अधिक पैसे कमाने की चाह में उनका लालच बढ़ गया। इसके बाद उन्होंने उनकी कंपनी शिवालिक ब्रोकरेज लिमिटेड और अनमोल सेल्स ब्रोकिंग लिमिटेड के जरिए ट्रेडिशनल अकाउंट खोलने को कहा। बताया कि ट्रेडिशनल अकाउंट से अपने मूल जमा रकम से दो से तीन गुना राशि के बराबर शेयर ट्रेडिंग कर सकते हैं जिसमें उनका टैक्स भी नहीं लगेगा। उसके कहे अनुसार उसने फिनो बैंक के खाते में अलग-अलग समय पर रुपए जमा करवाए। इस तरह से 46 लाख 40 हजार रुपए की राशि जमा करवा दी गई। इसके बाद प्रॉफिट मांगा गया तो उन्होंने उनका फोन उठाना भी बंद कर दिया। इस पर सबसे पहले पीड़ित ने 23 जून को साइबर क्राइम थाने में ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाई वहीं अब चौपासनी बोर्ड थाने में मामला दर्ज करवाया है।

उदयपुर : स्वरूप सागर के चारों गेट खोले

उदयपुर, (निसं)। शहर की पीछोला झील के लबालब होने के करीब पहुंचने के साथ ही उसमें सीसारमा से जारी अब भी आवक को देखते हुए स्वरूपसागर के गेट खोलने का फैसला रविवार शाम को ले लिया। शाम करीब 7 बजकर 18 मिनट पर स्वरूपसागर के चारों गेट तीन-तीन इंच खोल दिए गए। इधर, फतहसागर के छलकने का अब इंतजार करना होगा, क्योंकि इसमें मदार नहर से आवक की शुरूआत नहीं हुई है। हालांकि मदार बड़ा व छोटा का जलस्तर बढ़ रहा है, लेकिन बरसात का दौर कमजोर पड़ने से मदार नहर अब तक नहीं चली है। 13 फीट क्षमता वाली फतहसागर झील करीब ढाई फीट खाली है।

जानकारी के अनुसार उदयपुर शहर में रविवार को बारिश का दौर थमा रहा। मौसम में उमस घुली हुई है। दोपहर करीब 1.30 बजे हल्की बूंदाबांदी के बाद पूरा दिन सूखा ही बीता। इधर, जल संसाधन विभाग की ओर से शनिवार को स्वरूपसागर के गेट खोले जाने थे, लेकिन पीछोला और फतहसागर झीलों के जलस्तर को देखते हुए इसे तीन-तीन इंच और भरा गया और एक दिन बाद आज स्वरूपसागर के गेट खोल दिए गए। इधर उदयपुर शहर के दिन व रात के तापमान में केवल चार डिग्री का अंतर है। रविवार को शहर का अधिकतम तापमान 28.3 डिग्री व न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। फतहसागर झील को भरने वाला मदार छोटा व बड़ा छलकने का इंतजार है। मदार छोटा अब केवल तीन तीन इंच खाली है वहीं मदार बड़ा में अब भी चार फीट पानी की जरूरत है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि इस बार भी फतहसागर झील अगर पानी की आवक शुरू होती है अगस्त माह में ही छलकेगी। लगातार आवक के बाद आयड़ नदी कम वेग के साथ बहने लगेगी।

बालिका गृह में डॉक्टर पर रेप के आरोप में नया मोड़ आया

- **राज्य बाल आयोग सदस्य ध्रुव कविया ने बालिका गृह का निरीक्षण किया**

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर के बालिका गृह में रेप मामले में नया मोड़ सामने आया है। राज्य बाल आयोग सदस्य ध्रुव कविया ने रविवार सुबह बालिका गृह का निरीक्षण किया। जांच में सामने आया कि रेप के आरोपी डॉ. अरविंद नाम का कोई डॉक्टर पांच महीनों से सेंटर में विजिट पर नहीं आया है।

उल्लेखनीय है कि पीड़िता ने आरोप लगाया था कि डॉ. अरविंद ने डरा धमकाकर उसके साथ रेप किया। 2 जून को बालिग होने के बाद उसका पति उसे बालिका गृह से ले गया। एक महीने से वह अपने पति के साथ महाराष्ट्र में रह रही है। वहीं उसे इसी महीने पता लगा कि वह गर्भवती हो गई है। पीड़िता ने महाराष्ट्र के थाने में जीरो एफआईआर दर्ज कराई जो अब उदयपुर के सुखेर थाने में पहुंची है। पीड़िता के साथ रेप नारी निकेतन में किस जगह और किन हालातों में हुआ, एफआईआर में इसका कोई जिक्र नहीं है।

राज्य बाल आयोग सदस्य ध्रुव कविया के अनुसार दो जून को जब पीड़िता यहां से रिलीव हुई थी तब भी उसकी मेडिकल जांच की गई थी। जांच में ऐसा कुछ सामने नहीं आया था। उन्होंने बताया कि एक कमेटी सरकारी डॉक्टरों का पैनल निर्धारित करती है, जिसमें महिला डॉक्टर भी शामिल होती हैं। नियमानुसार नाबालिग या बालिग महिलाओं के निवास तक जाने की अनुमति किसी भी पुरुष को नहीं है। फिर भी हम मामले की तह तक जांच में जुटे हैं, जो दोषी होंगे उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। इधर एफआईआर में नाबालिग ने आरोप लगाया कि उसने तीन साल पहले प्रेम विवाह किया था। उस समय वह 16 साल की थी। घर से भागने के बाद पिता ने पति के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया। वहीं नाबालिग को उदयपुर के बाल सुधार सेंटर में भेज दिया, जहां डॉक्टर अरविंद ने उसका रेप किया। डरी-सहमी नाबालिग ने इस घटना के बारे में जब केन्द्र की महिला नर्स, टीचर और सीडब्ल्यूसी की यशोदा को बताया तो उन्होंने कोई मदद नहीं की। बल्कि गर्भवती हुई तो उसका गर्भपात करा दिया। उसने बताया कि जब मैंने दूसरी लड़कियों को बताया तो उन्होंने कहा कि उनके साथ भी गलत हुआ है लेकिन वे डर की वजह से कुछ नहीं बोल रही हैं। डॉक्टर ने कई लड़कियों के साथ ज्यादती की है। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने जांच एएसपी रामेश्वरलाल को सौंपी है।

चोरी व नकबजनी की एक दर्जन वारदातों का पर्दाफाश, सात गिरफ्तार

करीब दो करोड़ की चोरी व नकबजनी करने का खुलासा किया

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सांचौर पुलिस ने रविवार को चोरी व नकबजनी की करीब एक दर्जन वारदातों का पर्दाफाश किया। वहीं करीब दो करोड़ की चोरी व नकबजनी के माल चोरी करने वाले मुख्य सरगना भरत कुमार व उसके छह सहयोगियों को गिरफ्तार किया।

जालोर जिले के पुलिस थाना सांचौर, झाब, चितलवाना हल्का क्षैत्र में हो रही नकबजनी की वारदात की रोकथाम के लिए घटनास्थलों का बारिकी से निरीक्षण कर वृत एवं थाना स्तर पर विभिन्न टीमों का गठन किया गया, गठित टीमों द्वारा सर्कल सांचौर में चोरी व नकबजनी के दर्ज प्रकरणों में मुखबीर तंत्रों एवं तकनीकी सहायता से चोरी व नकबजनी का मुख्य सरगना भरत कुमार पुत्र बाबूलाल पुरोहित निवासी खिरोडी पुलिस थाना झाब व इसके सहयोगियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने चोरी करने वाले मुख्य सरगना व छह सहयोगियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि बाबूलाल पुत्र हरलाल विश्नोई निवासी डबाल पुलिस थाना सांचोर हाल चौकीदार मांगीलाल पुत्र बच्छराज जैन निवासी सांचौर ने थाना में एक रिपोर्ट पेश की कि 2 जुलाई की रात्रि को अज्ञात चोरों द्वारा मांगीलाल पुत्र बच्छराज के मकान में रात्रि के समय प्रथम मंजिल मकान के ताले तोड़कर घर में घुसकर अन्दर से चांदी के बर्तन, 70 हजार रूपये, सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर मय डॉगंल चुराकर ले गये हैं। घटनास्थल निरीक्षण के मौके पर एक कट्टर मशीन का कवर व बिल मिला जिसके सम्बंध में सर्कल स्पेशल टीम ने सूचना के आधार पर भरत कुमार पुत्र बाबुलाल निवासी खिरोडी के द्वारा घटना करना सामने आने पर दस्तयाब करने हेतु पुलिस थाना सांचौर व सर्कल स्पेशल टीम सांचौर द्वारा गुजरात, महाराष्ट्र व राजस्थान में संभावित स्थानों पर तलाश की जाकर डिटेन किया।

वहीं गहनता से पूछताछ की गई तो मुलजिम भरत कुमार व उसके सहयोगी घीसुपालसिंह, उत्तम मेघवाल, राहुल पुरोहित, प्रकाश कलबी, दशरथ पुरोहित व अन्य के द्वारा उक्त प्रकरण में चोरी करना स्वीकार किया। अन्य दो प्रकरणों में एवं सर्कल सांचौर के पुलिस थाना चितलवाना एवं झाब के एक-एक नकबजनी के प्रकरणों में वारदतों को अंजाम देना स्वीकार किया गया। अभियुक्तों से पूछताछ व अनुसंधान जारी है। वहीं नकबजनी एवं चोरी की अन्य वारदातों के भी खुलने की संभावना है।

होटल में मादा कोबरा सांप एवं उसके 18 बच्चे मिले

उदयपुर शहर की एक होटल में कबाड़ में एक कोबरा सांप एवं उसके 18 बच्चे मिले।

- **रेस्क्यू सेंटर टीम ने सभी सांपों का रेस्क्यू कर वन्य क्षेत्र में छोड़ा**

उदयपुर, (निसं)। शहर की एक होटल में एक मादा कोबरा सांप एवं उसके 18 बच्चे मिले। शहर की एक होटल में सांप निकल ने की सूचना पर वाइल्ड एनिमल रेस्क्यू सेंटर के अध्यक्ष डॉ .चमन सिंह चौहान, कोमल गमेती, चमन सिंह मौके पर पहुंचे, जहां होटल के बाहर गार्डन में पिछले कई सालों से लकड़ियां व कबाड़ जमा था।

जैसे-जैसे कबाड़ हटाते गए कबाड़ के पीछे एक बड़ा कोबरा सांप एवं उसके 18 बच्चे एक साथ बैठे दिखे। यह देखते ही होटल वालों के होश उड गए। अध्यक्ष चमन सिंह चौहान ने बताया कि कोबरा सांप एक बार में 12 से 20 अंडे देता है। यह बच्चे कुछ ही दिन पहले निकले हैं। गनीमत यह रही कि बड़े कोबरा ने किसी भी बच्चे को नुकसान नहीं पहुंचाया, क्योंकि अक्सर सुनने में आता है कि कोबरा सांप अपने बच्चों को खा जाता है लेकिन यह पहली बार देखा गया कि कोबरा सांप अपने बच्चों का ध्यान रख रहा है। सभी सांपों को सुरक्षित रेस्क्यू कर वन्य क्षेत्र में छोड़ा।

छोटी कांशी, 'हर हर महादेव' और 'बोल बम, ताड़क बम' से गूंज उठी

जयपुर की कावड़ यात्रा गलता जी से नंदपुरी, सिविल लाइंस नंदेश्वर महादेव मंदिर में पहुंचे 11000 कांवड़िए

जयपुर। राधे - राधे क्लब नंदपुरी सिविल लाइंस की ओर से रविवार को 15वीं विशाल कांवड़ यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। विधायक गोपाल शर्मा टीम की ओर सिविल लाइंस में पहुंचने पर कांवड़ यात्रा का पुष्पवर्षा द्वारा जोरदार स्वागत किया गया।

राधे राधे क्लब अध्यक्ष मनोज बंसल ने बताया कि 11000 कांवड़ियों के साथ विशाल कांवड़ यात्रा सुबह पावन तीर्थ गलता धाम से शुरू होकर रामगंज, बड़ी चौपड़, चौड़ा रास्ता, एम आई रोड,राजमंदिर, बाईस गोदाम, नंदपुरी स्वेज फार्म होते हुए नंदेश्वर महादेव मंदिर, नंदपुरी पहुंची। हजारों की संख्या में कांवड़िए हर हर महादेव, बम भोले बम भोले, जय जय शिव शंभू के जयघोष करते हुए चल रहे थे। राधे राधे क्लब प्रति वर्ष जयपुर की सबसे बड़ी कांवड़ यात्रा का आयोजन करता आ रहा है। रविवार को छोटी काशी में राधे राधे क्लब की कांवड़ यात्रा की धूम रही।

गलता तीर्थ से प्रारंभ हुई कांवड़ यात्रा का जगह जगह स्वागत किया गया। महादेव जी, पार्वती और शिव गणों की सजीव झांकी के साथ भगवा वेशभूषा में कांवड़िए हर हर महादेव का उद्घोष करते हुए बढ़ रहे थे। विभिन्न मार्गों से होती हुई कांवड़ यात्रा नंदेश्वर महादेव मंदिर, नंदपुरी कॉलोनी के मंदिर पहुंची। मंदिर महंत के सान्निध्य में जयपुर वासियों के कल्याण की कामना के साथ महादेव जी का जलाभिषेक किया गया। भोले नाथ का का चंदन, इत्र और फूलों से श्रृंगार कर महाआरती की गई।

हजारों की संख्या में कांवड़िए हर हर महादेव, बम भोले बम भोले, जय जय शिव शंभू के जयघोष करते हुए चल रहे थे।

- कावड़ यात्रा का सिद्धेश्वर हनुमान के महंत जगतगुरू दिवाकर द्वराचार्य अवधेशजी महाराज, पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, पूर्व विधायक अरुण चतुर्वेदी, अतिरिक्त खाद्य आयुक्त पंकज ओझा ने कांवड़ यात्रियों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया

कावड़ यात्रा का सिद्धेश्वर हनुमान के महंत जगतगुरू दिवाकर द्वराचार्य अवधेशाचार्य महाराज, पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, पूर्व विधायक अरुण चतुर्वेदी, अतिरिक्त खाद्य आयुक्त पंकज ओझा ने कांवड़ यात्रियों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। अवधेशाचार्य महाराज ने बताया कि राधे- राधे क्लब सिविल लाइंस के सक्रिय समाजसेवियों की संस्था है जो हर वर्ष कांवड़ यात्रा एक साथ साथ अन्य कई सामाजिक कार्यों का भी भव्य आयोजन करती है वह अभिनंदन योग्य है। राधे-राधे क्लब के तत्वाधान में हर साल विशाल रक्तदान शिविर, कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव जैसे बड़े आयोजन किए जाते हैं ये सभी को प्रेरणा देते हैं।

हाथी, घोड़े, ऊंट, शाही लवाजमे के साथ बजता रहा डीजे:-

राधे- राधे क्लब के संरक्षक राजेश बंसल ने बताया कि सुबह चार बजे नंदपुरी स्वेज फार्म सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर से कांवड़िए बसों से गलता के लिए रवाना हुए।

गलता पहुंचकर स्नान और पूजा अर्चना की। गलता से कांवड़ लेकर सोडाला के लिए रवाना हुए। सोडाला में हाथी, घोड़े, ऊंट, शाही लवाजमे के साथ डीजे की धुन पर कावड़ यात्री भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाते भक्ति नृत्य करते चल रहे थे। यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। जगह-जगह रास्ते में कावड़ियों के लिए क्लब की ओर से जलपान की व्यवस्था की गई।

ये रहे उपस्थित:-

यात्रा में क्लब के सरंक्षक गौरी शंकर जांगिड़, आनंद शर्मा, सचिव एडवोकेट जितेंद्र गुप्ता, कोषाध्यक्ष अंशुम खंडेलवाल, कार्यकारी अध्यक्ष दीपक कुमावत, कमल शर्मा, मीडिया संयोजक कृष्ण मुरारी, प्रमोद भारद्वाज, समाज सेवी जितेंद्र कुलश्रेष्ठ, राजा हाड़ा , संजीव शर्मा, राजेंद्र जांगिड़ , अशोक पेंट वाले , कपिल सिंह, जितेंद्र सिंह, पिंटू शर्मा, लोकेश शर्मा,बिट्टू यादव,सौरभ कटारिया एवं गणमान्य पदाधिकारी, सदस्य और सभी कॉलोनियों वासियों की मौजूदगी से सफल आयोजन संपन्न हुआ।

सी.आई.डी. क्राइम ब्रांच ने बेनकाब किया अवैध केमिकल कारोबार

जयपुर। पुलिस मुख्यालय सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम ने वॉन्टेड अपराधियों और संगठित गिरोहों पर नकेल कसते हुए एक बड़े अवैध केमिकल कारोबार का पर्दाफाश किया है। इस ऑपरेशन में ज्वलनशील बेंज़ीन नामक केमिकल की भारी मात्रा जब्त की गई है और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है, जबकि, उसका साथी मौके से भागने में सफल रहा।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, अपराध, दिनेश एमएन के निर्देशन और उप महानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में एक विशेष टीम गठित की गई है जो वॉन्टेड क्रिमिनल्स, संगठित गिरोह और इनामी अपराधियों इत्यादि के संबंध में प्रदेश से सूचनाओं का संकलन तथा धरपकड़ की कार्रवाई कर रही है। इस टीम का नेतृत्व पुलिस उप अधीक्षक फूलचंद टेलर व पुलिस निरीक्षक राम सिंह नाथावत द्वारा किया जा रहा है। टीम को जानकारी मिली कि पाली जिले में जैतपुरा के गोदारा होटल के पास अवैध हो रही है। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

- लाखों का ज्वलनशील पदार्थ जब्त , एक गिरफ्तार, मुख्य सरगना फरार

पुलिस ने देखा एक गुजरात पासिंग टैंकर और एक पिकअप वाहन खड़ा था। पिकअप से ड्रम उतारे जा रहे थे और टैंकर से पाइप के जरिए नीले ड्रम में केमिकल भरा जा रहा था। पुलिस को देखते ही बदमाश भागने लगे। पिकअप कीचड़ में फंस गई और उसमें सवार लोग खेतों की तरफ भाग निकले। टैंकर चालक, जिसकी पहचान नेमाराम देवासी (47), निवासी रायपुर, ब्यावर, के रूप में हुई, टैंकर भगाने लगा, लेकिन पुलिस ने उसे दबोच लिया। हालांकि उसका साथी गेनसिंह, निवासी धारवी खुर्द बाड़मेर, भागने में कामयाब रहा पूछताछ में चालक नेमाराम ने बताया कि टैंकर में भरा बेंजीन केमिकल भटिंडा, पंजाब से दहेज, गुजरात ले जाया जा रहा था। रास्ते में वह अपने परिचित गेनसिंह के साथ मिलकर टैंकर की सील से छेड़छाड़ किए बिना ढक्कन खोलकर केमिकल निकाल लेता था और सस्ते दामों पर बेच देता था। यह सब मुनाफा कमाने के लालच में किया जा रहा था। गुजरात से केमिकल ले जा रहे अन्य ट्रक चालकों को भी गेन सिंह लालच देकर केमिकल चोरी किया करता था।

औषधीय पौधे भेट कर किया कांवड़ियों का स्वागत

जयपुर । पीताम्बर नगर विकास समिति की ओर से गलता जी से तीसरी पैदल यात्रा का आयोजन कॉलोनी मंदिर तक किया गया। पार्षद पीयूष किराडू द्वारा स्वागत स्वरूप आम, आंवला और जामुन के पौधे भेंट किए गए। इस अवसर पर वार्ड में कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ केबिनेट मिनिस्टर द्वारा पास कराई गई सीवरेज और सरकारी अस्पताल पर भी जनता द्वारा धन्यवाद दिया गया मंदिर मैं पूजा शर्मा ,राजेश कुमावत,राजेश खुवाल ,राजू अग्रवाल, गौरव सैनी, विजय सांखला सैकड़ो शिव भक्त मौजूद रहे।

- गलता जी से तीसरी पैदल यात्रा का आयोजन कॉलोनी मंदिर तक किया

मिलने के बहाने होटल में बुलाकर युवती से दुष्कर्म

जयपुर । चित्रकूट थाना इलाके में एक दोस्त ने युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीडिता आरोप है कि आरोपित दोस्त ने उसे धोखे से मिलने के बहाने होटल में बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

विरोध करने पर युवती को डराया-धमकाया गया। इस संबंध में पीड़ित युवती ने आरोपित दोस्त के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि जयपुर की रहने वाली एक युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि घर से आने-जाने के दौरान रास्ते में उसका पीछा किया करता था। काफी समय से लगातार पीछा कर उसको परेशान कर रहा था। युवती पर वह दोस्ती करने का दबाव बना रहा था। परेशान होकर दबाव में आई युवती ने उसे दोस्त बना लिया। आरोप है कि होटल में मिलने के बहाने धोखे से बुलाकर आरोपी ने जबरदस्ती की।

साइबर ठग सी.बी.आई. और ई.डी. अधिकारी बनकर कर रहे है ठगी

जयपुर। साइबर अपराधों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है और अपराधी अब लोगों को ठगने के लिए नए-नए पैंतरे अपना रहे हैं। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने डिजिटल अरेस्ट नामक एक धोखाधड़ी के संबंध में एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। इस तरीके में अपराधी खुद को सीबीआई, मुंबई पुलिस, कस्टम, आयकर विभाग या प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी बताकर लोगों को वीडियो कॉल पर डराते हैं और उन्हें गंभीर अपराधों में फंसाने की धमकी देकर उनके बैंक खातों से पैसे ऐंठ लेते हैं।

- राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने डिजिटल अरेस्ट नामक एक धोखाधड़ी के संबंध में एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की

क्या है डिजिटल अरेस्ट

एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार सिंह ने बताया कि साइबर अपराधी पीड़ितों को वीडियो कॉल करते हैं और वर्दी व फर्जी वारंट दिखाकर उन्हें धमकाते हैं। वे दावा करते हैं कि पीड़ित के बच्चों या परिवार ने ड्रग्स, रेप जैसे अपराध किए हैं, उनके मोबाइल नंबर का उपयोग देश विरोधी गतिविधियों में हुआ है, या उनके बैंक खातों में मनी लॉन्ड्रिंग या देश विरोधी गतिविधियों से संबंधित बड़ी रकम जमा है।

अपराधी पीड़ितों को धमकाकर कहते हैं पुलिस वेरिफिकेशन के लिए उन्हें अपने सभी बैंक खाते, फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) और अन्य निवेश की पूरी धनराशि उनके बताए गए बैंक खातों में ट्रांसफर करनी होगी। वे यह भी आश्वासन देते हैं कि वेरिफिकेशन सही पाए जाने पर पैसे वापस कर दिए जाएंगे। अपराधी पीड़ितों को तब तक वीडियो कॉल पर ही रहने के लिए मजबूर करते हैं जब तक वेरिफिकेशन पूरा न हो जाए और उन्हें किसी अन्य व्यक्ति या पुलिस को इसकी सूचना न देने की धमकी देते हैं। डर के मारे लोग पीड़ित अक्सर इन अपराधियों के बताए गए यूपीआई या बैंक खातों में बड़ी रकम ट्रांसफर कर देते हैं।

राजस्थान पुलिस ने इस तरह की धोखाधड़ी से बचने के लिए अत्यंत सावधानी बरतने का आग्रह किया है पुलिस या कोई भी सरकारी विभाग कभी भी वीडियो कॉल पर किसी को गिरफ्तार करने या अपराध में संलिप्तता की धमकी नहीं देता है। यह एक स्पष्ट संकेत है कि आप ठगी का शिकार हो रहे हैं।इस तरह की किसी भी वीडियो कॉल पर कभी भी किसी अन्य खाते में धनराशि ट्रांसफर न करें। सरकारी एजेंसियां कभी भी सत्यापन के नाम पर आपसे पैसे ट्रांसफर करने को नहीं कहेंगी।

22 जुलाई से राजस्थान के सभी डाकघरों में लागू होगी एडवान्स्ड पोस्टल टेक्नोलॉजी

राज्य के सभी डाकघर नए सॉफ्टवेयर पर करेंगे कार्य

जयपुर। भारतीय डाक विभाग राजस्थान परिमण्डल अगली पीढ़ी के एडवान्स्ड पोस्टल टेक्नोलॉजी एप्लिकेशन में दिनांक 22 जुलाई से कार्य करना शुरू कर देगा, जो डिजिटल उत्कृष्टता और राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक अभूतपूर्व परिवर्तन है। इस परिवर्तनकारी पहल के हिस्से के रूप में, उन्नत प्रणाली 22-07-2025 को राजस्थान के सभी डाकघरों में लागू की जाएगी।

इस उन्नत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर निर्बाध और सुरक्षित परिवर्तन को सक्षम बनाने के लिए, 21.07.2025 को एक नियोजित डाउनटाइम निर्धारित किया गया है। 21.07.2025 को डाकघरों में कोई सार्वजनिक लेनदेन नहीं किया जाएगा।

डेटा माइग्रेशन, सिस्टम सत्यापन और कॉन्फ़िगरेशन प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए सेवाओं का यह अस्थायी निलंबन आवश्यक है, ताकि नई प्रणाली सुचारू रूप से और कुशलता से लाइव हो जाए।

एडवांस्ड पोस्टल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन को बेहतर यूजर फ्रेंडली, तीव्र सेवा वितरण और अधिक ग्राहक-अनुकूल इंटरफेस प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो स्मार्ट, कुशल और भविष्य के लिए तैयार डाक संचालन प्रदान करने के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने में सहायक होगा।

राजस्थान डाक परिमंडल ने अपने मूल्यवान ग्राहकों से अपील की है कि वे विभाग में हो रहे इस परिवर्तन से हो रही असुविधा से बचने के लिए अपनी योजना इस सूचना के अनुसार ही बनाएं, और इस संक्षिप्त व्यवधान के दौरान हमारे साथ धैर्य बनाए रखें, हमें हुई किसी भी असुविधा के लिए गहरा खेद है और आपको आश्वस्त करते हैं कि ये कदम प्रत्येक नागरिक को बेहतर, तेज और अधिक डिजिटल रूप से सशक्त सेवाएं प्रदान करने के हित में उठाए जा रहे हैं।

सोमवार को देवस्थान विभाग की ओर से रुद्राभिषेक का आयोजन

जयपुर। राजस्थान सरकार के देवस्थान विभाग की ओर से श्रावण मास के पावन अवसर पर प्रदेश की सुख, शांति, समृद्धि, खुशहाली एवं अनुकूल वर्षा की मंगल कामना हेतु रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा । इसी कड़ी में श्रावण मास के सोमवार 21 जुलाई को दोपहर 12 बजे, चांदनी चौक स्थित त्रिपोलिया बाजार के राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार मंदिर श्री प्रतापेश्वर जी महाराज में देवस्थान विभाग के मंत्री श्री जोराराम कुमावत रुद्राभिषेक करेंगे।इस अवसर पर देवस्थान विभाग के मंत्री ने जानकारी दी कि विभाग की ओर से पिछले वर्ष की भांति इस बार भी राज्य के मंदिरों में रुद्राभिषेक करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह आयोजन सिर्फ उन्हीं मंदिरों में होंगे जो प्रत्यक्ष रूप से देवस्थान विभाग के अधीन हैं। मंत्री ने कहा कि यह आयोजन प्रदेशवासियों के कल्याण और धार्मिक भावना से जुड़ा एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिससे समाज में धार्मिक चेतना के साथ-साथ सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।उन्होंने यह भी बताया कि श्रावण मास भगवान शिव का प्रिय मास है और सोमवार के दिन भगवान शिव का पूजन विशेष फलदायी माना जाता है। इसलिए विभाग ने यह निर्णय लिया है कि श्रावण के प्रत्येक सोमवार को राज्य के 80 विभागीय मंदिरों में रुद्राभिषेक और शिव पूजन का आयोजन किया जाएगा।

गलता तीर्थ से काला महादेव तक गूंजा "हर हर महादेव"

गोविंद भक्तों ने शिव भक्ति में लीन होकर भजन-कीर्तन किए।

जयपुर। सावन मास के उपलक्ष में रविवार को ठिकाना मंदिर श्री गोविंददेवजी, जयपुर के आशीर्वाद एवं महंत श्री अंजन कुमार गोस्वामी जी के सान्निध्य में 250 गोविंद भक्तों की भव्य कावड़ यात्रा धार्मिक उल्लास और श्रद्धा के साथ संपन्न हुई। यह पवित्र यात्रा प्रात: गलता तीर्थ से शुरू होकर हर हर महादेव के जयघोषों के बीच कनक घाटी स्थित श्री काला महादेव मंदिर पहुंची।

रास्ते भर गोविंद भक्तों ने शिव भक्ति में लीन होकर भजन-कीर्तन किए और वातावरण को शिवमय बना दिया। श्री काला महादेव मंदिर में पहुंचने के पश्चात महंत अंजन कुमार गोस्वामी जी ने ठाकुर श्री काला महादेव जी का पंचामृत से अभिषेक किया, भोग अर्पित किया और पुष्पों से विशेष श्रृंगार किया। सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि यह कावड़ यात्रा भगवान शिव और ठाकुर श्री गोविंददेवजी के बीच भक्तों की अखंड आस्था का प्रतीक है। इस आयोजन में भक्तों का उत्साह देखते ही बनता था। कावड़ यात्रा के समापन पर प्रसाद वितरण एवं भक्तों के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई।

- महंत अंजन कुमार गोस्वामी ने किया पंचामृत अभिषेक, भक्तिभाव से सराबोर हुआ वातावरण

नवनिर्मित मीटिंग हॉल व लिफ्ट का उद्घाटन

जयपुर । राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) के प्रदेश उपाध्यक्ष भगवत डांगी ने बताया कि लाल कोठी जयपुर स्थित प्रांतीय कार्यालय में नवनिर्मित मीटिंग हॉल व लिफ्ट का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं विश्व हिंदू परिषद की राष्ट्रीय कार्य समिति के सदस्य जुगल किशोर ने मौली बंधन खोलकर किया। संगठन के प्रदेश महामंत्री नवीन कुमार शर्मा ने बताया कि उद्घाटन पश्चात हुए समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि वरिष्ठ प्रचारक जुगल किशोर ने अपने उद्बोधन में कहा कि राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) शिक्षा व शिक्षार्थियों के हित में कार्य करने वाला प्रमुख संघर्षशील संगठन है।संगठन के पदाधिकारी व शिक्षक राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत विद्यार्थी तैयार करने के लिए कार्य करें।उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में संगठन द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों,रक्तदान शिविर, हरित पखवाड़े, पॉलीथिन मुक्त राजस्थान जैसे सामाजिक सरोकारों की प्रशंसा की।मुख्य संरक्षक व प्रशासनिक अध्यक्ष सियाराम शर्मा ने संगठन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र व सामाजिक सरोकारों को लेकर संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

पति ने पत्नी के सिर पर हमला कर हत्या की

जयपुर। बगरू थाना इलाके में युवक ने भारी चीज से अपनी पत्नी के सिर पर हमला कर हत्या करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि आरोपित हत्या करने के बाद अपने नौ साल के बेटे को लेकर घर से भाग गया। पुलिस शुरुआती जांच में सामने आया है आरोपित अपने बेटे को ग्रेटर नोएडा में रहने वाले रिश्तेदार के घर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर फरार पति की तलाश शुरू कर दी है। उसके गिरफ्तार होने पर ही हत्या का कारण पता चल सकेगा।

थानाधिकारी मोती लाल शर्मा ने बताया कि मृतका प्रियंका (32) उत्तर प्रदेश की रहने वाली थी। जो अपने पति ललित गौतम और नौ साल के बेटे के साथ पिछले चार साल से ओमेक्स सिटी स्थित विला में रहती थी। पुलिस जानकारी में सामने आया कि शनिवार को किसी बात को लेकर पति-पत्नी में झगड़ा हुआ। झगड़ा इतना बढ़ गया कि आरोपित ललित ने भारी वस्तु से प्रियंका के सिर पर वार कर दिया। इसके बाद शव को बेड पर पटक कर घर को बाहर से लॉक कर अपने बेटे को लेकर फरार हो गया। इस दौरान प्रियंका के घरवालों के लगातार फोन करने पर जवाब नहीं मिला। जब उन्होंने पड़ोसियों को फोन कर उसके घर जाने को कहा तो पड़ोसियों को घर बाहर से लॉक मिला। वहीं खिड़की से झांका तो अंदर लाइट जलती दिखी और प्रियंका के पैर भी दिखने पर शक हुआ तो पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घर का लॉक तोड़कर घर के अंदर पहुंची तो देखा कि कमरे के अंदर बेड पर प्रियंका का शव लहूलुहान हालत में मिला। पुलिस ने वहीं रविवार को शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित पति ललित के परिजनों से सम्पर्क किया तो पता चला कि ललित रात को बेटे को ग्रेटर नोएडा में रहने वाले रिश्तेदार के घर छोड़कर फरार हो गया।

- पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर फरार पति की तलाश शुरू कर दी है। उसके गिरफ्तार होने पर ही हत्या का कारण पता चल सकेगा

गोविंद देवजी मंदिर में 25 हजार श्रद्धालुओं ने किया द्वादश ज्योतिर्लिंग का रुद्राभिषेक

जयपुर। सावन मास के दूसरे सोमवार की पूर्व संध्या पर रविवार को गोविंद देवजी मंदिर शिवमय हो उठा। महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में आयोजित हुए महाकाल महाभिषेक, द्वादश ज्योतिर्लिंग पूजन और पंच कुंडीय शिव-गायत्री महायज्ञ में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। मंदिर परिसर में राधे-राधे और हर-हर महादेव के जयघोष के बीच 25 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल व बूरा से द्वादश ज्योतिर्लिंगों का रुद्राभिषेक किया।

- शिव-पार्वती की झांकी और भस्म आरती रही मुख्य आकर्षण

ज्योतिर्लिंग पूजन और पंच कुंडीय शिव-गायत्री महायज्ञ में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़।

कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने आराध्य गोविंद देवजी, सनातन बोर्ड संघर्ष समिति के संयोजक राहुल द्विवेदी, मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ आचार्या हिमानी शास्त्री,आचार्य अनुपम जोली,वेद माता गायत्री और गुरुसत्ता के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की। पार्थिव शिवलिंग पूजन के साथ महायज्ञ का शुभारंभ हुआ । वैदिक मंत्रोच्चार गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी की गायत्री कचोलिया और गायत्री तोमर ने कराया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने महामृत्युंजय और गायत्री मंत्रों की आहुतियां देते हुए विश्व कल्याण की कामना की।

कुसुम सिंघल द्वारा प्रस्तुत शिव तांडव स्तोत्र ने भक्तों को भक्ति रस में डुबो दिया।

शिव-पार्वती की झांकी, अघोरी रूप और उज्जैन महाकाल की तर्ज पर की गई भस्म आरती आयोजन के विशेष आकर्षण रहे। कार्यक्रम में गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के व्यवस्थापक सोहनलाल शर्मा, सनातन बोर्ड संघर्ष समिति के सर्वेश्वर शर्मा और कुलदीप सुलोनिया , गुर्जर समाज के युवा अध्यक्ष गौरव गुर्जर, बीसलपुर ऑर्गेनिक फॉर्म एंड रिजॉर्ट के राजेश सैनी, गायत्री शक्ति पीठ ब्रह्मपुरी के सह व्यवस्था मणिशंकर पाटीदार, कैलाश अग्रवाल, रमेश अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

बदमाशों ने व्यापारी पर हमला कर लूटे 35 हजार रुपए

जयपुर। शिवदासपुरा थाना इलाके में बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने दुकान मंगल कर घर जाते समय एक व्यापारी पर जानलेवा हमला कर दिया और अचेत अवस्था में उसे रोड पर पटकर जेब से हजारों की नकदी लेकर फरार हो गए। राहगीरों ने अचेत अवस्था में पीड़ित को नजदीकी अस्पताल भिजवाया। होश में आने के बाद मेडिकल इत्तला पर पुलिस अस्पताल पहुंची और पर्चा बयान के आधार पर अज्ञात बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज किया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश शुरु कर दी है।

जांच अधिकारी एसआई लेखराज ने बताया कि थाना इलाके में स्थित चौसला निवासी रामसिंह गुर्जर (34) की सांगानेर के समीप मदरामपुरा में किराने की दुकान है। दुकान बंद कर वो रात को अपने घर जा रहा था। इसी दौरान दुकान से थोड़ा आगे ही बाइक सवार तीन-चार लड़के आए और उसे रोक कर पैसों की मांग करने लगे। पीड़ित ने पैसे देने से इनकार किया तो आरोपियों ने लोहे की रॉड से उसके सिर पर वार कर दिया। जिसे पीड़ित बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा ।

23 जुलाई को परम्परा और नवाचारों का होगा अनूठा संगम

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की ओर से 7 जुलाई से ध्रुवपद-गायन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। जिसका समापन समारोह 23 जुलाई को सायं 3 बजे कृष्णयन सभागार में होगा, जिसमें विद्यार्थी अपने सीखे हुए सबक का प्रदर्शन करेंगे। इसमें इस बार ध्रुवपद के घरानेदारी के साथ कार्यशाला की विशेषज्ञ गुरू विदुषी प्रोफेसर डॉ मधु भट्ट तैलंग एवं उनके गुरू पद्म श्री पंडित लक्ष्मण भट्ट तैलंग द्वारा सृजित रचनाओं के नवाचार ख़ास होंगे, साथ में ही वर्षा ऋतु पर भारतीय परम्परानुसार शिव की वंदना हेतु शिव पर आधारित रागें एवं रचनाओं का प्रदर्शन भी होगा। गौरतलब है कि इस कार्यशाला में 80 विद्यार्थी पंजीकृत हुए हैं जो सामूहिक रूप से गायन करेंगे।

- ध्रुवपद गायन प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन पर गुरु के सबक का प्रदर्शन करेंगे प्रतिभागी

जवाहर कला केन्द्र की ओर से ध्रुवपद-गायन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यशाला में वैदिक ओमकार-साधना, गणपति, शुद्ध एवं तीव्र स्वर -साधना हेतु 10 थाटों का अभ्यास, ध्रुवपद में प्रयुक्त सभी प्रचलित और साथ ही कुछ अप्रचलित रूद्र आदि तालों को हाथ से लगाने के कुछ खेल- खेल में तरीके सिखाए गए। वर्षा ऋतु में भारतीय सनातन संस्कृति में शिव की आराधना का विशेष महत्व होता है इसलिए विशेष रूप से शिव से जुडी कुछ प्रचलित - अप्रचलित रागों जैसे मालकोन्स शिवरंजनी में आलाप, प्रचलित - अप्रचलित तालों जैसे चौताल, सूलताल एवं रूद्र तालों में ध्रुवपद-बंदिशों का आड़ी, दुगुन से अठगुण आदि लयकारिओं का प्रदर्शन होगा। इन बंदिशों में आदिनाद ब्रह्म नाद,भज शिव ॐकार आदि रचनाएं गुरू पद्मश्री पंडित लक्ष्मण भट्ट तैलंग एवं डॉ मधु भट्ट तैलंग द्वारा कृत है। 14 माहेश्वर सूत्रों को नृत्यावसाने नट राज राजो प्रबंध आधारित संस्कृत भाषा देव वाणी के ध्रुवपद में पहली बार डॉ मधु भट्ट द्वारा प्रयोग का नवाचार, जिसकी सावन के महीने में आराधना का विशेष प्रावधान है।

भीण्डर में खाद की कालाबाजारी, किसानों से एक बैग के 350 रुपये वसूले

266 रुपये के बजाए 350 में बेचे खाद बैग, किसानों को मांगने के बावजूद भी दुकानदारों ने कोई पर्ची व बिल नहीं दिया

भीण्डर के भैरव स्कूल के सामने खाद लेने के लिए सुबह छह बजे से ही किसान लाइन में खड़े रहे।

भैरव स्कूल के सामने खाद की दुकान से 350 रुपये में खाद का बैग लेकर जाता किसान।

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर कस्बे में खाद की कालाबाजारी से लगातार किसानों की जेब पर डाका डाला जा रहा है, लेकिन संबंधित विभाग के अधिकारी मूकदर्शक बनकर घूम रहे हैं। किसानों व आमजन ने मांग की है कि खाद बैग की अवैध वसूली करने वाले विक्रेताओं के लाइसेंस तुरंत प्रभाव से निलंबित किये जायें, अन्यथा किसान आन्दोलन करेंगे। वहीं कई किसानों को बिना खाद मिले घर लौटना पड़ा। भीण्डर क्षेत्र में लगातार खाद की कमी से उसकी काला बाजारी बढ़ा दी है।

सुबह-सुबह लगी लाइनें, खाद के लिए हुई धक्का-मुक्की : रविवार सुबह छह बजे भीण्डर के भैरव स्कूल के सामने स्थित खाद विक्रेता की दुकान पर पहुंचे तो यहां का नजारा देखने जैसा था। ऐसा ही नजारा प्रभात नगर स्थित खाद की दुकान पर भी था। यहां जैसे ही खाद का ट्रक पहुंचा, विक्रेताओं के पास किसानों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दुकानदारों ने एक तरफ तो लाइन में लगवाया, वहीं दूसरी ओर स्टॉक सीमित दिखाकर ज्यादा दाम पर खाद बेचना शुरू कर दिया। इस दौरान दुकानदारों ने किसानों को 266 रुपये के बजाए 350-350 रूपये में खाद के बैग विक्रय किये। वहीं किसानों को मांगने के बावजूद भी दुकानदारों ने कोई पर्ची व बिल नहीं दिया।

- किसानों व आमजन ने मांग की है कि खाद बैग की अवैध वसूली करने वाले विक्रेताओं के खिलाफ कारवाई की जाये

इस संबंध में किसानों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि खाद विक्रेताओं की जांच कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। यदि समय रहते प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया तो किसानों की परेशानी और बढ़ेगी, साथ ही खेती पर सीधा असर पड़ेगा। इस दौरान खाद लेने के लिए किसान आपसे में भी उलझते हुए दिखें। वहीं कहीं किसानों को खाली हाथ लौटना पड़ा। किसानों ने मांग की है कि खाद विक्रेताओं की नियमित निगरानी की जाए, तय दर पर खाद वितरण की व्यवस्था के लिए विभाग के अधिकारी-कर्मचारी समय-समय पर दुकानों का निरीक्षण करें, कालाबाजारी में लिप्त विक्रेताओं पर तुंरत कार्रवाई की जाए, खाद लेने के दौरान भीड़ से होने वाली अव्यवस्था के लिए पुलिस तैनात की जाए, बिल और पर्ची बनाकर किसानों को दी जाए। कुछ किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि विक्रेताओं ने जान-पहचान वालों को छुपकर बैग दिए, जबकि आम किसान कतार में घंटों खड़े रहे।

किसानों का फूटा गुस्सा :- खेती के इस मौसम में समय पर खाद की आवश्यकता होती है। ऐसे में कालाबाजारी से उन्हें आर्थिक और मानसिक दोनों परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय किसान रमेश कुमार ने बताया कि सरकारी दर तय है, लेकिन दुकानदार अपनी मर्जी से रेट लगा रहे हैं। यह सरासर शोषण है। ऐसे दोषी दुकानदारों के लाइसेंस तुरंत रद्द होने चाहिए।

प्रमोद शाकद्विपी, कृषि अधिकारी भीण्डर का कहना है कि खाद बैग ज्यादा कीमत पर बेचने की शिकायत मिली है, इसके लिए दुकानदारों को पाबंद किया जायेगा। वहीं अगर कोई दुकानदार खाद के साथ अन्य कोई सामग्री लेने के लिए जबदस्ती कर रहा है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई कर रहे है। अगर फिर भी ज्यादा कीमत पर बेचते हुए कोई दुकानदार मिला तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।

दस हजार का इनामी वांछित आरोपी गिरफ्तार

आरोपी डोडा-चूरा सप्लाई मामले में फरार चल रहा था

भीलवाड़ा डीएसटी टीम ने इनामी वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा डीएसटी टीम ने एक और बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 10 हजार के इनामी वांछित आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

जानकारी के अनुसार आरोपी दिनेश धाकड़ 51 किलो 780 ग्राम डोडा-चूरा सप्लाई करने के मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था। सदर थाना प्रभारी कैलाश विश्नोई ने जानकारी देते हुए बताया कि डीएसटी टीम के हेड कांस्टेबल प्रतापराम, कांस्टेबल अमृत सिंह और ऋषिकेश के विशेष योगदान से सदर थाना पुलिस ने आरोपी दिनेश को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

घर के आंगन में 12 फीट लम्बा अजगर निकला

अजगर ने मोर का शिकार किया फिर घर में जा घुसा

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के दोवड़ा वन क्षेत्र के हथाई गांव में एक 12 फीट लंबे अजगर ने मोर का शिकार कर दिया। फिर एक घर के आंगन में पहुंच गया। अजगर के मुंह में मोर देखकर लोगों ने मिलकर अजगर का रेस्क्यू किया। मुंह में दबोचे मोर को निकाला और फिर उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया।

जानकारी के दोवड़ा क्षेत्र के हथाई सीमलघाटी में कपिल अहारी के घर के आंगन में एक 12 फीट लंबा अजगर आ गया। अजगर के मुंह में एक मृत मोर था, जिसका शिकार उसने कुछ समय पहले ही किया था। मृत मोर को लपेटकर अजगर रेंग रहा था। उसे देखते ही कपिल ने आवाज लगाई, जिस पर आसपास के कई लोग इकट्ठे हो गए। अरविंद सिंह राणावत और उसके सहयोगी सचिन पंचाल ने लोगों की मदद से अजगर का रेस्क्यू किया, फिर अजगर के मुंह से मृत मोर को निकाला। इसके बाद अजगर को एक बोरे डालकर उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। इसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

नदी में फंसी तीन गायों का रेस्क्यू : राजसमंद के रेलमगरा उपखंड के बामनिया कला गांव में बनास नदी के तेज बहाव में तीन गायों के फंसे होने की सूचना जिला प्रशासन को मिली। इस पर सिविल डिफेंस की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर तीनों गायों को रेस्क्यू किया गया। ग्रामीणों द्वारा त्वरित कार्रवाई के लिए सिविल डिफेंस की टीम का आभार व्यक्त किया गया। जिला प्रशासन की टीम आपदा में राहत कार्यों के लिए 24 घंटे तत्परता से कार्य कर रही है।

मजदूर घायल : सादुलपुर के उप जिला अस्पताल राजगढ़ में सजल रहे कंस्ट्रक्शन का काम कर रहे मजदूर मिथलेश कुमार का हाथ रविवार को मिक्सर मशीन में आ जाने से घायल हो गया। जिस पर घायल मजदूर को लहूलुहान हालत में मौके पर लगे मजदूरों ने राजगढ़ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। गंभीर चोट होने के कारण चूरू रेफर कर दिया गया।

घर से जेवर व नकदी चोरी करने वाला भतिजा ही निकला चोर

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र के ग्राम नवरंगपुरा में हुई जेवरात व नकदी चोरी की गुत्थी को सुलझा दिया है। विराटनगर थाना पुलिस ने रात्रि के समय अपने ही घर में घुसकर जेवरात व नकदी चोरी करने वाले परिवादी के भतीजे को गिरफ्तार कर चोरी के माल की बरामदगी कर चोरी का खुलासा किया।

- आरोपी से तीन लाख रूपये के सोने-चांदी के जेवरात व 28 हजार नकदी बरामद की
- परिजनों पर ही शक होने पर परिवादी के भतीजे से पूछताछ की तो वारदात कबूल की

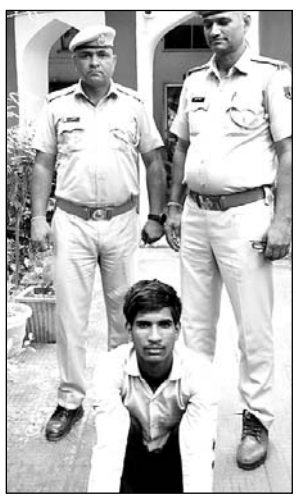

पुलिस ने चोरी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया।

राजन दुष्यंत उप महानिरीक्षक पुलिस सह जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशों की पालना में अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के निर्देशन एवं वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन व थाना प्रभारी विराटनगर सोहनलाल के कुशल नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा आरोपियों की तलाश करते हुए घटनास्थल के हालातों को देखते हुए परिजनों पर ही शक होने पर परिवादी के भतीजे राहुल गुर्जर से पूछताछ की तो अभियुक्त राहुल गुर्जर पुत्र रामेश्वर प्रसाद निवासी नवरंगपुरा थाना विराटनगर ने ही प्रकरण में चोरी करना बताया, जिसको गिरफ्तार कर प्रकरण में चोरी 3 लाख रूपये के सोने-चांदी के जेवर व 28 हजार नकदी बरामद की।

वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत ने बताया कि 15 जुलाई को थाना विराटनगर में परिवादी मुंशी गुर्जर निवासी नवरंगपुरा ने मामला दर्ज करवाया था कि 15 जुलाई को मैं और मेरी पत्नी किसी रिश्तेदारी में गए हुए थे। रात्रि 1- 2 बजे के करीब अज्ञात बदमाश घर में घुसकर सोने-चांदी के जेवर व नकदी चोरी कर ले गए, जिस पर मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया था।

इलेक्ट्रॉनिक व्यापार के कर्मचारी से लूट का खुलासा, चार गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। सागवाड़ा पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक व्यापार के कर्मचारी से लूट के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने कलेक्शन कर लौट रहे कर्मचारी से 1.12 लाख रुपए नकद और 1.15 लाख रुपए के चेक लूट लिए थे।

- आरोपियों ने कलेक्शन कर लौट रहे कर्मचारी से 1.12 लाख नकद और 1.15 लाख के चेक लूटे थे
- शौक पूरे करने के लिए वारदात को अंजाम देते थे आरोपी, चारों दोस्त बताये जा रहे हैं

जानकारी के अनुसार उदयपुर के भिंडर निवासी ओमप्रकाश अहीर दिशा इलेक्ट्रॉनिक्स में मार्केटिंग का काम करता है। 16 जुलाई को वह बांसवाड़ा में व्यापारियों से कलेक्शन करने के बाद सागवाड़ा जा रहा था। गणेशपुरी मेन रोड पर दो बाइक पर सवार चार युवकों ने उसकी बाइक रोक ली। आरोपियों ने मारपीट कर उसका बैग छीन लिया और फरार हो गए। सागवाड़ा थानाधिकारी मदनलाल के अनुसार, पुलिस ने बांसवाड़ा जिले के परतापुर के खालिद, अरबाज खान, जाबिर शेख और वाहिद मोहम्मद को गिरफ्तार किया है। चारों आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी आपस में दोस्त हैं और शौक के लिए लूट की वारदातें करते हैं। इन पर पहले से ही लूट के तीन मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

सालासर सुपरफास्ट ट्रेन 29 तक रद्द

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-रेलवे के दिल्ली मंडल पर दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशन पर न्यू इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग पैनल के कार्य के कारण जोधपुर से चलकर दिल्ली सराय रोहिल्ला जाने वाली ट्रेन सालासर सुपरफास्ट सोमवार से 29 जुलाई तक पूरी तरह से रद्द रहेगी। डीआरएम अनुराग त्रिपाठी के अनुसार उपरोक्त कार्य के कारण ट्रेन नंबर 22422,जोधपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला सालासर सुपरफास्ट एक्सप्रेस जोधपुर से सोमवार 21 से 29 जुलाई तक कुल 9 दिनों तक पूरी तरह से कैंसिल रहेगी। इसी तरह वापसी में भी ट्रेन नंबर 22421, दिल्ली सराय रोहिल्ला-जोधपुर सोमवार 21 से 28 जुलाई तक 8 ट्रिप के लिए पूरी तरह से रद्द रहेगी। गौरतलब है कि इस कार्य के कारण 29 जुलाई तक कुछ ट्रेनें रद्द की गई है तथा कुछ का मार्ग बदला गया है।

वृद्धा को बंधक बना लूट की वारदात करने वाला एक और आरोपी गिरफ्तार

प्रकरण में पूर्व में दो आरोपी गिरफ्तार व दो बालक निरुद्ध किए जा चुके हैं

पावटा, (निसं)। वृद्धा को बंधक बनाकर मारपीट कर लूट की वारदात को अंजाम देने वाले एक और अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं वारदात में प्रयुक्त वाहन स्विफ्ट कार बरामद की। प्रकरण में पूर्व में दो आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं व दो बालक निरुद्ध किए जा चुके हैं।

- पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त कार बरामद की

जानकारी के अनुसार विराटनगर थाना पुलिस द्वारा दहशत फैलाने और मारपीट कर लूट की वारदात करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने व दो बालक निरुद्ध पहले ही किए जा चुके हैं। वहीं रविवार को राजन दुष्यंत उप महानिरीक्षक पुलिस सहजिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वृद्ध महिला को बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट कर लूटपाट की घटना को गंभीरता से लेते हुए अज्ञात मुल्जिमों की पहचान कर गिरफ्तार करने के निर्देशों की पालना में अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के सुपरविजन एवं वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के नेतृत्व में थाना प्रभारी विराटनगर सोहनलाल मय टीम, कश्मीर सिंह उप निरीक्षक पुलिस चौकी मैड व साइबर सेल कोटपुतली द्वारा 12 जुलाई की रात्रि ग्राम पालड़ी में अज्ञात बदमाशों द्वारा घर में घुसकर वृद्ध महिला को बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट कर घर से सोने-चांदी के जेवर व नकदी चोरी कर ले जाने की घटना में तीन टीमों का गठन किया।

अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के सुपरविजन एवं वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के नेतृत्व में अज्ञात बदमाशों की पहचान व गिरफ्तारी हेतु गठित पुलिस टीमों द्वारा आपस में समन्वय स्थापित कर आरोपियों की साइबर सेल टीम की मदद से पहचान कर संभावित स्थानों पर दबिश देते हुए पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया व दो विधि से संघर्षरत बालकों को निरुद्ध किया जाकर लूटे गए जेवरात बरामद किए गए थे।

टीम द्वारा शेष अभियुक्त सुरेन्द्र यादव को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से शेष बचा हुआ माल सोने- चांदी के जेवरात बरामद किए गए। आरोपियों से गहनता से अनुसंधान कर अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ जारी है।

पैंथर का मूवमेंट, पिंजरा लगाया

बौंली-बामनवास, (निसं)। क्षेत्र की अरावली पर्वत श्रृंखला एवं जयगढ़ किला बौंली से निकलकर कुछ पैंथरों का वर्षा के दौरान आसपास के गांव की छोटी पहाड़ियों की ओर विचरण रहता है। इस कारण ग्रामीण अपने मवेशियों के शिकार को लेकर चिंतित रहने लगते हैं। ग्रामीणों की इस चिंता को गंभीरता से लेते हुए बौंली रेंज वन विभाग की टीम ने पूर्व में थडौली एवं रविवार को रसूलपुरा की डूंगरी पर पैंथर के मूवमेंट स्थल पर पिंजरा लगाया है।

- रसूलपुरा की डूंगरी पर पिंजरा लगाया

बौंली वन विभाग रेंज के फॉरेस्टर भूपेंद्र सिंह जादौन ने बताया कि सवाई माधोपुर उपवन संरक्षक सुनील कुमार, आईएफएस मनीष शर्मा, बौंली रेंज के सहायक वन संरक्षक व क्षेत्रीय वन अधिकारी गोकल राम मीणा के निर्देशन में लगातार पैंथर का मूवमेंट को देखते हुए ग्रामीणों की मांग पर रसूलपुरा गांव की आबादी के पास डूंगरी पर पिंजरा लगाया गया है। इससे पूर्व में थडौली की पहाड़ी पर पिंजरा लगाया गया था, लेकिन पैंथर कैद नहीं हो पाया। पिंजरा लगाने के दौरान वनरक्षक प्रहलाद सिंह, घनश्याम शर्मा व हीरालाल गुर्जर, वृक्षपालक मनोज शर्मा, वनमित्र ग्रामीण शक्ति सिंह, भरत लाल, मानसिंह व वीर सिंह मौजूद थे।

सामाजिक बदलाव लाने में शिक्षित बेटियों की भूमिका महत्वपूर्ण : वन मंत्री संजय शर्मा

अलवर, (निसं)। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को अलवर वैष्णव ब्राह्मण समाज द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह के कार्यक्रम में शिरकत कर समाज के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया। वन राज्यमंत्री शर्मा ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को मूर्त रूप प्रदान करने में हमारी युवा पीढ़ी की महती भूमिका है।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने कहा कि युवा पीढ़ी को स्किल व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना तथा समाज के हर वर्ग को साथ लेकर "सबका साथ सबका विकास" की भावना से कार्य करना राज्य सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि अलवर में वैष्णव ब्राह्मण समाज की ओर से प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित करना प्रेरणादायक है। इससे बालक-बालिकाओं का उत्साहवर्धन होता है। उन्होंने बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि सामाजिक बदलाव लाने में शिक्षित बेटियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है तथा कोई भी समाज बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित कर ही सही मायने में उन्नित कर सकता है।

वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में राज्य सरकार द्वारा संचालित हरियालो राजस्थान अभियान के तहत प्रदेश में विगत वर्ष 7 करोड 35 लाख पौधे लगाए गए थे तथा इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को आमजन की सहभागिता से पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रकृति ने हमें बहुत कुछ दिया है, अब पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण करने का उपयुक्त समय है अत: प्रत्येक व्यक्ति न केवल पौधा लगाए, बल्कि उनकी

- अलवर वैष्णव ब्राह्मण समाज का राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित
- वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया

सार-संभाल भी करें। उन्होंने समाज के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया तथा उनका उत्साहवर्धन कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके बाद उन्होंने राजकीय पौधशाला मुंगस्का में अपने प्रतिदिन पौधारोपण के संकल्प के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान वैष्णव ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र महेसर, उपाध्यक्ष जगमोहन, संतोष, बंटी सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

एसजीएसटी रिफंड अटकने से उद्यमी परेशान

बीकानेर, (निसं)। तेल और गोटा मिल उद्योग से जुड़ी समस्याएं दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही है। तेल मिल और गोटा मिल संचालकों ने यहां आयोजित बैठक में अपनी पीड़ा साझा की। बैठक में बताया गया कि अकेले बीकानेर जिले में ही 250 करोड़ रुपए से अधिक का राज्य वस्तु एवं सेवाकर (एसजीएसटी) रिफंड पिछले चार वर्ष से अटका हुआ है, जिससे छोटे और मध्यम उद्योगों का संचालन गहराते नकदी संकट में फंस गया है।

मिल संचालकों ने कहा कि इनवर्टेड टैक्स स्ट्रक्चर के कारण इनपुट टैक्स क्रेडिट रिफंड में सालों की देरी हो रही है। इससे कार्यशील पूंजी की कमी होती है और बैंकों ने भी ऋण देना बंद कर दिया है। इस संकट से अकेले बीकानेर की करीब 100 तेल मिलें और 150 मूंगफली गोटा मिलें प्रभावित हो रही हैं। मिलर्स ने बताया कि सरसों और मूंगफली जैसी फसलों को सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदती है, लेकिन बाजार में तेल की कीमत गिरने पर उन्हें भारी घाटा उठाना पड़ता है।

डॉ. माथुर डब्ल्यूएचओ स्टीयरिंग कमेटी में नामित

जोधपुर, (कासं)। डॉ. संपूर्णानंद मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य और ख्यातनाम चिकित्सक डॉ. अरविंद माथुर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) सिविल सोसायटी कमीशन की स्टीयरिंग कमेटी में सदस्य मनोनीत किया गया है।

इस तरह की प्रतिष्ठित वैश्विक भूमिका के लिए मनोनीत होने वाले डॉ. माथुर संभवत राजस्थान के पहले चिकित्सक हैं। स्विट्ज़रलैंड के जिनेवा स्थित कमिशन की स्टीयरिंग कमेटी में माथुर को दो साल के लिए सदस्य बनाया गया है। डॉ. माथुर के मनोनयन की सूचना आते ही चिकित्सा समुदाय में हर्ष की लहर दौड़ गई। कई चिकित्सकों ने डॉ. माथुर को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए उनका अभिनंदन किया। डब्ल्यूएचओ सिविल सोसाइटी आयोग का उद्देश्य वैश्विक क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर समाज के साथ संवाद को मजबूत करना और डब्ल्यूएचओ के साथ जुड़ाव के लिए सुझाव देना है। 24 सदस्य समिति में विभिन्न नागरिक क्षेत्र के लोगों को मनोनीत किया गया है। इनमें जोधपुर के

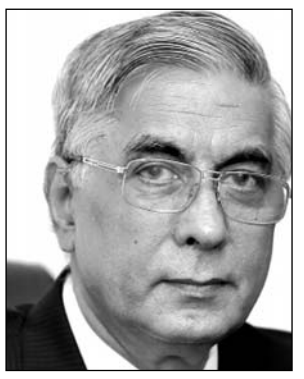

डॉ. अरविंद माथुर

डॉक्टर माथुर भी शामिल हैं। चिकित्सा क्षेत्र में पिछले 47 वर्षों से कार्यरत डॉक्टर माथुर एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य और नियंत्रक के अलावा इंडियन एकेडमी ऑफ जेरियाट्रिक्स के संस्थापक प्रमुख भी रहे हैं। वे एशियन सेंटर फॉर मेडिकल रिसर्च एंड इनोवेशन के निदेशक भी हैं। डॉ. माथुर वृद्धावस्था में बीमारियों के उपचार और देखभाल के लिए समर्पित संस्था केयरगिवर्स आशा सोसायटी के संस्थापक भी हैं।

मैं पाकिस्तान के खिलाफ केवल आज ही के मुकाबले में नहीं बल्कि आगामी डब्ल्यूसीएल लीग के सभी मुकाबलों में नहीं खेलूंगा। देश से बढ़कर कुछ भी नहीं। - शिखर धवन

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाक के साथ खेलने को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **मैग्नस कार्लसन**

दुनिया के नंबर-1 शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में बेहतरीन वापसी करते हुए अर्जुन एरिगेसी को 2-0 से और आर प्रज्ञानानंदा को 3-1 से मात दी है। वहीं अब तीसरे स्थान के लिए कार्लसन का मुकाबला यूएसए के हिकारू नाकामुरा से होगा। कार्लसन को इंटरमीडिएट राउंड में भारत के आर. प्रज्ञानंदधा से पहले राउंड में हार का सामना करना पड़ा, तथा दूसरे राउंड में जीत के साथ टाईब्रेकर का सहारा लेना पड़ा। कार्लसन के लिए दोनों मैच काफी रोमांचक रहे क्योंकि इससे पहले प्रज्ञानानंदा ने उन्हें टूर्नामेंट जीतने का मौका हासिल करने से महरूम कर दिया था।

क्या आप जानते हैं ?... काइल मेयर्स ने 2020 में वेस्टइंडीज के लिए डेब्यू करने के बाद अब तक 84 इंटरनेशनल मैचों में वेस्टइंडीज टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए 2,371 रन और 48 विकेट लिए हैं।

अगले तीन डब्ल्यूटीए फाइनल मुकाबले होंगे इंग्लैंड में

सिंगापुर, 20 जुलाई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इंग्लैंड को 2027, 2029 और 2031 में होने वाले तीन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की मेजबानी सौंपी है। इससे पहले वह 2021 से लगातार तीनों फाइनल की मेजबानी कर चुका है। आईसीसी की सिंगापुर में हुई वार्षिक बैठक में यह फैसला लिया गया। आईसीसी ने 2027 के फाइनल भारत में स्थानांतरित किये जाने की अटकलों को विराम देते हुए ईसीबी के 'सफल मेजबानी रिकार्ड' का हवाला देते हुए इंग्लैंड को फिर से तीन बार के लिए इसकी जिम्मेदारी दी है। हालांकि यह अभी तय नहीं हुआ है कि भविष्य में भी लॉर्ड्स को प्राथमिक मेजबान के तौर पर बरकरार रखा जाएगा या नहीं।

नामीबिया को हराकर जिम्बाब्वे ने रग्बी विश्वकप 2027 के लिए किया क्वालीफाई

कंपाला, 20 जुलाई। जिम्बाब्वे की राष्ट्रीय 15एस रग्बी टीम, सैबल्स ने रग्बी अफ्रीका कप के रोमांचक फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी नामीबिया को 30-28 से हराकर रग्बी विश्व कप 2027 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। कंपाला के मंडेला नेशनल स्टेडियम में कप्तान हिल्टन मुदारिकी की अगुवाई वाली जिम्बाब्वे ने शानदार प्रदर्शन कर जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया में होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए अपना टिकट पक्का कर लिया। कड़ी टक्कर वाले पहले हाफ 16-16 से बराबरी पर समाप्त हुआ, लेकिन सैबल्स ने ब्रेक के बाद मजबूत वापसी की। गॉडफ्रे मुजानाग्वों और ब्रैंडन मुडजेकेन्येद्जी के प्रयासों और इयान प्रायर के त्रुटिहीन रूपांतरणों की बदौलत जिम्बाब्वे ने 30-16 की बढ़त बना ली। नामीबिया ने दो प्रयासों और एक रूपांतरण के साथ देर से वापसी की और अंतर को केवल दो अंकों तक सीमित कर दिया। अंतिम क्षणों में एक पेनल्टी चूकने के कारण अंततः उन्हें मैच हारना पड़ा। जिससे जिम्बाब्वे को रग्बी अफ्रीका कप ट्रॉफी और 1991 के बाद पहली बार विश्वकप के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिला।

प्रिया मलिक ने 76 किग्रा फ्री स्टाइल में जीता रजत पदक

बुडापेस्ट, 20 जुलाई। दो बार की वर्ल्ड कैडेट्स चैंपियन प्रिया मलिक ने पॉलीक इमरे और वर्गा जानोस मेमोरियल 2025 कुश्ती टूर्नामेंट में महिलाओं की 76 किग्रा फ्रीस्टाइल कैटेगरी में रजत पदक जीता। हंगरी के बुडापेस्ट में शनिवार को खेले गये फाइनल मुकाबले में भारत की प्रिया मलिक को ब्राजील की थामिरेस मार्टिन्स माचाडो के खिलाफ 4-3 के बेहद करीबी अंतर से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय पहलवान ने टूर्नामेंट की शुरुआत क्वार्टरफाइनल में रियो 2016 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कजाकिस्तान की एलमिरा सिजदिकोवा को 7-2 से हराकर की। इसके बाद उन्होंने सेमीफाइनल में वैलेरिया ट्रिफोनोवा पर 11-1 की जबरदस्त जीत दर्ज की। हमवतन मनीषा ने 62 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता। जहां कांस्य पदक मुकाबले में मनीषा ने क्रिस्टिना को 9-0 से पटखनी देकर जीत हासिल की। क्वार्टरफाइनल में मनीषा को अमीना टंडेलोवा से 11-0 से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने रेपचेज राउंड के जरिए वापसी करते हुए फ्रांस की ओलंपियन अमेलिन डोआरे को 8-2 से हराया।

मुरली श्रीशंकर ने लगाई 7.75 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग

नई दिल्ली, 20 जुलाई। भारत के लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर ने मीटिंग माया सिदादे दो देसपोर्टो 2025 में देश का नाम रोशन किया है। ये एक वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंट टूर का ब्रॉन्ज-लेवल मुकाबला था। जिसमें श्रीशंकर ने 7.75 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर पहला स्थान हासिल किया है। श्रीशंकर ने प्रतियोगिता की शुरुआत 7.63 मीटर की छलांग से की। इसके बाद उन्होंने दूसरे राउंड में 7.75 मीटर की छलांग लगाई, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास रहा। तीसरे प्रयास में उन्होंने 7.69 मीटर की छलांग लगाई और चौथा प्रयास फाउल रहा। उन्होंने पांचवें प्रयास में 6.12 मीटर और आखिरी राउंड में 7.58 मीटर की छलांग लगाई। पोलैंड के पिओत्र टारकोव्स्की दूसरे स्थान पर रहे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के क्रिस मिटरव्स्की ने तीसरा स्थान हासिल किया।

भारत ने बांगकांग को 110-100 से हराकर ग्रुप-डी में शीर्ष स्थान हासिल किया

सोलो, (इंडोनेशिया), 20 जुलाई। भारत ने रविवार को इंडोनेशिया में चल रही बैडमिंटन एशिया जूनियर मिक्स्ड टीम चैंपियनशिप के ग्रुप चरण में अपनी लगातार जीत के क्रम को जारी रखते हुए ग्रुप डी के आखिरी मुकाबले में हांगकांग को 110-100 से हराकर ग्रुप तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत और हांगकांग चीन रविवार को आमने-सामने होने से पहले ही नॉक-आउट चरण के लिए क्वालीफाई कर चुके थे, लेकिन जीत की लय बनाए रखना जरूरी था। आज यहां खेले गये मुकाबलों में रुजुला रामू ने एक बार फिर भारत को आईपी सुम याउ को 11-8 से हराकर विजयी शुरुआत दिलाई और भार्गव राम अरिगेला और विश्व तेज गोब्बुरू की विश्व की छठे नंबर की जूनियर बालक युगल जोड़ी ने चेउंग साई शिंग और देंग ची फाई के खिलाफ बढ़त को 22-13 तक पहुँचा दिया। हांगकांग के लैम का टो ने 13 अंक बनाकर अपनी टीम को अंतर कम करने में मदद की।

क्या खेल विधेयक आने के बाद भी 70 साल के हो चुके बिन्नी बने रहेंगे बीसीसीआई अध्यक्ष ?

नई दिल्ली, 20 जुलाई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मौजूदा अध्यक्ष रोजर बिन्नी शनिवार को 70 साल के हो गए लेकिन फिलहाल इस बात की स्पष्टता नहीं है कि क्या वह सितंबर में होने वाली वार्षिक आम बैठक (एजीएम) तक पद पर बने रहेंगे या तत्काल प्रभाव से पद छोड़ देंगे और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला अंतरिम प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालेंगे। इस मामले में एक और मोड़ यह है कि राष्ट्रीय खेल विधेयक जल्द ही अस्तित्व में आने वाला है।

इसे केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया संसद के आगामी मानसून सत्र के दौरान पेश करेंगे। इसमें किसी भी प्रशासक के लिए पद पर बने रहने की उम्र की ऊपरी सीमा को मौजूदा 70 से बढ़ाकर 75 करने का प्रावधान है। बीसीसीआई का संविधान हालांकि न्यायमूर्ति लोढ़ा समिति द्वारा तैयार किया गया है और इसमें बोर्ड

अध्यक्ष की उम्र की सीमा 70 साल तय गयी है। बीसीसीआई राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) का हिस्सा है ऐसे में खेल विधेयक के लागू होने पर उसे भी इस विधेयक के दायरे में आने की संभावना है।बीसीसीआई भले ही सरकारी अनुदान पर निर्भर नहीं है, लेकिन भारतीय क्रिकेट टीमों के लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 का हिस्सा बनने के लिए नये खेल विधेयक का पालन करना होगा। बिन्नी के करीबी सूत्रों से पता चला कि 70 वर्षीय बिन्नी को इस मामले में बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया और कानूनी विभाग से संपर्क करेंगे। राष्ट्रीय खेल विधेयक के मसौदे की जो प्रति पीटीआई के पास है उसके मुताबिक, "कार्यकारी समिति के लिए नामांकन की अंतिम तिथि पर उस व्यक्ति की आयु 70 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।" इसमें हालांकि कहा गया, "संबंधित खेल के अंतरराष्ट्रीय चार्टर में अगर 70 से 75 साल की आयु के व्यक्ति के लिए चुनाव लड़ने की अनुमति हो तो वह ऐसा कर अपना कार्यकाल पूरा कर सकता है। "

इस मसौदे में आयु से जुड़े प्रावधान को देखे तो कोई व्यक्ति अगर नामांकन की तिथि पर 69 वर्ष और 364 दिन का है और वह पदाधिकारी पद के लिए निर्वाचित होता है तो वह विधेयक लागू होने के बाद 70 वर्ष की आयु से परे भी अपना पूरा कार्यकाल जारी रख सकता है। बिन्नी ने शनिवार को 70 वर्ष पूरे कर लिए हैं, जो कि किसी भी पदाधिकारी के लिए बीसीसीआई की आयु सीमा है।

नया खेल विधेयक अगर अगस्त तक लागू हो जाता है, तो यह 1983 के विश्व कप नायक को शीर्ष पद पर बनाये रख सकता है। ऐसे में वह कम से कम तीन साल का और कार्यकाल जारी रख सकते हैं। आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की कार्यकारी परिषद में हालांकि फीफा या अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति जैसा उम्र संबंधी कोई प्रावधान नहीं है ऐसे में बीसीसीआई के ताकतवर लोग चाहे तो बिन्नी 75 साल की उम्र तक अपना कार्यकाल जारी रख सकते हैं। बीसीसीआई के पास ऐसे में उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला को अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त करने या खेल विधेयक के अस्तित्व में आने का इंतजार करने का विकल्प है।

चोटिल आकाश और अर्शदीप के मैनचेस्टर टेस्ट खेलने पर संशय

मैनचेस्टर, 20 जुलाई। मैनचेस्टर में होने वाले महत्वपूर्ण चौथे टेस्ट से पहले भारत के दो तेज गेंदबाजों आकाश दीप और अर्शदीप सिंह के चोटिल हो गये है, जिससे इन दोनों के अगले टेस्ट मैच में खेलने पर संशय बना हुआ है। दो गेंदबाजों के चोटिल होने के बाद चयनकर्ताओं ने पांच मैचों की सीरीज के आखिरी दो टेस्ट मैचों के लिए हरियाणा के तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज को कवर के तौर पर टीम में शामिल करने का फैसला किया है। अर्शदीप को गुरुवार को बैकनहैम में अभ्यास सत्र के दौरान अपने ही फॉलो थ्रू में गेंदबाजी हाथ में चोट लगी है, जबकि आकाश दीप को पीठ में परेशानी से जूझ रहे है। चौथा टेस्ट मैच बुधवार से ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होगा। ये टेस्ट दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत या तो इंग्लैंड के साथ बराबरी कर सकता है या एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी हार सकता है। भारत के सहायक कोच टेन डेश्काटे ने गुरुवार को कहा था कि अर्शदीप की चोट भारत की योजना पर असर डालेगी और अब आकाश दीप पर संदेह के साथ चिंताएं और भी बढ़ गई होंगी। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने बर्मिंघम टेस्ट में 10 विकेट लेकर भारत को बराबरी दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। लॉर्ड्स में अगले टेस्ट में आकाश दीप ने केवल एक विकेट लिया और पवेलियन एंड से गेंदबाजी करते हुए लय हासिल करने में संघर्ष करते दिखे थे। वह चौथे दिन दोपहर में भी इलाज के लिए मैदान से बाहर चले गए थे, हालांकि उस समय यह पुष्टि नहीं हो पाई थी कि समस्या क्या थी। अकाशदीप ने थोड़ी देर अभ्यास गेंदबाजी और वह चोटिल होकर बाहर आए और उनके गेंदबाजी वाले हाथ पर टेप लगा दिखा। यह पता नहीं चल सका कि उन्हें टांके लगे हैं या नहीं, लेकिन अगर आकाश दीप बाहर हो जाते तो अर्शदीप उनकी जगह ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट की दौड़ में शामिल हो जाते। मोहम्मद सिराज एकमात्र तेज गेंदबाज हैं जो इस दौरे पर भारत के लिए सभी टेस्ट मैचों में रहे हैं और अब तक इस सीरीज में उन्होंने भारत की ओर से सबसे ज्यादा ओवर डाले हैं। टेन डेश्काटे ने कहा है कि सिराज के वर्कलोड पर भी प्रबंधन की नजर है। इसके अलावा दल में प्रसिद्ध कृष्णा के तौर पर एक और विशेषज्ञ तेज गेंदबाज का विकल्प मौजूद है, हालांकि शार्दुल ठाकुर भी सीम गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं। शार्दुल ने सीरीज का पहला जबकि प्रसिद्ध ने पहले दो टेस्ट खेले थे। 24 वर्षीय कम्बोज एक तगड़े दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं जो न केवल स्किड कर सकते हैं बल्कि हार्ड लेंथ गेंदबाजी भी कर सकते हैं। वह इंग्लैंड सीरीज से पहले दो अनौपचारिक टेस्ट मैच खेलने वाली भारत ए टीम का हिस्सा थे और नॉर्थम्प्टन में दूसरे मैच में उन्होंने चार विकेट लिए थे, जिसमें दूसरी पारी में एक ही ओवर में दो विकेट भी शामिल थे। इससे पहले, कम्बोज ने उसी टेस्ट में तनुष कोटियन के साथ 121 रनों की साझेदारी भी की थी, जो ड्रॉ रहा था।

भारतीय क्रिकेट टीम ने मैनचेस्टर यूनाइटेड क्लब विजिट किया

भारतीय क्रिकेट टीम ने रविवार को इंग्लैंड के मशहूर फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड का विजिट किया। यहां भारतीय क्रिकेटर्स मैनचेस्टर यूनाइटेड की जर्सी में दिखे, जबकि मैन यूनाइटेड के फुटबॉलर्स ने भारत की टेस्ट जर्सी पहनी। इस दौरान दोनों टीमों के प्लेयर्स ने फुटबॉल और क्रिकेट खेलकर मस्ती की। यहां भारतीय कप्तान शुभमन गिल और उपकप्तान ऋषभ पंत गोल मारते दिखे।

करुण नायर की कर्नाटक टीम में वापसी

नायर टेस्ट में तिहरा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज करुण नायर टेस्ट में वीरेंद्र सहवाग के बाद तिहरा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय हैं। नायर ने 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ चेन्नई में नाबाद 303 रन की पारी खेली थी। उनसे पहले वीरेंद्र सहवाग ने टेस्ट में 300 रन बनाए हैं। सहवाग ने 2004 में मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ 304 रन और साल 2008 में चेन्नई में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 319 रन की पारी खेली थी। वे फिलहाल टीम इंडिया के साथ इंग्लैंड दौरे पर हैं।

विश्व चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स में भारत बनाम पाक मैच रद्द

बर्मिंघम, 20 जुलाई। शिखर धवन सहित भारतीय खिलाड़ियों के बहिष्कार के कारण बर्मिंघम में रविवार को विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में भारत और पाकिस्तान के बीच खेला जाने वाला वेटरन्स क्रिकेट मैच रद्द कर दिया गया है।

धवन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने बयान का स्क्रीनशॉट पोस्ट किया जिसमें लिखा, यह औपचारिक रूप से दोहराया जाता है कि श्री शिखर धवन आगामी डब्ल्यूसीएल में पाकिस्तान टीम के खिलाफ किसी भी मैच में भाग नहीं लेंगे। यह चर्चा 11 मई 2025 को कॉल और व्हाट्सएप पर हमारी बातचीत के दौरान पहले ही हो चुकी थी। हमारी वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति और भारत-पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव को देखते हुए, धवन और उनकी टीम ने उचित विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया है।

हम इस मामले में लीग से सम्मानपूर्वक समझ और सहयोग का अनुरोध करते हैं। डब्ल्यूसीएल के आयोजकों ने एक बयान में कहा कि उन्होंने यह खबर सुनने के बाद कि पाकिस्तान हॉकी टीम इस वर्ष भारत का दौरा करेगी और दोनों देशों की अंडर-16 टीमों के बीच हाल ही में वॉलीबॉल मैच को देखने के बाद टूर्नामेंट में इस मैच की योजना बनाई थी। टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज की टीमें भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, इस मैच से अनजाने में हमारे भारतीय क्रिकेट दिग्गजों को असुविधा हुई है, तो हम इस मैच का रद्द करते हैं।

डब्ल्यूसीएल का दूसरा संस्करण 18 जुलाई को बर्मिंघम में शुरू हुआ और अब तक तीन मैच खेले जा चुके हैं। पाकिस्तान ने टूर्नामेंट का पहला मैच खेला था, लेकिन रविवार का मैच भारत का पहला मैच होने वाला था। युवराज सिंह भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हैं जबकि मोहम्मद हफीज पाकिस्तान के कप्तान हैं। टूर्नामेंट की छह टीमें एक-दूसरे से एक-एक बार भिड़ेंगी, उसके बाद शीर्ष चार टीमें 31 जुलाई को होने वाले सेमीफाइनल और दो अगस्त को होने वाले फाइनल में भिड़ेंगी। टूर्नामेंट बर्मिंघम, नॉर्थम्प्टन, लीसेस्टर और लीड्स में खेला जाएगा।

ऋषभ इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में खेलेंगे या नहीं?

मैनचेस्टर, 20 जुलाई। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में खेलेंगे या नहीं इस पर सबकी नजरें लगी हुई हैं और इस बीच पंत ने अपनी फिटनेस को लेकर एक अपडेट दी है। भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान पंत ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह बिल्कुल फिट दिख रहे हैं।पंत को लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के दौरान विकेटकीपिंग करते हुए बाएं हाथ की एनडेक्स फिंगर में चोट लग गई थी और वो सिर्फ बैटिंग ही कर पाए थे। इस टेस्ट मैच में भारत को 22 रन से हार मिली थी और टीम इंडिया सीरीज में 1-2 से पीछे हो गई थी। पंत की जगह ध्रुव जुरेल ने भारत के लिए विकेटकीपर की जिम्मेदारी निभाई थी। ऋषभ पंत ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के दौरान लगी उंगली की चोट से उबरने के बारे में जानकारी दी। इस वीडियो में पंत को नेट्स में बल्लेबाजी करते, फील्डिंग की प्रैक्टिस करते और फुटबॉल खेलते हुए देखा जा सकता है, जिससे पता चलता है कि वह पूरी तरह से फिट होने के करीब हैं। वीडियो के कैप्शन में लिखा है कि, अगर शांति की कोई आवाज होती तो वह यही होती। जो अगले टेस्ट मैच के लिए उनकी तैयारी का संकेत देता है।

आरसीए सीनियर, जूनियर पुरुष-महिला चयन कमेटी घोषित

जयपुर, 20 जुलाई। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत ने बताया कि राजस्थान क्रिकेट संघ एडहॉक कमेटी द्वारा राज्य में क्रिकेट गतिविधियों की समस्त रुपरेखा, बीसीसीआई की विभिन्न आयु वर्ग की घरेलू राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली राजस्थान टीमों, आरसीए के घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 का क्रिकेट कैलेंडर को तैयार करने हेतु गठित राज्य के पूर्व पुरुष - महिला खिलाडियों की 14 सदस्यीय कमेटी द्वारा दिए गए सुझावों पर 17 जुलाई को जयपुर में आयोजित आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग में राजस्थान सीनियर - जूनियर (पुरुष) व महिला चयन कमेटी के गठन पर चर्चा के बाद सभी सदस्यों से सर्वसम्मति से आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक को जल्द से जल्द राजस्थान पुरुष व महिला चयन कमेटी के गठन के लिए अधिकृत किया। संयोजक डी डी कुमावत ने आज सभी से चर्चा के बाद बीसीसीआई के घरेलु क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की पूर्व तैयारियों व आरसीए द्वारा आयोजित होने वाली विभिन्न आयु वर्ग की पुरष - महिला क्रिकेट प्रतियोगिताओं के दौरान खिलाडियों के प्रदर्शन की समीक्षा करने हेतू आरसीए एडहॉक कमेटी द्वारा राजस्थान सीनियर- जूनियर पुरुष व महिला चयन कमेटी का गठन किया गया।

घोषित आरसीए चयन कमेटियां

राजस्थान सीनियर चयन कमेटी (पुरुष) - राहुल कांवट, विलास जोशी, विजेंद्र यादव, सूर्यवीर सिंह, कुलदीप सिंह, शमशेर सिंह।

राजस्थान जूनियर चयन कमेटी (पुरुष) - नरेश गहलोत, लोकेश जैन, सिद्धार्थ जोशी, प्रणय शर्मा, सिद्धार्थ सर्राफ, अंकित लाम्बा।

राजस्थान महिला चयन कमेटी -कोमल चौधरी, पूनम यादव, माया जाट, कृतिका कुशवाहा, हर्षिता मकवाना।

बांग्लादेश ने पाक को सात विकेट से हराया

मीरपुर, 20 जुलाई। तस्कीन अहमद (तीन विकेट) और मुस्तफिज़ुर रहमान (दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद परवेज हुसैन इमॉन (नाबाद 56) मो. तौहीद हृदोय (36) की शानदार पारियों के दम पर बंगलादेश ने रविवार को पहले टी-20 मुकाबले में 27 गेंदें शेष रहते पाकिस्तान को सात विकेट से हरा दिया।

111 रनों के लक्ष्य पीछा करने उतरी बंगलादेश की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसने सात रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। तंजिद हसन और कप्तान लिटन कुमार दास एक-एक रन बनाकर आउट हुये। दोनों ही बल्लेबाजों को सलमान मिर्जा ने आउट किया। तीसरे विकेट के रूप में मो. तौहीद हृदोय 37 गेंदों में 36 रन बनाकर आउट हुये। बंगलादेश ने 15.3 ओवर में तीन विकेट पर 112 रन बनाकर

मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। परवेज हुसैन इमॉन ने 39 गेंदों में तीन चौके और पांच छक्कों की मदद से 56 रनों की नाबाद पारी खेली। जाकेर अली 10 गेंदों में 15 रन बनाकर नाबाद रहे। इसी के साथ बंगलादेश ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। पाकिस्तान की ओर से सलमान मिर्जा ने दो और अब्बास अफरीदी ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां बंगलादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने लगातार अंतराल पर अपने विकेट गवांये। बंगलादेश के गेंदबाजी आक्रमण के आगे फखर जमान को छोड़कर पाकिस्तान के बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके।

फखर जमान ने 34 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए 44 रनों की पारी खेली। खुशदिल शाह (17) और अब्बास अफरीदी 22 रन बनाकर आउट हुये। बंगलादेश गेंदबाजी के आगे पाकिस्तान के आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। पाकिस्तान के तीन बल्लेबाज रनआउट हुये। बंगलादेश ने पाकिस्तान को 19.3 ओवर में 110 रन के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया। बंगलादेश की ओर से तस्कीन अहमद (तीन विकेट) और मुस्तफिज़ुर रहमान (दो विकेट) लिये।

इंग्लैंड की महिला टीम ने भारत को 8 विकेट से हराया

लंदन, 20 जुलाई। सोफी एकल्सटन (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद ऐमी जोंस (नाबाद 46), टैमी बोमॉन्ट (34) और नेट सायबर ब्रंट (नाबाद 21) रनों की शानदार पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में भारत को आठ विकेट से हरा दिया है। 144 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड के लिए एमी जोन्स और टैमी बोमॉन्ट की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिय 54 रन जोड़े। 11वें ओवर में स्नेह राणा ने टैमी बोमॉन्ट को पगबाधा आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। बोमॉन्ट ने 35 गेंदों में 34 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी कप्तान नेट सायबर ब्रंट ने ऐमी जोंस के साथ पारी को संभाला। 19वें ओवर में बारिश के कारण खेल रोके जाने के समय इंग्लैंड ने 18.4 ओवर में एक विकेट पर 102 रन बना लिये है। खेल फिर से शुरु होने पर इंग्लैंड को 24 ओवर में 115 रन बनाने का लक्ष्य दिया गया। खेल शुरु होने के साथ ही इंग्लैंड ने अपना दूसरा विकेट नेट सायबर ब्रंट (21) को कांति गौड़ ने बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। इंग्लैंड ने 21 ओवर में दो विकेट पर 116 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से अपने नाम किया। एमी जोंस ने 57 गेंदों में (नाबाद 46)रनों की पारी खेली। सोफिया डंकली नौ रन बनाकर नाबाद रही। भारत की ओर से स्नेह राणा और कांति गौड़ ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां इंग्लैंड ने वर्षा बाधित मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को सात विकेट से हराया

हरारे, 20 जुलाई। रूबिन हरमन (63) और कप्तान रासी वान दर दुसें (52) की बेहतरीन बल्लेबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को चौथे टी-20 मुकाबले में जिम्बाब्वे को 16 गेंदे शेष रहते सात विकेट से हरा दिया। 145 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 22 के स्कोर तक अपने दो विकेट गवां दिये। लुआन-द्रे प्रेटोरियस (चार) और रीजा हेंड्रिक्स (छह) रन बनाकर आउट हुये। दोनों बल्लेबाजों को टी मपोसा ने आउट किया।

इसके बाद रूबिन हरमन और कप्तान रासी वान दर दुसें ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिये 106 रनों की साझेदारी हुई। 16वें ओवर में रिचर्ड एन्गरावा ने रूबिन हरमन को बोल्ड कर इस

साझेदारी का अंत किया। रूबिन हरमन ने 36 गेंदों में तीन चौके और चार छक्कों की मदद से (63) रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका ने 17.3 ओवर में तीन विकेट पर 145 रन बनाकर सात विकेट से मुकाबला जीत लिया। रासी वान दर दुसें ने 41 गेंदों में (नाबाद 52) और डेवाल्ड ब्रेविस ने सात गेंदों में (नाबाद 13) रन बनाये। जिम्बाब्वे की ओर से टी मपोसा ने दो विकेट लिये। इससे पहले आज यहां दक्षिण अफ्रीका की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 44 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिये। वेस्ली मधेवेरे(13), क्लाइव मडांडे (आठ) और कप्तान सिकंदर रजा(नौ) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रायन बर्ल ने ब्रायन बेनेट के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट लिये 78 रनों की साझेदारी हुई।

राजस्थान टेबल टेनिस संघ के वैध प्रबंधन को अस्थिर करने का प्रयास, खिलाड़ियों का भविष्य संकट में

खेलमंत्री राज्यवर्धन सिंह मिलने का वक्त भी नहीं दे रहे है

जयपुर, 20 जुलाई। राजस्थान टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष मुकुल गुप्ता ने बताया कि दशकों से सेवा कर रहे राजस्थान टेबल टेनिस संघ के खिलाफ हाल ही में सुनियोजित षड्यंत्र रचा गया है, जिससे न केवल संघ की वैधानिकता पर प्रश्नचिहन लगाए जा रहे हैं, बल्कि खिलाड़ियों के भविष्य पर भी सीधा खतरा मंडरा रहा है।

11 फरवरी 2023 को राजस्थान टेबल टेनिस संघ के चुनाव राजस्थान ओलंपिक संघ, राज्य खेल परिषद एवं अधिकृत निर्वाचन अधिकारी की निगरानी में विधिवत सम्पन्न हुए। इन्हें संबंधित प्राधिकरणों द्वारा विधिवत मान्यता भी प्रदान की गई, जिसके सभी प्रमाण पत्र संलग्न हैं। उक्त चुनाव प्रक्रिया में राजस्थान खेल अधिनियम, 2005 की पूर्णतः पालना की गयी है

परंतु दुर्भाग्यवश, टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीटीएफआई) के सचिव कमलेश मेहता द्वारा एक गैर संवैधानिक गुट का गठन किया गया है जिसकी अगुवाईरंजीत मलिक कर रहे है तथा अपने निजी एवं राजनीतिक हित साधने हेतु अवैध रूप से

RAJASTHAN TABLE TENNIS ASSOCIATION

CERTIFICATE OF ELECTION

I, MAHESH SAINI, who was appointed as the Election Officer by the ... of the Rajasthan Table Tennis Association ... that I have conducted the Election of the Executive Body of the Rajasthan Table Tennis Association ... February 2023, at 01:00 PM ...

I, MAHESH SAINI, do hereby further certify that the following office-bearers and other (members) have been elected on the posts indicated ... for a term of four years on the 11th February 2023 :-

President	1	Shri MUKUL GUPTA
Senior Vice President	1	Shri J. P. BHATT
Vice President		1. Shri Deepak Mansinghka 2. Shri Manoj Kumar Sharma 3. Shri Lalit Singh 4. Shri Anurag Dubey 5. Vacant
Honorary Secretary	1	Shri Sanjay Gehlot
Treasurer	1	Shri Jokesh Tiwari
Joint Secretary		1. Shri Atul Dubey 2. Shri Nathu Singh Solanki 3. Shri Dhruv Punnia 4. Shri Raju Ram 5. Shri Vineet Singh Chauhan 6. Shri Bhanvari Singh
Members		1. Shri Avinash Rathore 2. Shri Rampal Kunawat 3. Shri Vinod Gurjar

(GULANAN) Observer, Table Tennis Federation of India

(BHIYA RAM CHOUDHARY) Observer, Rajasthan State Sports Council

(ARUN SARASWAT) Observer, Rajasthan Olympic Association

(MAHESH SAINI) Election Officer

(SHANKAR LAL) Observer, Rajasthan Olympic Association

निर्वाचित पदाधिकारियों को दरकिनार कर टीटीएफआई द्वारा एक अवैध गुट टीटीएफआई-2 बना दिया गया है, जोकि राजस्थान खेल अधिनियम, 2005 के अंतर्गत वैध नहीं है, जिसके कारण राजस्थान संघ की वैधानिक स्थिति को जानबूझकर अस्थिर किया गया।

इस षड्यंत्र का सीधा प्रभाव राज्य के खिलाड़ियों

पर पड़ा है. जिन्हें अब "राजस्थान" के नाम से प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं हो रहे हैं जिससे उनका राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेना उपयोगी व लाभदायक नहीं है। यह स्थिति न केवल उनके मनोबल को तोड़ रही है, बल्कि उनके खेल कैरियर पर भी संकट खड़ा कर रही है।

वर्तमान स्थिति के प्रमुख तथ्य के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि टीटीएफआई द्वारा गठित तीन सदस्यीय समिति बनाई गई जिसमें समिति के सदस्य पार्थ गोस्वामी, राजू दुग्गल, चेतन गुरंग थे। कमेटी ने 11.02.2023 को हुए चुनावों को पूर्णतः वैध माना है।

राजस्थान टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष ललित सिंह ने कहा कि 11एफएच-3 की कानूनी आपतियों रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ एवं खेल

FIRST INFORMATION REPORT
(Under Section 173 B.N.S.S.)

1. District: JODHPUR CITY WEST — P.S.: CHOPASANI HOUSING BOARD — Year: 2025
2. FIR No.: 0218 — Date and Time of FIR: 18/07/2025 19:03

S.No.	Acts	Sections
1	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	318(4)
2	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	316(2)
3	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	338
4	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	339
5	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	340(2)
6	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	61(2)

3. (a) Occurrence of offence: Date From 11/02/2025 — Date To 06/06/2025; Time From 00:00 — Time To 00:00
(b) Information received at P.S.: Date 18/07/2025 — Time 17:48
(c) General Diary Reference: Entry No. 026 — Date & Time 18/07/2025 17:48:00
4. Type of Information: लिखित
5. Place of Occurrence: 1. (a) Direction and distance from P.S.: उत्तर-पश्चिम, 1.51 किमी — Beat No. 19
(b) Address: 91, NEW ANDARAM PARIHAR SCHOOL, CHB JODHPUR

विभाग द्वारा खारिज की जा चुकी है। इसके बावजूद, झूठे तथ्यों के आधार पर राज्य सरकार को भ्रमित कर एक तथाकथित तदर्थ समिति के गठन की सूचना मीडिया में दी जा रही है। इस पूरे विवाद के पीछे पूर्ववर्ती सरकार से जुड़े कुछ राजनीतिक तत्वों की संलिप्तता भी स्पष्ट रूप से सामने आ रही है। एक तरफ खेलमंत्री राज्यवर्धन सिंह खेलों को लेकर बड़े पैमाने पर बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, राज्य के खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में काफी मदद कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर राजस्थान टेबल टेनिस संघ को मिलने का वक्त भी नहीं दिया जा रहा है। अगर खेलमंत्री राज्यवर्धन सिंह राजस्थान टेबल टेनिस संघ की और खिलाड़ियों की परेशानी सुने तो खिलाड़ियों को हो रही परेशानी दूर किया जा सकता है।

राजस्थान टेबल टेनिस संघ की मांगें:

1. टीटीएफ के सचिव कमलेश मेहता एवं रंजीत मलिक के विरुद्ध जाँच की जाए।
2. वैध रूप से निर्वाचित पदाधिकारियों को शीघ्र राज्य सरकार द्वारा विधिक मान्यता प्रदान की
3. राजस्थान के खिलाडियों को जो प्रमाण पत्र राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओ में प्राप्त हो रहे है उसने राजस्थान का नाम अंकित करते हुए प्रतियोगिता में भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

मुकुल गुप्ता, अध्यक्ष, राजस्थान टेबल टेनिस संघ ने कहा कि राज्य के खिलाड़ियों के हितों की रक्षा हेतु संकल्पबद्ध है। हम आशा करते है कि राजस्थान सरकार इस पूरे प्रकरण का निष्पक्ष मूल्यांकन कर खेल की गरिमा एवं खिलाड़ियों के भविष्य की रक्षा हेतु त्वरित कदम उठाएगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश के कारण उत्पन्न परिस्थितियों, विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में जलभराव और नदियों तथा बांधों के जलस्तर में हुई वृद्धि के संबंध में उच्चस्तरीय बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहकर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने भारी वर्षा से उत्पन्न स्थिति की उच्चस्तरीय समीक्षा की

उन्होंने नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने व संवेदनशीलता से राहत कार्य करने के निर्देश दिये

जयपुर, 20 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश के कारण उत्पन्न परिस्थितियों, विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में जलभराव और नदियों तथा बांधों के जलस्तर में हुई वृद्धि के संबंध में रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर उच्चस्तरीय समीक्षा की। उन्होंने प्रशासन को नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रभावित क्षेत्रों में सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ बचाव और राहत कार्यों के लिए निर्देश दिए।

■ अभी तक के आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश के 36 जिलों में असामान्य व 5 जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज हुई है। प्रदेश के छोटे-बड़े सभी बाँधों की कुल भराव क्षमता 13,627 एमक्यूएम है तथा उसमें से 67 प्रतिशत भराव हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश से उत्पन्न स्थितियों के मद्देनजर अधिकारी अलर्ट मोड पर कार्य करते हुए त्वरित कार्यवाही करें। नदियों, तालाबों और जलाशयों के जल स्तर संबधी अपडेट लेते हुए निचले और बाढ़ संभावित इलाकों में सतत निगरानी रखी जाए। एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस और होमगॉर्ड्स के दल पर्याप्त संसाधनों के साथ अलर्ट रहें। उन्होंने प्रत्येक जिले में कंट्रोल रूम को प्रभावी रूप से संचालित करते हुए हेल्पलाइन नंबर का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए भी निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि से प्रभावित आमजन और पशुधन को सुरक्षित जगहों पर स्थानांतरित करने के लिए भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जलभराव क्षेत्रों में प्रभावित लोगों को पेयजल-खाद्य सामग्री सहित जरूरी वस्तुओं की कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने विद्युत आपूर्ति सुचारू करने के लिए भी निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि अतिवृष्टि की स्थिति में विशेष सावधानी बरतें। बाढ़ ग्रस्त मार्गों, पुलों और नदी-नालों को पार करने से बचें। बैठक में बताया गया कि संभाग मुख्यालय वाले जिलों को 20-20 लाख तथा अन्य जिलों को 10-10 लाख रुपए बाढ़ बचाव हेतु जारी किए जा चुके हैं। शासन सचिवालय परिसर में स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर नियमित रूप से संचालित है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के 36 जिलों में असामान्य और 5 जिलों में सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई है। छोटे बड़े सभी बांधों की कुल भराव क्षमता लगभग 13027 एमक्यूएम है जिसमें से 67 प्रतिशत भराव हो चुका है।

शर्मा ने सभी जिलों से जर्जर इमारतों, पानी के भराव वाले स्थानों तथा टूटी सड़कों व नदी नालों संबंधी रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, प्रदेशभर से संभागीय आयुक्त, जिला कलक्टर, रेंज आई.जी. एवं अन्य उच्चाधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

बिहार के युवा अब लच्छेदार बातों में आने वाले नहीं- राहुल गांधी

उन्होंने कहा कि रोजगार मेले में उमड़ी भीड़ दर्शाती है कि बिहार सरकार रोजगार नहीं दे पाई

नयी दिल्ली, 20 जुलाई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार में एक रोजगार मेले में उमड़ी बेरोजगार युवकों की भारी भीड़ को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर हमला करते हुए कहा कि बिहार के युवा अब लच्छेदार बातों की फेर में आने वाले नहीं है बल्कि उन्हें रोजगार की गारंटी चाहिए और यह काम कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडिया गठबंधन ही कर सकता है।

■ राहुल गांधी ने कहा कि बिहार के युवा कर्मठ, काबिल व होनहार हैं, उनकी जरूरत केवल स्थानीय और सम्माननीय रोजगार है।

गांधी ने कहा कि बेरोजगार की युवकों यह भीड़ बताती है कि बिहार के काबिल युवाओं के लिए सरकार रोजगार मुहैया नहीं कराई पा रही है। बिहार का युवा भाषण नहीं रोजगार चाहता है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार उन्हें रोजगार देने में विफल रही है।

उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, "महारोज़गार मेले में उमड़ा यह जनसैलाब सिर्फ़ एक भीड़ नहीं, एक संदेश है कि बिहार का युवा अब भाषणों पर नहीं, रोज़गार से अपना भविष्य चाहता है।

भाजपा और नीतीश सरकार ने बिहार को जिस तरह बेरोज़गारी की आग में झोंका, वहां से लाखों युवाओं को रोज़ी-रोटी के लिए पलायन करना पड़ता है अपना गांव, अपना परिवार...सब कुछ पीछे छोड़ना पड़ता है। बिहार के युवा कर्मठ हैं, काबिल हैं, होनहार हैं -उनकी ज़रूरत बस स्थानीय और सम्माननीय रोज़गार है।"

गांधी ने कहा कि अब बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन सिर्फ़ आश्वासन नहीं, समाधान लेकर आया है।

उन्होंने कहा हमारा फ़ोकस साफ़ है, "हुनर को हक़, हर युवा को रोज़गार, रुके पलायन, साथ रहे हर परिवार। इसी रास्ते बनेगा एक समृद्ध बिहार।"

हिमाचल में प्राकृतिक आपदाओं के लिए अमित शाह ने विशेषज्ञों की टीम बनाई

नयी दिल्ली, 20 जुलाई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हिमाचल प्रदेश में बार-बार प्राकृतिक आपदा आने और उनकी तीव्रता को देखते हुए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की एक केंद्रीय टीम के गठन का निर्देश दिया है। गृह मंत्रालय ने रविवार को एक वक्तव्य जारी करके यह जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार शाह की अध्यक्षता में हाल ही में हुई एक बैठक में यह महसूस किया गया कि हिमाचल प्रदेश में बादल फटने, अचानक बाढ़ आने, भूस्खलन और मूसलाधार वर्षा की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि हुई है। इन घटनाओं से राज्य में व्यापक जनहानि, बुनियादी ढाँचे और आजीविका को नुकसान और पर्यावरण क्षरण हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा है कि स्थिति से निपटने के उपाय सुझाने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण , केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की, भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान पुणे, भूविज्ञानी और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के विशेषज्ञों की एक केन्द्रीय टीम गठित करने का निर्णय लिया गया है।

मैराथन धावक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आयु में फौजा सिंह दुनिया के सबसे वृद्ध मैराथन धावक थे, जिन्होंने अपने संकल्प और धैर्य से पूरी दुनिया में मिसाल कायम की। उन्होंने कहा कि खेल जगत हमेशा फौजा सिंह का ऋणी रहेगा, जिन्होंने अपनी उम्र को पीछे छोड़ते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एथलेटिक्स को नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाया। फौजा सिंह की मृत्यु ने न केवल पंजाब बल्कि पूरे विश्व को शोकग्रस्त कर दिया है, क्योंकि लंबी दूरी की दौड़ों के माध्यम से उन्होंने पंजाब और विशेष रूप से सिख समुदाय का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया। मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि राज्य सरकार उनकी स्मृति में उनके गांव के स्कूल का नाम फौजा सिंह के नाम पर रखेगी और गांव के स्टेडियम तथा जालंधर के स्पोर्ट्स कॉलेज में उनकी प्रतिमा स्थापित की जायेगी।

मोदी ब्रिटेन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के निमंत्रण पर 25 से 26 जुलाई तक मालदीव की राजकीय यात्रा करेंगे। यह प्रधानमंत्री की मालदीव की तीसरी यात्रा होगी और डॉ. मुइज़्ज़ू के राष्ट्रपति बनने के बाद किसी राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष की मालदीव की पहली यात्रा होगी। प्रधानमंत्री 26 जुलाई को मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के समारोह में 'मुख्य अतिथि' रहेंगे। प्रधानमंत्री डॉ. मुइज़्ज़ू से मुलाकात करेंगे और आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

कांवड़ यात्रा में उपद्रव करने वालों पर सख्त एक्शन होगा- योगी

लखनऊ, 20 जुलाई। योगी सकरार कांवड़ यात्रा में तोड़फोड़ और उपद्रव करने वालों के पोस्टर चस्पा करने जा रही है। कांवड़ यात्रा सम्पन्न होने के बाद उनके खिलाफ सख्त एक्शन होगा। ये बातें खुद सीएम योगी ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा के बाद हुई प्रेस ब्रीफिंग में कही। सीएम योगी इन घटनाओं को लेकर बेहद तल्ख तेवरों में नजर आए और बोले कि सबके सीसीटीवी हैं, जिन्होंने कांवड़ यात्रा को बदनाम करने का प्रयास किया है। जो भी उपद्रवियों के भेष में छिपे हैं बेनकाब होंगे।

■ उन्होंने कहा कि उपद्रवी तत्वों के पोस्टर चस्पा किये जायेंगे।

सीएम योगी ने आगाह भी किया कि कांवड़ यात्रा में उत्साह और उमंग है, श्रद्धा और भक्ति है, और इस उत्साह और श्रद्धा को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। सोशल मीडिया के साथ अन्य माध्यमों से इस धार्मिक यात्रा को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे लोगों को अपने बीच में ना घुसने दें।

योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा कि कांवड़ को खंडित करने और श्रद्धा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कानून हाथ में ना लें बल्कि उनके बारे में प्रशासन को सूचना दें। सीएम योगी ने कांवड़ यात्रा के दौरान जहां कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की, वहीं लोगों को उनकी जिम्मेदारी का भी अहसास कराया। सीएम योगी ने कहा कि शिव लोकमंगल के देवता हैं वो आदिदेव महादेव हैं। पुलिस-प्रशासन ने तो बेहतर व्यवस्थाएं की हैं, लेकिन हमें भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि हमें दूसरों की परेशानी भी समझनी होगी। सफाई कर्मचारी तो अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, लेकिन हमें भी अपना दायित्व समझना होगा। चौराहों और उनके पास गंदगी ना फैलाएं। इसलिए शिव भक्त स्वच्छता के कार्यक्रम से जुड़े।

लुटेरी दुल्हन ..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और परिचितों की मौजूदगी में दोनों को शादी हो गई।

आरोप है कि शादी के महज 13 दिन बाद ही 18 जुलाई को सुबह साढ़े 8 बजे दुल्हन के माता-पिता व दो अन्य लोग घर पर आए और खुद को एनजीओ संचालक बताते हुए पैसे मांगने लगे।

हम ऑपरेशन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि छोटे राजनीतिक दलों, खासकर जिनके 1-2 सांसद हैं, को बोलने के लिए कम समय मिलता है। हमने इसका संज्ञान लिया है। हम छोटे दलों को पर्याप्त समय आवंटित करने पर सहमत हुए हैं। किरेन रिजिजू ने कहा कि जस्टिस वर्मा मामले में सभी पक्ष मिलकर प्रक्रिया अपनाएंगे। यह अकेले सरकार का कदम नहीं है। मामले को लेकर हस्ताक्षर की प्रक्रिया चल रही है और यह पहले ही 100 को पार कर चुका है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न दलों के साथ सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों की बैठकें बहुत अच्छी और प्रभावी रहीं और उन सभी अच्छे अनुभवों को राष्ट्र के सामने साझा किया जाना चाहिए। हमें इसका स्वागत करना चाहिए।

जून में यूपीआई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया। पिछले साल जून में यह आंकड़ा 13.88 अरब लेन-देन था। यानी एक साल में करीब 32 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है।

आज यूपीआई से 491 मिलियन यानी 49.1 करोड़ लोग और 65 लाख व्यापारी जुड़े हुए हैं। यूपीआई पर 675 बैंक एक साथ काम करते हैं, जिससे कोई भी व्यक्ति किसी भी बैंक से किसी को भी भुगतान कर सकता है, बिना बैंक के नाम की चिंता किए।

'प्रधानमंत्री संसद में पहलगाम, ट्रंप, बिहार मतदाता सूचि पर जवाब दें'

संसद सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने एक स्वर में यह माँग की

नयी दिल्ली, 20 जुलाई। सरकार की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों के नेताओं ने रविवार को एक स्वर में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ऑपरेशन सिंदूर पर संसद से देश को संबोधित करना चाहिए और बिहार में मतदाता सूची तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के आरोपों पर जवाब देना चाहिए।

■ कांग्रेस के गौरव गोगोई, सपा के राम गोपाल यादव, अन्नाद्रमुक के थंबीदुरई, बीजू जनता दल के सस्मित पात्रा तथा तेलुगू देशम पार्टी के देवरायलु ने बैठक में विभिन्न मुद्दे उठाये।

सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के बाद, कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, "इस सत्र में हम पहलगाम पर बात करेंगे। सीमा पर संघर्ष, प्रत्येक नागरिक के मतदान के अधिकार और बिहार में मतदाता पुनरीक्षण से संबंधित मुद्दों पर प्रधानमंत्री को संसद से राष्ट्र को संबोधित करना चाहिए। उम्मीद है प्रधानमंत्री अपना नैतिक कर्तव्य निभाएंगे।

समाजवादी पार्टी के राम गोपाल यादव ने कहा कि उन्होंने बैठक में पहलगाम आतंकी हमला और इसमें खुफिया विफलता, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति के सैन्य करवाई रोकने वाले बयान के साथ ही पांच जैट विमान गिराए जाने संबंधी बयान, देश की विदेश नीति की विफलता का मुद्दा उठाया। उनका कहना था, विदेश नीति की विफलता के कारण ऑपरेशन सिंदूर पर दुनिया के किसी देश ने हमारा साथ नहीं दिया।

अन्नाद्रमुक के एम थंबीदुरई ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में लगभग सभी दलों के नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े सवालों का जवाब देने के लिए संसद से देश को संबोधित करना चाहिए।

आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने कहा "मैंने बिहार में मतदाता पर बुलडोज़र कार्रवाई और अहमदाबाद विमान दुर्घटना में हमारे पायलटों को दोषी ठहराए जाने का मुद्दा उठाया।"

बीजू जनता दल के संबित पात्रा ने कहा कि ओडिशा में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है और राज्य की भाजपा सरकार असहाय और विफल नज़र आ रही है।

उनका कहना था कि संसद सत्र के दौरान उनकी पार्टी इस मुद्दे को मजबूती से उठाएगी।

एयर इंडिया के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जताई थी कि जांच में विशेषज्ञों को शामिल नहीं किया जा रहा है। उन्होंने मांग की थी कि जांच में अनुभवी पायलटों को शामिल किया जाए ताकि निष्पक्ष और तकनीकी रूप से सटीक जांच हो सके।

जम्मू में "राजभवन चलो" मार्च में 200 कांग्रेसी गिरफ्तार

राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए मार्च कर रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने शहीदी चौक पर रोका

जम्मू, 20 जुलाई। रविवार को जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख नेताओं सहित 200 से अधिक कार्यकर्ताओं को यहां 'राजभवन चलो' मार्च के दौरान हिरासत में ले लिया गया।

■ प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें पुलिस बसों में बैठाकर जिला पुलिस लाइन भेजा।

कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान जम्मू कश्मीर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा, अखिल भारतीय कांग्रेस महासचिव जी ए मीर, कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला और वरिष्ठ नेताओं के साथ 200 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को ऐहतियात के तौर पर पुलिस ने हिरासत में ले लिया ।

प्रदेश कांग्रेस ने राज्य का दर्जा बहाल करने के अपने संघर्ष, 'हमारी रियासत हमारा हक' को तेज करने के लिए आज शहीदी चौक जम्मू से राजभवन तक मार्च निकालने की घोषणा पहले ही कर दी थी। प्रदर्शनकारियों को शहीदी चौक से आगे बढ़ ने से रोकने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था और कांटेदार बैरिकेड लगाए गए। पुलिस ने शहीदी चौक पर उनके मार्च को रोकने की कोशिश की, तभी प्रदर्शनकारियों की उनके साथ झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस बैरिकेड तोड़कर रेजीडेंसी रोड और रघुनाथ बाजार की ओर मार्च करने की कोशिश की। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नेताओं को पुलिस बसों में बिठाकर जम्मू के जिला पुलिस लाइन ले जाया गया।

कर्रा ने कहा, हमारे नेता मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को केंद्र सरकार के पूर्ण राज्य का दर्जा देने के वादे की याद दिलायी है और इसे इंडिया गठबंधन का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि वह सोमवार को पार्टी के निर्धारित 'चलो दिल्ली चलो'आ ान पर आगे बढ़ेंगे और मांग के समर्थन में 'संसद घेराव' के तहत दिल्ली में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे। मीर ने श्रीनगर और जम्मू में शांतिपूर्ण मार्च को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन की आलोचना की। उन्होंने बैरिकेड्स के आगे कंटीले तार लगाने पर भी कड़ी आपत्ति जतायी।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908